मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सोनीपत में किया मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना के दूसरे चरण का शुभारंभ

संस्थापक : स्व. श्री वीर विक्रम आदित्य

स्थापना वर्ष : 2002

हिन्द जनपथ

पंचकूला
शुक्रवार
12 दिसंबर, 2025
वर्ष:24 अंक: 169
कुल पृष्ठ:08
मूल्य : 1 रुपया

खबरें छापते हैं छुपाते नहीं | दैनिक प्रभात संस्करण हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित। | www.hindjanpath.com

भारत-अमेरिका संबंधों की रफ्तार तेज, मोदी-ट्रंप ने फोन पर की अहम बातचीत

नई दिल्ली- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वीरवार को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ फोन पर बातचीत की, जिसमें दोनों देशों के बीच व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के प्रयासों के बीच आर्थिक संबंधों को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

अधिकारियों ने बताया कि नेताओं ने व्यापार, महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों, ऊर्जा, रक्षा और सुरक्षा के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर विचारों का आदान-प्रदान किया। उन्होंने बताया कि दोनों नेताओं ने साझा चुनौतियों का समाधान करने और साझा हितों को आगे बढ़ाने के लिए मिलकर काम करने पर सहमति जताई।

उन्होंने बताया कि मोदी और ट्रंप ने भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी में हुई प्रगति की भी समीक्षा की। दोनों नेताओं ने सभी क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग के लगातार मजबूत होने पर संतोष व्यक्त किया। अधिकारियों ने बताया कि मोदी और ट्रंप ने द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाने के साझा प्रयासों में गति बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया।

उन्होंने बताया कि नेताओं ने महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों, ऊर्जा, रक्षा और सुरक्षा तथा अन्य प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया, जो 21वीं सदी के लिए भारत-अमेरिका 'कॉम्पैक्ट' के कार्यान्वयन के लिए महत्वपूर्ण हैं। नेताओं ने विभिन्न क्षेत्रीय और वैश्विक घटनाक्रमों पर भी चर्चा की और साझा चुनौतियों का समाधान करने और साझा हितों को आगे बढ़ाने के लिए मिलकर काम करने पर सहमति व्यक्त की।

नाइटक्लब के मालिकों सौरभ और गौरव लूथरा को थाईलैंड में हिरासत में लिया

पणजी- गोवा में नाइट क्लब में आग लगने से 25 लोगों की मौत के बाद भारत से भागे उसके मालिकों सौरभ लूथरा और उसके भाई गौरव लूथरा को थाईलैंड पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। अधिकारियों ने आज यह जानकारी दी। नाइटक्लब के सह-मालिकों को भारत सरकार के अनुरोध पर हिरासत में लिया गया है। दोनों के खिलाफ इंटरपोल का 'ब्लू कॉर्नर नोटिस' जारी किया गया था।

वरिष्ठ अधिकारियों ने पुष्टि की है कि दोनों आरोपियों को थाईलैंड के फुकेट में हिरासत में लिया गया है और उन्हें भारत लाने की प्रक्रिया जारी है। अधिकारियों के अनुसार, दोनों ने छह दिसंबर की देर रात को एक बजकर 17 मिनट पर एक यात्रा पोर्टल के माध्यम से फुकेट के लिए अपनी टिकटें बुक की थीं। उन्होंने उत्तरी गोवा के अरपोरा में स्थित उनके नाइट क्लब 'बर्च बाय रोमियो लेन' में लगी भीषण आग के बारे में पता चलने के एक घंटे के भीतर टिकटें बुक कर ली थी।

जिस समय पुलिस और प्रशासन आग बुझाने और कर्मचारियों को बचाने की कोशिश कर रहे थे, उसी दौरान ये दोनों रविवार तड़के इंडिगो की एक उड़ान से भारत से रवाना हो गए। गोवा पुलिस ने उनके खिलाफ ब्लू कॉर्नर नोटिस जारी करने के लिए केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से संपर्क किया था।

अमेरिका ने पाकिस्तान को F16 लड़ाकू विमान के लिए उन्नत तकनीक बेचने को मंजूरी दी

इस्लामाबाद: अमेरिका ने पाकिस्तान को एफ-16 लड़ाकू विमानों के लिए उन्नत तकनीक और सहायता बेचने को मंजूरी दे दी है, जिसका मूल्य 68.6 करोड़ डॉलर है।

बृहस्पतिवार को 'डॉन' अखबार की खबर के मुताबिक, अमेरिकी रक्षा सुरक्षा सहयोग एजेंसी (डीएससीए) ने सोमवार को संसद को भेजे गए एक पत्र में इस बिक्री को मंजूरी दी है। इस पैकेज में लिंक-16 सिस्टम, क्रिप्टोग्राफिक उपकरण, एवियोनिक्स अपडेट, प्रशिक्षण और व्यापक साजोसामान संबंधी सहायता शामिल है।

डीएससीए के पत्र में इस बिक्री का कारण स्पष्ट किया गया है। इसमें कहा गया है कि यह कदम ''अमेरिका की विदेश नीति और राष्ट्रीय सुरक्षा उद्देश्यों का समर्थन करेगा, क्योंकि इससे पाकिस्तान को आतंकवाद-रोधी अभियानों और भविष्य की आकस्मिक परिस्थितियों की तैयारी में अमेरिकी और साझेदार बलों के साथ अंतर-परिचालन बनाए रखने में मदद मिलेगी।''

प्रस्तावित बिक्री का उद्देश्य पाकिस्तान के एफ-16 बेड़े का आधुनिकीकरण करना और परिचालन सुरक्षा संबंधी चिंताओं का समाधान करना भी है। क्षेत्रीय संतुलन को लेकर चिंताओं पर भी पत्र में कहा गया है कि ''उपकरणों की प्रस्तावित बिक्री और समर्थन क्षेत्र में बुनियादी सैन्य संतुलन को नहीं बदलेगा।''

इस बिक्री का कुल अनुमानित मूल्य 68.6 करोड़ डॉलर है, जिसमें 3.7 करोड़ डॉलर मूल्य का प्रमुख रक्षा उपकरण और 64.9 करोड़ डॉलर मूल्य की अन्य सामग्री शामिल है।

हरियाणा व पंजाब के कई हिस्सों में तापमान सामान्य से नीचे, फरीदकोट सबसे ठंडा

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब और हरियाणा में बृहस्पतिवार को भी शीत लहर का प्रकोप जारी रहा। दोनों ही पड़ोसी राज्यों में कई स्थानों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से कुछ डिग्री नीचे बना हुआ है।

मौसम विभाग की रिपोर्ट के अनुसार फरीदकोट पंजाब का सबसे ठंडा स्थान रहा, जहां न्यूनतम तापमान 4.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। अमृतसर में न्यूनतम तापमान 6.7 डिग्री सेल्सियस जबकि लुधियाना में 6.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से थोड़ा कम है।

पटियाला में न्यूनतम तापमान 7.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से दो डिग्री कम है। वहीं, पठानकोट में न्यूनतम तापमान 6.9 डिग्री सेल्सियस, बठिंडा में 6.2 डिग्री सेल्सियस और गुरदासपुर में सात डिग्री सेल्सियस रहा।

दोनों राज्यों की संयुक्त राजधानी चंडीगढ़ में पारा 6.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से तीन डिग्री कम है।

हरियाणा के अंबाला में न्यूनतम तापमान 8.7 डिग्री सेल्सियस, हिसार में 6.4 डिग्री सेल्सियस, करनाल में 6.5 डिग्री सेल्सियस, नारनौल में छह डिग्री सेल्सियस, रोहतक में 7.8 डिग्री सेल्सियस, भिवानी में 7.5 डिग्री सेल्सियस और सिरसा में 7.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

कश्मीर के अधिकांश क्षेत्रों में तापमान में गिरावट के कारण लोगों को रात के समय कड़ाके की ठंड का सामना करना पड़ रहा है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वहीं कई हिस्सों में हल्की धुंध छाई रही।

उत्तर प्रदेश सहित छह राज्यों, केंद्र शासित क्षेत्रों में एसआईआर की तिथियां दोबारा बढ़ायी गयीं

नयी दिल्ली- चुनाव आयोग ने उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात और तमिलनाडु तथा केंद्र शासित अंडमान निकोबार की मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के कार्यक्रम में गुरुवार को संशोधन की घोषणा की।

आयोग ने इन पांच राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश अंडमान निकोबार के मुख्य चुनाव अधिकारियों के अनुरोध पर वहाँ मतगणना प्रपत्र जमा कराने और संशोधित मतदाता सूची के मसौदों के प्रकाशन की तिथियां बढ़ा दी हैं।

आयोग की विज्ञप्ति के अनुसार, उत्तर प्रदेश में मतगणना प्रपत्र जमा करने की तिथि 11 दिसंबर से बढ़ाकर 26 दिसंबर कर दी गयी है और राज्य की संशोधित मतदाता सूची का मसौदा 31 दिसंबर को प्रकाशित किया जाएगा।

इसी तरह मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ और केंद्र शासित अंडमान में मतगणना प्रपत्र जमा कराने की तिथि 18 दिसंबर और संशोधित मतदाता सूची के मसौदे के प्रकाशन की तिथि 23 दिसंबर कर दी गयी है।

गुजरात और तमिलनाडु में मतगणना प्रपत्र को जमा करने की अंतिम तारीख 14 दिसंबर कर दी गयी है और इन दोनों राज्यों की संशोधित सूची का मसौदा 19 दिसंबर को जारी किया जाएगा।

इससे पहले के संशोधित कार्यक्रम के अनुसार, इन सभी जगहों पर मतगणना प्रपत्र जमा करने की तिथि आज ही समाप्त हो रही थी, जबकि इनमें संशोधित सूची का मसौदा 16 दिसंबर को प्रकाशित किया जाना था।

आयोग ने इससे पहले केरल में मतगणना प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि संशोधित कर 18 दिसंबर कर दी थी और वहां संशोधित सूची का मसौदा 23 दिसंबर को प्रकाशित किया जाना था।

आयोग ने कहा है कि यह फैसला यह सुनिश्चित करने के लिए किया गया है कि नयी सूची में किसी भी पात्र व्यक्ति का नाम नहीं छुटे। आयोग ने यह भी कहा है कि नये मतदाताओं को सूची में नाम जुड़वाने के लिए फॉर्म-6 और घोषणा पत्र भरने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। उन्हें आयोग की वेबसाइट और ऐप के माध्यम से अपना फॉर्म और घोषणा पत्र जमा कराने की सुविधा भी है।

उल्लेखनीय है कि निर्वाचन आयोग ने बिहार के बाद 12 राज्यों और केंद्र शासित क्षेत्रों में एसआईआर की प्रक्रिया शुरू की है। इसके लिए आयोग ने 27 अक्टूबर को आदेश जारी किया था। इसके अलावा, असम की सूची की भी विशेष संक्षिप्त समीक्षा करने का काम चल रहा है। इन संशोधित सूचियों की संदर्भ की तिथि एक जनवरी 2026 रखी गयी है।

मुख्यमंत्री की ओर से निर्माणाधीन सड़कों का औचक निरीक्षण, सड़क में खामियों का पता लगने पर ठेकेदार के विरुद्ध कारण बताओ नोटिस जारी तथा भुगतान रोकने के आदेश

हिन्द जनपथ

पटियाला/फतेहगढ़ साहिब (ब्यूरो)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज पटियाला जिले में रीतखेड़ी लिंक रोड के निर्माण में अनियमितताएं पाए जाने पर ठेकेदार के खिलाफ कारण बताओ नोटिस जारी करने तथा उसकी सभी अदायगियां तुरंत रोकने के आदेश दिए। जिक्रयोग्य है कि मुख्यमंत्री ने आज तीन निर्माणाधीन सड़कों की जांच की, जिनमें से दो सड़कों का निर्माण कार्य सही पाया गया, जबकि एक सड़क के निर्माण में खामी पाई गई

निर्माणाधीन सड़क का औचक निरीक्षण करने पहुंचे मुख्यमंत्री ने सड़क के नमूने लेने के बाद निर्धारित मानकों का पालन न करने पर कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने अधिकारियों को ठेकेदार को कारण बताओ नोटिस जारी करने और उसका भुगतान फौरन रोकने के निर्देश दिए। भगवंत सिंह मान ने पटियाला जिले में ही निर्माणाधीन पटियाला-सरहिंद सड़क का भी निरीक्षण किया और अधिकारियों को सड़क के नमूनों की लैबोरेटरी जांच करवाने को कहा। इसके अलावा उन्होंने फतेहगढ़ साहिब जिले में रुड़की से रिउंणा पलैन रोड की भी जांच की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इन निर्माणाधीन सड़कों की जांच का उद्देश्य पूरे प्रदेश में बन रही सड़कों की गुणवत्ता की जांच करना है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार बहुत बड़ी राशि खर्च कर रही है, इसलिए यह मुहिम प्रदेश में उच्च गुणवत्ता वाली सड़कें बनाने को सुनिश्चित करने के लिए शुरू की गई है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि वे आने वाले दिनों में भी यह औचक जांच जारी रखेंगे क्योंकि वे यह सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं कि जनता के पैसे का सही उपयोग हो।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह औचक जांच इसलिए की गई है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सड़क निर्माण के लिए आने वाला पैसा सही ढंग से खर्च हो और सड़कें बेहतरीन सामग्री से बनें। उन्होंने कहा कि सभी संबंधित विभागों को उचित तालमेल सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं ताकि सीवरेज लाइनें, पीने के पानी की पाइपें, फाइबर और अन्य सभी काम सड़क निर्माण से पहले ही पूरे हो जाएं। भगवंत सिंह मान ने कहा कि इससे पूरे प्रदेश में नई बनी सड़कों को न्यूनतम नुकसान होगा, जिससे जनता के पैसे का तर्कसंगत उपयोग सुनिश्चित होगा।

लोगों से जोरदार अपील करते हुए मुख्यमंत्री ने उनसे सड़क निर्माण के चल रहे कार्य की व्यक्तिगत रूप से निगरानी करने का आग्रह किया क्योंकि यह लोगों की अपनी संपत्ति है। उन्होंने कहा कि आम जनता को इस काम की निगरानी करनी चाहिए और यदि कोई अनियमितता होती है तो उसे प्रदेश सरकार के संज्ञान में लाना चाहिए। भगवंत सिंह मान ने काम में लापरवाही बरतने वाले ठेकेदारों के खिलाफ सबसे सख्त कार्रवाई का भरोसा दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह बहुत गर्व और संतोष की बात है कि सरकार ने प्रदेश के इतिहास में सबसे बड़ा सड़क निर्माण कार्य शुरू किया है, जिसमें कुल 16,209 करोड़ रुपए की लागत से 44,920 किलोमीटर सड़कें बनाने का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि अगले साल के अंत तक प्रदेश सरकार पंजाब के सभी गांवों, कस्बों और शहरों में कुल 16,209 करोड़ रुपए की लागत से 44,920 किलोमीटर सड़कें बना लेगी। भगवंत सिंह मान ने कहा कि इन सभी सड़कों के निर्माण के साथ 5 साल की देखभाल-संबंध की शर्त जोड़ी गई है, जिससे विश्व स्तरीय सड़क सुरक्षा मानकों के साथ-साथ उच्च गुणवत्ता के मानक भी सुनिश्चित होंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस कदम का उद्देश्य प्रदेश में बेहतर सड़कें उपलब्ध कराना और ग्रामीण मूलभूत संरचना को मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने पहले ही 4,092 करोड़ रुपए की कुल लागत से 19,373 किलोमीटर ग्रामीण लिंक सड़कों का निर्माण शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि इस साल बाढ़ से हुई व्यापक तबाही के कारण कई क्षेत्रों में सड़कों को भारी नुकसान हुआ था, इसलिए प्रदेश सरकार ने इस प्रोजेक्ट पर कड़ी मेहनत की है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि चल रहे सड़क प्रोजेक्टों में 5 साल की मेंटेनेंस की धारा जोड़ी गई है ताकि सड़कें लंबे समय तक ठीक रहें। साथ ही सड़कों पर चमकदार धारियां, किनारों पर निशान, दिशा-सूचक और विश्व स्तरीय सुरक्षा मानक सुनिश्चित किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वे पंजाब के लोगों को बेहतर सेवा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। इसी के तहत पंजाब सरकार ने पीएमबी, पीडब्ल्यूडी, शहरी स्थानीय निकायों सहित कई एजेंसियों और जन प्रतिनिधियों को इस प्रदेश स्तरीय व्यापक मुहिम से जोड़ा है। उन्होंने कहा कि इसके लिए प्रदेश सरकार ने पंजाब में सभी सड़कों का विस्तृत सर्वेक्षण करवाकर मरम्मत और अपग्रेड होने वाली सड़कों की पहचान की है।

मोटी-मोटी बातें

सिविल अस्पताल पंचकूला में स्वास्थ्य सेवाएं सुचारू- सिविल सर्जन डॉ. मुक्ता कुमार

हिन्द जनपथ

पंचकूला (ब्यूरो)। सिविल सर्जन डॉ. मुक्ता कुमार ने बताया कि हरियाणा सिविल मेडिकल सर्विसेज एसोसिएशन (एचसीएमएसए) ने पंचकूला समेत पूरे राज्य में सरकारी डॉक्टरों की अनिश्चितकालीन हड़ताल बुलाई है। हड़ताल के बावजूद, सिविल अस्पताल पंचकूला में मरीजों की देखभाल की सेवाएं जैसे ओपीडी, इमरजेंसी और दूसरी जरूरी सेवाएं रूटीन के हिसाब से चल रही है।

उन्होंने बताया कि रोजाना करीब 3500 ओपीडी मरीज अलग-अलग क्लिनिकल डिपार्टमेंट में आ रहे है। मरीजों को समय पर सलाह और इलाज मिल रहा है।

डॉ. मुक्ता कुमार ने आगे बताया कि मेडिको लीगल और पोस्टमार्टम सेवाओं सहित इमरजेंसी सेवाएं भी सुचारू रूप से चल रहीं है। एसएनसीयू/आईसीयू और ओटी जैसी दूसरी क्रिटिकल केयर सेवाएं भी बिना रुकावट के चल रही है। मेडिकल ऑफिसर और एसएमओ की गैरमौजूदगी की बात सामने आई, लेकिन रोजाना करीब 130 डॉक्टर ड्यूटी पर मौजूद रहे, जिसमें 24×7 चलने वाली इमरजेंसी सेवाएं भी शामिल हैं। ड्यूटी पर मौजूद ये डॉक्टर मुलाना मेडिकल कॉलेज, ईएसआई अस्पताल, सिविल अस्पताल के कंसल्टेंट, डीएनबी रेजिडेंट आदि अपनी सेवाएं दे रहे है।

उन्होंने बताया कि सिविल अस्पताल पंचकूला में स्थिति काफी हद तक सामान्य है और स्वास्थ्य सेवाएं ज्यादातर बिना किसी रुकावट के चल रहीं है। सीटी/एमआरआई, डायलिसिस, हार्ट प्रोसीजर और लैब टेस्टिंग सहित डायग्नोस्टिक और इमेजिंग सेवाएं भी रूटीन के हिसाब से की जा रही है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हरियाणा के सांसदों के साथ की बैठक, विकास कार्यों पर हुई चर्चा

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने गुरुवार को नई दिल्ली स्थित हरियाणा भवन में हरियाणा के सांसदों के साथ बैठक की। इस दौरान केंद्रीय ऊर्जा, आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री श्री मनोहर लाल भी मौजूद रहे।

बैठक के दौरान हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सांसदों के लोकसभा क्षेत्रों में चल रहे विकास कार्यों पर बारीकी से चर्चा की। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार हर क्षेत्र में विकास कार्य कर रही है। सांसदों के लोकसभा क्षेत्रों में भी निरंतर विकास कार्य जारी है। उन्होंने बैठक में सभी सांसदों से उनके क्षेत्र से जुड़ी मांगों को लेकर भी चर्चा की और विकास कार्यों पर मंथन किया। उन्होंने कहा कि बैठक का मकसद विकास कार्यों को और तेज गति से आगे बढ़ाना है ताकि आमजन को सरकारी परियोजनाओं का अधिक से अधिक लाभ मिल सके। इस मौके पर सांसदों ने केंद्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल के समक्ष भी अपनी मांगें रखी। इस बैठक मे लोकसभा सांसद धर्मवीर सिंह, नवीन जिंदल, राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा, सुभाष बराला, रेखा शर्मा, कार्तिकेय शर्मा मौजूद रहे।

इंडिगो ने हवाई अड्डे पर लंबे समय तक फंसे रहे यात्रियों के लिए की मुआवजे की घोषणा

नयी दिल्ली- निजी विमान सेवा कंपनी इंडिगो ने 03, 04 और 05 दिसंबर को लंबे समय तक हवाई अड्डों पर फंसे रहे यात्रियों के लिए मुआवजा और ट्रैवल वाउचर की घोषणा की है।

एयरलाइंस ने गुरुवार को जारी बयान में इस घटना पर खेद व्यक्त किया है। उसने कहा है कि सरकार के दिशा-निर्देशों के मुताबिक इन यात्रियों को पांच हजार रुपये से 10 हजार रुपये तक मुआवजा दिया जायेगा। मुआवजे की राशि इस बात पर निर्भर करेगी कि वे कितनी देर तक हवाई अड्डे पर फंसे रहे।

इसके अलावा इन यात्रियों को 10-10 हजार रुपये का ट्रैवल वाउचर भी दिया जायेगा। इसका इस्तेमाल अगले 12 महीने तक टिकट बुक कराने के लिए किया जा सकेगा।

बयान में कहा गया है कि इंडिगो संकट के दौरान रद्द रही सभी उड़ानों के यात्रियों के लिए रिफंड जारी कर दिया गया है और ज्यादातर मामलों में रिफंड की राशि पीड़ित यात्रियों के खाते में आ चुकी है। तीसरे पक्ष के प्लेटफॉर्म से बुक कराये गये रिफंड के बारे में भी एयरलाइंस ने दावा किया है कि रिफंड जारी कर दिया गया है। ऐसे यात्रियों को कस्टमर.एक्सपेरियंस@गोइंडिगो.इन पर ईमेल भेजने की सलाह दी गयी है। इससे पहले, एक अन्य बयान में इंडिगो ने बताया था कि 09 दिसंबर से उसके परिचालन में स्थिरता आ चुकी है। गत 08 दिसंबर को 1,700 से अधिक उड़ानों का परिचालन किया गया। अगले दिन 09 दिसंबर को 1,800 और 10 दिसंबर को 1,900 से अधिक उड़ानों का परिचालन किया गया है। उसने आज 11 दिसंबर को 1,950 उड़ानों के परिचालन की उम्मीद जतायी है। उसने बताया कि पिछले तीन दिन में सिर्फ तीन उड़ानें अंतिम समय में रद्द हुईं जिनके पीछे तकनीकी तथा मौसम से संबंधित कारण थे।

उल्लेखनीय है कि इंडिगो 03 दिसंबर से बड़ी संख्या में उड़ानें रद्द कीं जिससे यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। सबसे बुरा हाल 05 दिसंबर को रहा जब उसने मात्र 700 उड़ानों का परिचालन किया और उसकी 1,500 से अधिक उड़ानें रद्द रहीं।

पेट्रोलियम पदार्थों में एथनॉल मिलाने से वाहनों को कोई नुकसान नहीं: गडकरी

नयी दिल्ली- लोक सभा में गुरुवार को जानकारी दी गयी कि पेट्रोल में एथनॉल मिलाने से वाहनों को कोई नुकसान नहीं होता है।

केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने प्रश्न काल में बताया कि पेट्रोलियम पदार्थों में एथनॉल मिलाने से वाहनों को कोई नुकसान होता है या नहीं, इसकी जांच की गयी है, जिससे स्पष्ट हुआ है इससे वाहनों को कोई नुकसान नहीं पहुंचता है।

श्री गडकरी ने एक प्रश्न के उत्तर में बताया कि ई20 फ्यूल के इस्तेमाल की वजह से किसानों को बहुत बड़ी रकम मिल रही है। इस व्यवस्था से देश के किसान ऊर्जादाता भी बन गये हैं।

केन्द्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने एक प्रश्न के उत्तर में बताया कि ई20 फ्यूल की वजह से कच्चे तेल के आयात में कमी आयी है। इस व्यवस्था से विदेशी मुद्रा की बचत भी हुई है। उन्होंने बताया कि इस समय अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत 60-65 डॉलर प्रति बैरल है, लेकिन रिफाइनिंग, बीमा और अन्य कारकों से ग्राहकों तक पहुंचते-पहुंचते पेट्रोलियम पदार्थों के दाम बढ़ जाते हैं।

उन्होंने बताया कि ई-फ्यूल व्यवस्था में पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथनॉल मिलाने की योजना है और अभी तक 19.2 से लेकर 19.4 प्रतिशत तक एथनॉल मिलाया जा रहा है। बहुत जल्द ही लक्षित 20 प्रतिशत तक एथनॉल मिलाना शुरू कर दिया जायेगा। उन्होंने कहा कि एथनॉल के उत्पादन से देश के अन्नदाताओं को बड़ी रकम का भुगतान मिल रहा है।

व्यक्तिग एवं सामुदायिक स्तर पर मानकों के अनुसार श्रेष्ठ शौचालय की श्रेणी में सम्मान प्रदान

सोलन । अतिरिक्त उपायुक्त सोलन एवं ज़िला ग्रामीण विकास अभिकरण के परियोजना निदेशक राहुल जैन ने आज यहां उन ग्राम पंचायतों व लाभार्थियों को सम्मानित किया जिन्हें स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के मानदण्डों के अनुसार व्यक्तिगत एवं सामुदायिक शौचालय की श्रेणी में श्रेष्ठ आंका गया है। राहुल जैन ने इस अवसर पर कहा कि यह चयन 19 नवम्बर, 2025 से 10 दिसम्बर, 2025 तक कार्यान्वित किए गए 'हमारा शौचालय हमारा भविष्य' अभियान के तहत किया गया। उन्होंने कहा कि इस अभियान के तहत ज़िला में व्यक्तिगत एवं सार्वजनिक स्थलों पर शौचालयों की साफ-सफाई व मुरम्मत के कार्य के लिए विशेष अभियान कार्यान्वित किया गया। उन्होंने कहा कि विजेता ग्राम पंचायतों एवं व्यक्तियों के माध्यम से अन्य भी इस दिशा में बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित होंगे। राहुल जैन ने कहा कि स्वच्छता, स्वस्थ रहने की दिशा में अत्यन्त महत्वपूर्ण है और हम सभी को व्यक्तिगत एवं सामुदायिक स्वच्छता की दिशा में सदैव प्रयत्नशील रहना चाहिए।सर्वश्रेष्ठ सामुदायिक शौचालय की श्रेणी में सोलन विकास खण्ड की ग्राम पंचायत नेरी कलां के गांव कमलोग स्थित सामुदायिक शौचालय परिसर, कुनिहार विकास खण्ड की ग्राम पंचायत गनागुघाट स्थित सामुदायिक शौचालय परिसर और नालागढ़ विकास खण्ड की ग्राम पंचायत बहेड़ी के गुणाह गांव में बाबा हरिपुर चौकी टालगढ़ के समीप स्थित सामुदायिक शौचालय परिसर को मानकों के अनुसार सर्वश्रेष्ठ पाया गया। सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत शौचालय की श्रेणी में सोलन विकास खण्ड की ग्राम पंचायत सेर बनेड़ा के गांव बगोर की गीता शर्मा पत्नी महादेव राम, कुनिहार विकास खण्ड की ग्राम पंचायत दानोघाट के गांव सेर गलोटिया के राकेश कुमार सुपुत्र गोपाल सिंह, नालागढ़ विकास खण्ड की ग्राम पंचायत मलपुर के गांव कैंदुवाला के नूर मोहम्मद सुपुत्र बालिया तथा धर्मपुर विकास खण्ड की ग्राम पंचायत रौडी के गांव डंघियारी के हेम राज सुपुत्र मेहर सिंह और हरदेव सिंह सुपुत्र शिनुराम को सम्मानित किया गया। ज़िला विकास अधिकारी रमेश शर्मा सहित ज़िला ग्रामीण विकास अभिकरण के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी तथा ग्राम पंचायतो के प्रतिनिधि एवं व्यक्तिगत विजेता इस अवसर पर उपस्थित थे।

टेरियर सिक्यूरिटी सर्विसेस द्वारा भरे जायेंगे सिक्यूरिटी गार्ड के 600 पद

धर्मशाला । क्षेत्रीय रोजगार अधिकारी अक्षय कुमार ने आज यहां जानकारी देते हुए बताया कि टेरियर सिक्यूरिटी सर्विसेस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा सिक्यूरिटी गार्ड पुरूष के 600 पद क्षेत्रीय रोज़गार अधिकारी धर्मशाला को अधिसूचित किए गए हैं। इन पदों हेतु शैक्षणिक योग्यता दसवी तथा आयु 18 वर्ष से 45 वर्ष तक रखी गई है। आवेदक को कम्पनी द्वारा 14 हजार 300 से 18 हजार 236 रुपये प्रति माह वेतन दिया जाएगा। उन्होंने बताया कहा कि साक्षात्कार के लिए अभ्यर्थी अपने साथ दो पासपोर्ट साइज़ फोटो, रिहायशी प्रमाण पत्र, मूल प्रमाण पत्र एवं अपना बायोडाटा की कॉपी व अनुभव प्रमाणपत्र यदि हो तो साथ लेकर आयें। उन्होंने बताया कि साक्षात्कार 17 दिसंबर को उप रोज़गार कार्यालय इन्दोरा में, 18 दिसंबर को उप रोज़गार कार्यालय फतेहपुर में, 19 दिसंबर को उप रोज़गार कार्यालय, नगरोटा सुरियाँ में, 20 दिसंबर को उप रोज़गार कार्यालय ज्वाली में, 22 दिसंबर को उप रोज़गार कार्यालय बैजनाथ में, 23 दिसंबर 2025 को उप रोज़गार कार्यालय देहरा में सुबह 11 बजे पहुंचकर उक्त कम्पनी के समक्ष साक्षात्कार हेतु उपस्थित हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि विभागीय साईट पर साक्षात्कार का ब्योरा अपलोड कर दिया गया है। उन्होंने सभी इच्छुक आवेदकों से अनुरोध किया है कि वह साक्षात्कार में भाग लेने से पहले ीजजचेरूध्ध्ममउपेणीचणदपबणपद पर अपनी ई-मेल आईडी या मोबाइल नम्बर से लॉगिन करने के बाद अपने डैशबोर्ड पर दिख रही टेरियर सिक्यूरिटी सर्विसेस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की रिक्तियों के लिए आवेदन करना होगा। विभागीय साईट पर ऑनलाइन आवेदन के पश्चात ही साक्षात्कार में भाग लिया जा सकता है। अधिक जानकारी के लिए मोबाईल 72075-00008 पर संपर्क कर सकते हैं।

पीएनबी आरसेटी धर्मशाला शुरू करवाया नए कौशल विकास कार्यक्रम : निदेशक आरसेटी

धर्मशाला । पंजाब नैंशनल बैंकग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण सस्थान के निदेशक मदन लाल ने आज यहां जानकारी देते हुए बताया कि पीएनबीग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान कांगडा जल्द ही कई नए प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरूकरने जा रहा है। इन पाठयक्रमों का मुख्य उद्देशय ग्रमीण क्षेत्र के युवक एवंयुवतियों को कौशल प्रदान कर उन्हें स्वरोजगार के लिए सक्षम बनाना है जिससे की वहआने बाले समय मे अपना स्वंय का रोजगार शुरू कर सकें। कम्प्यूटराईज अकाउटिंग, मोबाईल रिपेयरिंग, कस्टयूम, ज्वैलरी उद्यमी, ड्रैस डिजाइनिंग (महिला), बांस एवं बैत शिल्प, खिलौने बनाना एवं बेचना, ब्यूटी पार्लर,वस्त्र चित्र कला उद्यमी (कढ़ाई और कपडें की पेंटिंग),जूट उत्पाद उद्यमी, पेपर कवर,लिफाफा और फाइल बनाना, फास्ट फूड स्टालउद्यमी, आचार एवं पापड़बनाना, अगरबत्ती बनाना, मोमबती बनाना, मशरूम की खेती, के प्रशिक्षण कार्यक्रम शमिल हैं। निदेशक मदनलाल ने बताया कि पीएनबी आरसेटी कांगडा जिला का एकमात्र मान्यता प्राप्त प्रशिक्षणसस्थान है जो ग्रामीण विकास मत्रांलय, भारत सरकार के निर्देशों एवं हिमाचल प्रदेशसरकार के समन्वय से संचालित है। इस सस्थान का मुख्य उद्देशय बेरोजगारी को कमकरना एवं युवा पीढी को कौशल आधारित कार्यक्रमो से जोड़ कर आत्मनिर्भर बनानाहै। यह सस्थान जिला कांगडा कें 18 से50 बर्ष की उम्र के बीच के व्यक्तियोंको स्वरोजगार स्थापित करने के लिए नि:शुल्क प्रशिक्षण प्रदान करवाता है। जिसमें प्रशिक्षणार्थी का रहना, खाना पीना, युनिफॉर्म, टेऊनिंग मेटिरियल पूर्णत: नि:शुल्क प्रदान किया जाएगा।उन्होंने कहा कि प्रशिक्षणप्राप्त करने के इच्छुक युवक एवं युवतियां नजदीकगर्वमेंन्ट कॉलेज ओडिटोरियम सिविल लाईन धर्मशाला, पीएनबी ग्रामीण स्वरोजगारप्रशिक्षण संस्थान कांगड़ा मे सम्पर्क कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिएसंस्थान उनके दूरभाष नंबर 9816389602 एवं कार्यालय के दूरभाष नंबर01892227122 पर संपर्क कर सकते हैं। प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद प्रशिक्षुओं को प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे। जिसके माध्यम से प्रशिक्षणार्थी स्वयं रोजगार स्थापित करने के लिए हमारे माध्यम से जिला कांगड़ा के किसी भी बैंक से मुद्रा ऋण के लिए आवेदन कर सकते है।

25 दिसंबर को आयोजित होगी धर्मशाला मैराथन-2025, प्रथम स्थान पाने वाले को मिलेगा एक लाख का पुरूस्कार : जफर इकबाल

धर्मशाला । धर्मशाला नगर निगम के आयुक्त जफर इकबाल ने आज यहां जानकरारी देते हुए बताया कि नगर निगम धर्मशाला द्वारा धर्मशाला मैराथन-2025 का आयोजन 25 दिसंबर 2025 को एथलेटिक मैदान धर्मशाला से किया जाएगा। यह आयोजन क्षेत्र में खेल, स्वास्थ्य, फिटनेस और खेल पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया जा रहा है।
आयुक्त ने बताया कि धर्मशाला मैराथन को भविष्य में नगर का कैलेंडर इवेंट बनाने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है, ताकि हर वर्ष 25 दिसंबर को यह दौड़ बड़े स्तर पर आयोजित की जा सके। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम न केवल स्थानीय बल्कि राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय धावकों को भी आकर्षित करेगा। उन्होंने कहा कि पंजीकरण सभी आयु वर्ग के प्रतिभागियों के लिए पंजीकरण शुरू हो चुका है जोकि 20 दिसम्बर तक चलेगा। उन्होंने कहा कि फिटनेस प्रेमी, छात्र-छात्राएँ, युवा, वरिष्ठ नागरिक एवं खेल उत्साही सभी इस मैराथन में भाग ले सकते हैं। पंजीकरण दो पोर्टलों www.dharamshalamarathon.com ¥õÚU www.dharamshalasmartcity.com पर उपलब्ध है।उन्होंने काह कि मैराथन के विजेताओं को विभिन्न कैटेगरी में पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। ओपन कैटेगरी की फुल मैराथन (42 किलोमीटर) के विजेता को एक लाख रुपये, हॉफ मैराथन (21 किलोमीटर) के विजेता को 51 हजार रुपये, 10 किलोमीटर के विजेता को 21 हजार रुपये, 5 किलोमीटर के विजेता को 5 हजार रुपये तथा 3 किलोमीटर के विजेता को 3 हजार रुपये की ईनामी राशि प्रदान की जायेगी। आयुक्त ने बताया कि कुल 15 लाख रुपये के पुरस्कार पूल के साथ धर्मशाला मैराथन क्षेत्र की सबसे बड़ी प्रतिस्पर्धी दौड़ बनने जा रही है।

हिमाचल के विकास और परिवर्तन की गूंज मंडी में, विकास का जनोत्सव, दिखा ऐतिहासिक नजारा

तीन वर्षों की उपलब्धियों के साथ आगे बढ़ता हिमाचल- पड्डल मैदान में भव्य जन संकल्प सम्मेलन आयोजित

- **यह केवल समय की उपलब्धि नहीं, बल्कि जनता के विश्वास, पारदर्शी सुशासन, आर्थिक सुधारों और जन समर्पित नीतियों की ऐतिहासिक यात्राः ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू**
- **नेतृत्व पर भरोसा, भविष्य पर विश्वासः रजनी पाटिल**
- **जनता का सौंपा विश्वास, मेरी सबसे बड़ी ताकतः मुख्यमंत्री**

शिमला । हिमाचल प्रदेश सरकार के कार्यकाल के तीन वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आज मंडी के पड्डल मैदान में भव्य जन संकल्प सम्मेलन आयोजित किया गया। प्रदेश भर से आए हजारों लोगों की अभूतपूर्व उपस्थिति ने इसे उत्सवी माहौल बना दिया। सम्मेलन में राज्य की विकास यात्रा, व्यवस्था परिवर्तन, सुशासन, आर्थिक सुधार, सामाजिक कल्याण और जनता की भागीदारी के प्रति राज्य सरकार की प्रतिबद्धता का तेजस्वी व प्रभावक रूप प्रदर्शित हुआ। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने अपने सम्बोधन में कहा कि पिछले तीन वर्ष जनता-हित, पारदर्शिता और प्रणालीगत सुधारों के रहे हैं, जिनका उद्देश्य प्रदेश की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करना, युवाओं को सशक्त बनाना, कमजोर वर्गों को सुरक्षा देना और हिमाचल प्रदेश को समृद्ध, हरित और आत्मनिर्भर राज्य के रूप में स्थापित करना है। उन्होंने कहा कि सरकार की हर योजना का केन्द्र बिन्दु जनता है और हमारा हर निर्णय जनता के विकास, सुविधा व प्रदेश के भविष्य को ध्यान में रखकर लिया गया है।मुख्यमंत्री ने कहा कि जब हमने सत्ता संभाली उस समय प्रदेश की अर्थव्यवस्था बुरी तरह चरमराई हुई थी। पूर्व भाजपा सरकार ने प्रदेश की आर्थिक सेहत और संपदा के साथ खिलवाड़ किया था। हमने संकल्प लिया कि जो व्यवस्था हमें विरासत में मिली है हम उसे बदलकर एक आत्मनिर्भर और समृद्ध हिमाचल की नींव रखेंगे। उन्होंने कहा कि तीन साल में कांग्रेस सरकार ने ऐतिहासिक और क्रांतिकारी निर्णय लिए हैं। हमने चुनाव के समय 10 गारंटियां दी थीं जिनमें से सात को पूरा कर समाज के विभिन्न वर्गों को बड़ी राहत दी है। प्रदेश के 1,36,000 कर्मचारियों से किए गए ओपीएस के वायदे को पहली कैबिनेट बैठक में पूरा किया और सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों को सम्मान व आर्थिक सुरक्षा प्रदान की। प्रदेश सरकार ने जब ओपीएस शुरू की तो केंद्र सरकार ने 1600 करोड़ रुपये की बॉरोइंग बंद कर दी जिससे प्रदेश सरकार को तीन वर्ष में 4800 करोड़ रुपये का नुकसान हो चुका है। ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा इंदिरा गांधी प्यारी बहना सुख सम्मान निधि योजना के तहत पात्र महिलाओं को चरणबद्ध तरीके से सम्मान राशि के रूप में हर महीने 1500 रुपये प्रदान किया जा रहे हैं। वर्तमान में 35,687 महिलाओं को यह लाभ दिया गया है। पूर्व में अन्य पेंशन योजनाओं से लाभान्वित हो रही 2,37,000 महिलाओं को भी इसके दायरे में लाकर मासिक पेंशन को बढ़ाकर 1500 रुपये किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार ने युवाओं के लिए 680 करोड़ रुपये की राजीव गांधी स्टार्टअप योजना शुरू की है और प्रदेश के सरकारी स्कूलों में पहली कक्षा से अंग्रेजी माध्यम शुरू करने की गारंटी को पूरा किया है। राज्य सरकार ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए गाय के दूध पर 51 रुपये और भैंस के दूध पर 61 रुपये प्रति लीटर न्यूनतम समर्थन मूल्य प्रदान किया है। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश दूध पर न्यूनतम समर्थन मूल्य प्रदान करने वाला देश का पहला राज्य बना है। किसानों की आय बढ़ाने के लिए 300 रुपये प्रति क्विंटल की दर से गोबर खरीदने की योजना शुरू की गई है। बागवानों को बेहतर दाम सुनिश्चित करने के लिए यूनिवर्सल कार्टन प्रणाली शुरू की गई है और हिमाचल बागवानी नीति बनाने वाला देश का पहला राज्य बना है। उन्होंने कहा कि रोजगार सृजन के क्षेत्र में प्रदेश सरकार ने निरंतर नई पहल की और अब तक सरकार 23,200 युवाओं को सरकारी नौकरी दे चुकी है, जबकि पिछली सरकार 5 वर्षों में केवल 20,000 नौकरियां ही दे पाई थी। उन्होंने कहा कि पूर्व भाजपा सरकार प्रदेश पर 76,185 करोड़ रुपये का कर्ज छोड़कर गई जिसके मूलधन का भुगतान और ब्याज की वापसी हमें करनी पड़ रही है। वर्तमान सरकार को मजबूरी में जो लोन लेना पड़ रहा है उसका 70 प्रतिशत विरासत में मिले कर्ज का मूलधन और ब्याज चुकाने में ही जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2023 की बरसात के दौरान प्रदेश में 12000 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ लेकिन केंद्र सरकार ने कोई विशेष मदद नहीं की। प्रदेश सरकार ने आपदा प्रभावितों को अपने संसाधनों से 4500 करोड़ रुपये का पैकेज जारी किया और आपदा प्रभावितों को दिए जाने वाले मुआवजा में ऐतिहासिक वृद्धि की। प्राकृतिक आपदा से इस वर्ष भी हिमाचल को लगभग 12000 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। लेकिन केंद्र सरकार ने कोई आर्थिक मदद नहीं की। उन्होंने कहा कि भाजपा नेता बताएं कि वो जो प्रदेश को 5000 करोड़ रुपये मिलने का दावा कर रहे हैं वह पैसा कहां है। इसके दस्तावेज कहां है। झूठ कौन बोल रहा है हम बोल रहे हैं या भाजपा। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार सामाजिक सुरक्षा को विशेष अधिमान दे रही है। सामाजिक सुरक्षा के तहत पिछले 3 वर्षों में 12095 लाभार्थियों को 28 करोड़ रुपये की सहायता प्रदान की गई है। मुख्यमंत्री सुख आश्रय योजना के तहत 6000 बच्चों को चिल्ड्रन ऑफ द स्टेट के रूप में अपनाया गया है।

उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी सुख शिक्षा योजना के तहत प्रदेश में 19,479 विधवा, निराश्रित तथा दिव्यांग बच्चों के अभिभावकों को प्रतिमाह 1000 रुपये की आर्थिक सहायता दी जा रही है। श्री सुक्खू ने कहा कि प्रदेश सरकार गुणात्मक शिक्षा पर विशेष ध्यान केंद्रित कर रही है जिसके परिणामस्वरुप राष्ट्रीय स्तर के सर्वेक्षण में हिमाचल प्रदेश की रैंकिंग में 21वें स्थान से पांचवें स्थान पर पहुंच गई है। उन्होंने कहा कि सरकार ने 100 सरकारी स्कूलों में सीबीएसई पाठ्यक्रम शुरू करने का महत्त्वपूर्ण निर्णय लिया गया है और 20 विधानसभा क्षेत्र में राजीव गांधी डे-बोर्डिंग स्कूलों का कार्य शुरू कर दिया गया है उन्होंने स्वास्थ्य क्षेत्र में वर्तमान सरकार की पहल पर प्रकाश डालते हुए कहा कि नवीन प्रौद्योगिकी को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। चमियाना अस्पताल और टांडा मेडिकल कॉलेज में रोबोटिक सर्जरी से चिकित्सा क्षेत्र में नए अध्याय की शुरुआत हुई है।

अपनी ऊर्जा को नशे में नहीं, बल्कि रचनात्मक गतिविधियों में लगाएं युवाः उपायुक्त हेमराज बैरवा

उपायुक्त ने तंगरोटी में आयोजित एंटी-चिट्टा कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि की शिरकत

धर्मशाला । उपायुक्त हेमराज वैरबा ने आज विकास खंड धर्मशाला की ग्राम पंचायत तंगरोटी खास में आयोजित एंटी-चिट्टा जागरूकता कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणों, युवा वर्ग तथा पंचायत प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि नशा समाज को भीतर से कमजोर करने वाला सबसे बड़ा खतरा है, और इसे रोकने के लिए प्रशासन के साथ-साथ समाज के प्रत्येक व्यक्ति की सहभागिता आवश्यक है। उन्होंने कहा कि चिट्टा जैसे घातक नशे की पहुंच अब स्कूली बच्चों तक बढ़ने का खतरा पैदा कर रही है, जो गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने अभिभावकों, शिक्षकों एवं स्कूल प्रबंधन से आग्रह किया कि बच्चों के स्कूल बैग की समय-समय पर जाँच अवश्य की जाए। इससे न केवल बच्चों को गलत संगत और नशे के दुष्चक्र में फँसने से रोका जा सकता है, बल्कि स्कूलों में सुरक्षित, स्वस्थ और नशामुक्त वातावरण सुनिश्चित होगा।उपायुक्त हेमराज बैरवा ने कहा कि युवा ही प्रदेश और देश का भविष्य हैं। अपनी ऊर्जा को नशे में नहीं, बल्कि शिक्षा, खेल, तकनीक और रचनात्मक गतिविधियों में लगाएँ। जीवन में हर चुनौती का समाधान है, लेकिन नशा किसी भी समस्या का हल नहीं बल्कि नई समस्याओं की शुरुआत है। अपनी दिनचर्या में खेल, व्यायाम, कला और कौशल विकास को शामिल करें। यह आपको मजबूत, आत्मनिर्भर और सफल बनाएगा। उन्होंने कहा कि अगर आपके आस-पास कोई मित्र गलत राह पर जा रहा है, तो उसे भी समझाएँ, रोकें और सही दिशा दिखाएं यही सच्ची मित्रता है।उपायुक्त ने बताया कि चिट्टे से संबंधित किसी भी सूचना को साझा करने के लिए प्रदेश सरकार ने आपातकालीन नंबर 112 स्थापित किया है। उन्होंने लोगों से अपील की कि नशा तस्करी या नशे से संबंधित किसी भी संदेहास्पद गतिविधि की जानकारी तुरंत इस नंबर पर दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके। उपायुक्त ने सभी ग्रामीणों से नशा-मुक्त समाज बनाने हेतु निरंतर सहयोग की अपील करते हुए कहा कि प्रशासन हर संभव कदम उठाने के लिए प्रतिबद्ध है।इस अवसर पर कार्यक्रम में पंचायत प्रधान योगेश कुमार, उपप्रधान, नशा निवारण समिति के सदस्य, वार्ड सदस्य, विद्यालय प्रबंधन समिति के प्रतिनिधि सहित बड़ी संख्या में गांववासी उपस्थित रहे।

दो वर्ष में हिमाचल की तकदीर और तस्वीर बदलेंगेः मुख्यमंत्री

राजनीति में सच्चे जन सेवक किसी से नहीं घबरातेः मुख्यमंत्री

शिमला । मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने आज मण्डी के पड्डल मैदान में आयोजित जन संकल्प रैली के दौरान पिछले तीन वर्षों के घटनाक्रम का उल्लेख करते हुए बताया कि किस तरह प्रदेश सरकार ने राज्य में आर्थिक, राजनीतिक और प्राकृतिक चुनौतियों का दृढ़ता से सामना किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व भाजपा सरकार ने पांच वर्षों के वित्तीय कुप्रबन्धन से प्रदेश पर 75 हजार करोड़ रुपये का कर्ज छोड़ा। वर्तमान प्रदेश सरकार को इस कर्ज को चुकाने के लिए भी कर्ज लेना पड़ रहा है। यही नहीं, कर्मचारियों के एरियर की अदायगी का 10 हजार करोड़ रुपये की देनदारी का बोझ भी वर्तमान सरकार पर छोड़ गई। उन्होंने कहा कि पिछली भाजपा सरकार ने कस्टमाईजड पैकेज के नाम पर बिना रजिस्ट्री के 4500 बीघा भूमि सिर्फ एक करोड़ 12 लाख रुपये में बेच दी। हमारी सरकार प्रदेश की संपदा और हितों की रक्षा के लिए वचनबद्ध है। हिमाचल के हितों को लुटने नहीं दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश को आत्मनिर्भर और सबसे समृद्ध राज्य बनाने के लिए बड़े निर्णय लिए गए हैं, साथ ही केन्द्र और पड़ोसी राज्यों से अपने हक लेने के लिए मजबूती से अपना पक्ष रखा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वाइल्ड फ्लावर हॉल, शिमला मामले में कानूनी लड़ाई जीती है, जिससे प्रदेश को हर वर्ष 20 करोड़ रुपये की आय होगी। प्रदेश सरकार के प्रयासों से कड़छम-वांगतु परियोजना में रॉयल्टी 12 प्रतिशत से बढ़कर 18 प्रतिशत हुई है, जिससे प्रदेश को हर वर्ष 150 करोड़ रुपये की अतिरिक्त आय होगी। उन्होंने कहा कि पूर्व भाजपा सरकार के चार वर्ष के कार्यकाल में शराब की दुकानों को रिन्यू करने से मात्र 450 करोड़ रुपये की आय हुई जबकि वर्तमान सरकार ने एक वर्ष में ही आबकारी से 450 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया।मुख्यमंत्री ने कहा कि कि भाजपा दुष्प्रचार और व्यक्तिगत आक्षेप की राजनीति कर रही है। यहां तक कि मैंने जब अपनी ऑल्टो गाड़ी का प्रयोग किया, उस पर भी ओछी टिप्पणियां की गई। लेकिन प्रदेश सरकार अपनी उपलब्धियों के दम पर वर्ष 2027 में 52 सीटर वॉल्वो में पुनः सत्ता में आएगी। उन्होंने कहा कि राजनीति के सच्चे सेवक किसी से नहीं घबराते, वर्ष 2027 में हिमाचल प्रदेश आत्मनिर्भर बनेगा।श्री सुक्खू ने कहा कि वर्तमान कांग्रेस सरकार के लिए जनहित सर्वोपरि है। हमने सत्ता में आते ही मुख्यमंत्री सुख आश्रय योजना लागू की। कानून बनाकर अनाथ बच्चों को 'चिल्ड्रन ऑफ द स्टेट' का दर्जा दिया। यह सरकार की गारंटी नहीं थी, बल्कि संवेदनशील सोच का परिणाम है। उन्होंने प्राकृतिक आपदा के दौरान प्रभावितों की मदद के लिए प्रदेश सरकार के प्रयासों को भी इंगित किया। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि ओपीएस देने का निर्णय राजनीतिक दृष्टिकोण से नहीं लिया गया बल्कि कर्मचारियों की सामाजिक सुरक्षा के लिए लिया गया। उन्होंने कांग्रेस पार्टी के जन सरोकार व देश सेवा के संकल्प को दोहराते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी ने दो प्रधानमंत्री देश की एकता और अखंडता के लिए बलिदान किये हैं। राष्ट निर्माण के लिए निरंतर योगदान दिया है। उन्होंने प्रदेशवासियों से आत्मनिर्भर हिमाचल के निर्माण के लिए सहयोग देने का आग्रह करते हुए कहा कि हम दो वर्ष में हिमाचल की तकदीर और तस्वीर बदलेंगे।

ज़िला प्रशासन सभी को स्वच्छ पेयजल, प्रत्येक स्तर पर स्वच्छता सुनिश्चित बनाने के लिए कार्यरत : मनमोहन शर्मा

ज़िला जल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक आयोजित

सोलन। उपायुक्त सोलन मनमोहन शर्मा ने कहा कि प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार ज़िला प्रशासन सभी को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध करवाने एवं प्रत्येक स्तर पर स्वच्छता सुनिश्चित बनाने के लिए कार्यरत है। मनमोहन शर्मा आज यहां जल शक्ति विभाग के सौजन्य से जल जीवन मिशन के तहत ज़िला जल एवं स्वच्छता मिशन के सम्बन्ध में आयोजित एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में डेंगू व डायरिया जैसे जल जनित रोगों की रोकथाम, सुरक्षित पेयजल की उपलब्धतता और साफ-सफाई को लेकर किए जा रहे कार्यों की प्रगति की समीक्षा के पर विस्तार से चर्चा की गई। उपायुक्त ने निर्देश दिए कि जल शक्ति विभाग समय-समय पर जल स्त्रोतों का निरीक्षण व जल का परीक्षण कर आमजन को गुणवत्ता युक्त शुद्ध पेयजल उपलब्ध करवाना सुनिश्चित करें। मनमोहन शर्मा ने कहा कि भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के सौजन्य से कार्यान्वित किए जा रहे 'स्टॉप डायरिया-2025 अभियान' के अंतर्गत ज़िला में सघन जागरूकता एवं स्वच्छता गतिविधियां आयोजित की गई हैं। इनके सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। यह अभियान केन्द्रीय पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय के सहयोग से 31 जुलाई, 2025 तक आयोजित किया गया। उन्होंने कहा कि इस अभियान के तहत ग्राम पंचायत स्तर पर लोगों, विद्यार्थियों तथा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को स्वच्छ एवं शुद्ध जल और स्वच्छता के बारे में जागरूक किया गया। इस अभियान के तहत सोलन ज़िला के प्रत्येक शिक्षण संस्थान और प्रत्येक गांव में एक-एक जल परीक्षण फील्ड टेस्टिंग किट उपलब्ध करवाई गई है ताकि स्थानीय स्तर पर ही जल की गुणवत्ता जांची जा सके। उन्होंने कहा कि इस एक किट के माध्यम से जल के 100 सैंपल जांचे जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि इस परीक्षण के माध्यम से जल जनित रोगों पर समय पर बेहतर नियंत्रण प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने निर्देश दिए कि आशा तथा आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को इस अभियान के साथ जोड़ा जाए ताकि ग्राम स्तर पर सभी जागरूक बनें और परीक्षण का कार्य शत-प्रतिशत पूर्ण हो। उन्होंने निर्देश दिए कि डायरिया एवं अन्य जल जनित रोगों की रोकथाम के साथ-साथ शीत ऋतु के दौरान सम्बन्धित विभाग तैयारियां पूर्ण रखें ताकि समय पर चिकित्सीय एवं अन्य सहायता समय पर उपलब्ध करवाई जा सके। उपायुक्त ने स्वास्थ्य विभाग और जल शक्ति विभाग को नियमित अंतराल पर विभिन्न पेयजल आपूर्ति भण्डारण टैंकों और पारम्परिक जल स्त्रोतों का निरीक्षण कर स्वच्छता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी स्वास्थ्य संस्थानों में आवश्यक दवाइयों का भण्डारण करने के निर्देश भी दिए। बैठक में जानकारी दी गई कि जल जीवन मिशन के तहत ज़िला में 101 योजनाओं में से 85 योजनाओं का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। शेष 16 योजनाओं का निर्माण कार्य प्रगति पर है। ज़िला में 'हर घर जल प्रमाणीकरण' के तहत 1624 गांव का प्रमाणीकरण किया जा चुका है। 641 शेष गांव का प्रमाणीकरण कार्य प्रगति पर है।

सोलन ज़िला में चिट्टा मुक्त अभियान सभी के सक्रिय सहयोग से होगा सफलः मनमोहन शर्मा

सोलन । प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार जिला प्रशासन सोलन द्वारा मादक पदार्थ चिट्टे के विरूद्ध चिट्टा मुक्त हिमाचल अभियान के अंतर्गत 'चिट्टा मुक्त सोलन' अभियान कार्यान्वित जा रहा है। अभियान के तहत 15 अक्तूबर, 2025 से 31 मार्च, 2025 तक विस्तृत गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। इन गतिविधियों का उद्देश्य ज़िला में जन-जन को मादक पदार्थों के विरूद्ध जागरूक करना, मादक पदार्थों के कारोबार में संलिप्त दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करना और पीड़ितों का पुनर्वास सुनिश्चित बनाना है। यह जानकारी आज यहां उपायुक्त सोलन मनमोहन शर्मा ने दी। उन्होने कहा कि

अभियान के तहत जिला प्रशासन द्वारा सप्ताहवार गतिविधियों की विस्तृत कार्य योजना तैयार की गई है। इसी कार्य योजना के अनुसार सभी विभागों, शैक्षणिक संस्थाओं, ग्राम पंचायतों तथा स्वयं सेवी संस्थाओं की व्यापक सहभागिता सुनिश्चित बनाई जा रही है।उपायुक्त ने कहा कि अभियान के तहत जागरूकता रैलियां, वॉकाथॉन, साइक्लोथॉन सहित जन संपर्क कार्यक्रमों का नियमित आयोजन किया जा रहा है। विद्यालयों, महाविद्यालयों में पोस्टर, नारा लेखन, निबंध और सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि ज़िला की सभी ग्राम पंचायतों में नशा निवारण समितियों का गठन कर दिया गया है और इनकी सक्रिय बैठकें आयोजित की जा रही हैं।

आवश्यक सूचना

पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया से पहले विज्ञापन में प्रकाशित किसी उत्पाद या सेवा के बारे में पूरी तरह जांच पड़ताल कर लें। यह समाचार पत्र उत्पाद या सेवा की गुणवत्ता आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता। समाचार पत्र उपरोक्त विज्ञापनों के बारे में किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

RNI NO: HARHIN/2002/08034, Postal Regd No. HR/AB/54/23-25, स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक एकान्ति राय गर्ग द्वारा जनपथ पब्लिशर्स, बूथ नं.: 437-पी (बी.पी.पेट्रोल पंप के पीछे) सेक्टर-8, पंचकूला से प्रकाशित। सम्पादकः- एकान्ति रॉय गर्ग, मुख्य कार्यालयः बूथ नः 437-पी (बी.पी.पेट्रोल पंप के पीछे) सेक्टर-8 पंचकूला-134109(हरियाणा)। मो.: 9915606900, email : hindjanpath@gmail.com, argarg1610@gmail.com ।

न्यूज डायरी

राजकीय महाविद्यालय कालका के विद्यार्थियों ने पंचकूला में आयोजित 11वें भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव में किया सहभाग

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। राजकीय महाविद्यालय कालका की प्राचार्या डॉक्टर गीता सुखीजा के कुशल नेतृत्व में विज्ञान संकाय के विद्यार्थियों और प्राध्यापकों ने हरियाणा के पंचकूला में आयोजित 11वां भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव में भाग लिया। प्रस्तुत कार्यक्रम का विषय 'विज्ञान से समृद्धिः आत्मनिर्भर भारत के लिए' रहा, जिसमें आत्मनिर्भरता के लिए विज्ञान - आधारित विकास पर ध्यान केंद्रित किया गया। इसमें प्रदर्शनियां, बी2बी बैठकें और पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक विज्ञान से जोड़ने वाले कार्यक्रम, उपलब्धियाओं का जशन, युवाओं को प्रेरणा देना और आत्म निर्भर राष्ट्र की दिशा में भारत की जैव प्रौद्योगिकी और डिजिटल प्रगति पर प्रकाश डाला गया। 'विज्ञान से समृद्धिः आत्मनिर्भर भारत के लिए' इस विश्वास का प्रतीक है की सच्ची समृद्धि वैज्ञानिक ज्ञान के अनुप्रयोग, विचारों को नवाचारों में, खोजों को विकास में और विज्ञान को सामाजिक कल्याण में बदलने से उत्पन्न होती है। आईआईएसएफ 2025 का नेतृत्व पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा किया गया और इसका समन्वय आईआईटीएम पुणे द्वारा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, जैव प्रौद्योगिकी विभाग और वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद के सहयोग से किया गया। प्रस्तुत कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉक्टर रामचंद्र, डॉक्टर अजीत सिंह, डॉक्टर इंदु, डॉक्टर सरिता, असिस्टेंट प्रोफेसर सीमा शर्मा और डॉक्टर भूप सिंह का सहयोग रहा।

राष्ट्रीय बालिका दिवस पर हरियाणा में प्रतिभाशाली बालिकाओं को मिलेगा सम्मान

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। महिला एवं बाल विकास विभाग, हरियाणा द्वारा 'राष्ट्रीय बालिका दिवस' मनाया जा रहा है। इस अवसर का उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली बालिकाओं को सम्मानित करना है।

इस संबंध में जानकारी देते हुए विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सविता नेहरा ने बताया कि इस अवसर पर आयोजित समारोह में योग्य बालिकाओं को नकद पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किए जाएंगे। इस पहल का मुख्य लक्ष्य बालिकाओं में उत्कृष्टता को बढ़ावा देना, उनकी प्रतिष्ठा बढ़ाना और उन्हें समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत बनाना है।

उन्होंने बताया कि विभिन श्रेणियों में पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। खेल क्षेत्र में 11-11 हजार रुपये के 20 पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र, सांस्कृतिक क्षेत्र में 11-11 हजार रुपये के 10 पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र, सामाजिक कार्य के लिए 11-11 हजार रुपये के 2 पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र, मीडिया एवं साहित्य क्षेत्र में 11-11 हजार रुपये के 2 पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र, बहादुरी के क्षेत्र में 11-11 हजार रुपये के 3 पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र, विशेष/दिव्यांग बालिकाओं द्वारा उत्कृष्ट उपलब्धि (60 प्रतिशत या अधिक दिव्यांगता) 11-11 हजार रुपये के 5 पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र और हरियाणा के बाल देखभाल संस्थानों की बालिकाओं द्वारा उत्कृष्ट उपलब्धि हेतु 11-11 हजार रुपये के 5 पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र शामिल है ।

उन्होंने बताया कि उपरोक्त विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली योग्य बालिकाओं के नाम सत्यापन के बाद 31 दिसंबर 2025 तक ईमेल dpopkl.wcd@gmail.com पर भेजे जा सकते हैं।

फसल अवशेष प्रबंधन कृषि यन्त्रों/मशीनों का भौतिक सत्यापन 12 से 14 दिसंबर तक होगा- नगराधीश जागृति

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। वर्ष 2025-26 के दौरान 50 प्रतिशत अनुदान पर खरीदे गए कृषि यन्त्रों/ मशीनों का भौतिक सत्यापन मोबाईल ऐप के माध्यम से पूरे राज्य के समस्त जिलों में 12 दिसंबर से 14 दिसंबर 2025 तक किया जाएगा।

नगराधीश सुश्री जागृति ने बताया कि जिलें के किसानों को 50 प्रतिशत अनुदान पर (सुपर सीडर -07) का 12 दिसंबर को, (हे-रेक-01) का 13 दिसंबर को सत्यापन किया जाना है। (स्ट्रा चोपर -01) किसानों द्वारा 30 नवंबर से 10 दिसंबर तक ऑनलाईन बिल जमा करवाए गए थे, उनका भौतिक सत्यापन डीएलईसी कमेटी द्वारा किया जाना है। उन्होंने बताया कि इन सभी कृषि यन्त्रों का भौतिक सत्यापन 12 दिसंबर से 14 दिसंबर 2025 को उपायुक्त द्वारा गठित कमेटी द्वारा खंड कृषि अधिकारी, रायपुररानी, तहसील कार्यालय के पास में प्रातः 10 बजे से 11 बजे तक मोबाईल ऐप के माध्यम से किया जाएगा। इसके पश्चात् किसी भी किसान को भौतिक सत्यापन का कोई भी अतिरिक्त मौका नही दिया जाएगा।

उन्होंने बताया कि लाभार्थी किसानों को अपनी मशीन पर पक्के पेंट से अपना नाम, पिता/पति का नाम, गांव का नाम एवं सीआरएम वर्ष 2025-26 के तहत अनुदान पर प्राप्त'' मशीन के मेन फ्रेम पर बडे-बडे अक्षरों में साफ-साफ लिखा होना चाहिए। लाभार्थी किसान का स्वंय मौके पर हाजिर होना अनिवार्य है। भौतिक सत्यापन हेतू उपायुक्त द्वारा गठित कमेटी में सिटी मजिस्ट्रेट, उप कृषि निदेशक, सहायक कृषि अभियन्ता, जिला उद्यान अधिकारी एवं प्रतिनिधि, जीएसटी विभागपंचकूला शामिल है।

एचसीएमसीटी मणिपाल हॉस्पिटल ने हार्ट ट्रांसप्लांट कर नई जिंदगी प्रदान की

हिन्द जनपथ
रोहतक (ब्यूरो)। एचसीएमसीटी मणिपाल हॉस्पिटल, दिल्ली के डॉक्टरों ने हरियाणा की एक 54 वर्षीय महिला का हार्ट ट्रांसप्लांट कर उन्हें एक नई जिंदगी प्रदान की है। इस महिला के हृदय ने काम करना बंद कर दिया था। वो सालों से कार्डियेक डिस्फंक्शन के कारण जीवित रहने के लिए संघर्ष कर रही थीं।

सर्वोत्तम मेडिकल थेरेपी और आधुनिक प्रक्रियाओं से भी उन्हें मदद नहीं मिल पा रही थी। फिर एक ब्रेन डेड डोनर के स्वस्थ हृदय ने उन्हें जीवन का दूसरा मौका प्रदान किया। डॉ. युगल किशोर मिश्रा, चेयरमैन - मणिपाल इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियेक साईंसेज़ एवं चीफ़ कार्डियोवैस्कुलर सर्जन, द्वारका, ने कहा, ''हमारी यह उपलब्धि एक विस्तृत, आत्मनिर्भर हार्ट फेल्योर एवं ट्रांसप्लांट प्रोग्राम का निर्माण करने के लिए सालों के अथक परिश्रम का नतीजा है। हम हार्ट फेल्योर के अलग-अलग चरणों में मरीजों का इलाज व सर्जरी कर चुके हैं। हम सुनिश्चित करते हैं कि उन्हें सही समय पर सही उपचार मिल सके। हार्ट ट्रांसप्लांट से मरीज को न केवल जीवन का एक और मौका मिला है, बल्कि उन्हें और उनके परिवार को आशा व बेहतर जीवन भी प्राप्त हुए हैं। मरीज के शरीर ने नए हार्ट के लिए अच्छी प्रतिक्रिया दी और वो 15 दिनों में ही अच्छी रिकवरी करने लगीं। कई महिलाओं में कार्डियेक समस्याएं बहुत तेजी से बढ़ती हैं, इसलिए उन्हें तुरंत पहचानना और इलाज करना बहुत जरूरी होता है। हार्ट ट्रांसप्लांट के लिए आमतौर से लंबा इंतजार करना पड़ता है, लेकिन इस महिला को एक महीने के अंदर ही डोनर मिल गया, जिससे उनकी जान बच सकी।''

मनीमाजरा की इंदिरा कॉलोनी और सुभाष नगर में बस क्यू-शेल्टर ना होने के कारण जनता को भारी असुविधा का करना पड़ता है सामना

हिन्द जनपथ
मनीमाजरा (ब्यूरो)। मनीमाजरा ईडब्ल्यूएस रेजिडेंस वेलफेयर एसोसिएशन ने चंडीगढ़ प्रशासन और संबंधित विभाग खासकर जनरल मैनेजर सीटीयू का ध्यान इंदिरा कॉलोनी, मनीमाजरा में बस क्यू-शेल्टर की गंभीर और लंबे समय से चली आ रही कमी की ओर आकर्षित किया है। यह कमी हजारों निवासियों, विशेषकर स्कूली बच्चों, वरिष्ठ नागरिकों और दैनिक यात्रियों के लिए एक बड़ी असुविधा और स्वास्थ्य जोखिम का कारण बन रही है।

कॉलोनी के निवासियों को, जो सार्वजनिक परिवहन पर निर्भर हैं, बस का इंतजार करते समय चिलचिलाती धूप, भारी बारिश और कड़ाके की सर्दी में खुले में खड़े रहना पड़ता है। इससे विशेष रूप से बच्चों और बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है।

सुरक्षा और सुविधा का अभावः बस आश्रय के न होने से यात्रियों को खड़े रहने के लिए कोई निश्चित और सुरक्षित स्थान नहीं मिल पाता, जिससे सड़कों पर भीड़भाड़ होती है और दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है।

इंदिरा कॉलोनी और सुभाष नगर एक सघन आबादी वाला क्षेत्र है जहाँ बड़ी संख्या में निवासी अपनी रोज़मर्रा की यात्रा के लिए बसों का उपयोग करते हैं। एक बुनियादी सुविधा, जैसे कि बस क्यू-शेल्टर, का अभाव प्रशासन के 'स्मार्ट सिटी' पहल के विपरीत है।

मनीमाजरा ईडब्ल्यूएस रेजिडेंस वेलफेयर एसोसिएशन चंडीगढ़ प्रशासन और नगर निगम से तत्काल कार्रवाई करने और इंदिरा कॉलोनी के प्रमुख बस स्टॉप पर शीघ्र बस क्यू-शेल्टर का निर्माण शुरू करने का आग्रह करता है। यह न केवल निवासियों को मौसम की मार से बचाएगा बल्कि सार्वजनिक परिवहन के उपयोग को भी प्रोत्साहित करेगा।

एसोसिएशन की ओर से सयुंक्त रुप से चैयरमैन सुभाष धीमान, प्रधान श्याम सुंदर, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजबीर सिंह भारतीय व महासचिव शक्ति श्रीवास्तव ने प्रशासन से अनुरोध किया कि वे हमारी इस मूलभूत आवश्यकता को प्राथमिकता दें। एक बस शेल्टर केवल एक ढाँचा नहीं है; यह हमारे समुदाय के लिए सुरक्षा, सुविधा और सम्मान का प्रतीक है।

पासपोर्ट दफ्तर जालंधर द्वारा 'पासपोर्ट अदालत' 17 दिसंबर को

हिन्द जनपथ
जालंधर(ब्यूरो)। क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी यश पाल ने जानकारी देते हुए बताया कि क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय, एस.सी.ओ. नंबर 42-51, पॉकेट-1, बस स्टैंड के पास, जालंधर में 17 दिसंबर 2025 को पासपोर्ट कार्यालय द्वारा सभी श्रेणियों के आवेदकों की लंबित पासपोर्ट संबंधी आवेदनों के निपटारे के लिए 'पासपोर्ट अदालत' लगाई जा रही है।

- **31 अक्तूबर तक आवेदन करने वाले आवेदकों को जरूरी दस्तावेज़ों सहित उपस्थित होने का न्योता**

क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी ने बताया कि 31 अक्तूबर 2025 या इससे पहले,, पासपोर्ट के लिए आवेदन जमा करवाने वाले सभी श्रेणियों के उन आवेदकों, जिनके आवेदन किसी कारणवश लंबित रह गए है, उनके निपटारे के लिए यह पासपोर्ट अदालत आयोजित की जा रही है।

उन्होंने 31 अक्तूबर या इससे पहले आवेदन करने वाले सभी आवेदकों से अपील की है कि वे 17 दिसंबर 2025 को सुबह 9:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक जरूरी दस्तावेज़ों के साथ पासपोर्ट कार्यालय में उपस्थित होकर अपने लंबित आवेदनों का निपटारा करवा लें।

उन्होंने स्पष्ट किया कि पासपोर्ट संबंधी सेवाओं के लिए विदेश मंत्रालय ने किसी भी संस्था या बिचौलिए को अधिकृत नहीं किया है। उन्होंने आम जनता से अपील की कि वे अपना पासपोर्ट केवल विदेश मंत्रालय की आधिकारिक वेबसाइट www.passportindia.gov.in के माध्यम से ही आवेदन करें और किसी भी बिचौलिए या एजेंट के झांसे में न आएं।

'युद्ध नशों विरुद्ध' के 285वें दिन पंजाब पुलिस द्वारा 2 किलो हेरोइन सहित 85 नशा तस्कर काबू

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों के तहत राज्य से नशों के पूर्ण उन्मूलन के उद्देश्य से चलाए जा रहे "युद्ध नशों विरुद्ध" के 285वें दिन पंजाब पुलिस ने आज 338 स्थानों पर छापेमारी की। इस कार्रवाई के बाद पूरे राज्य में 74 एफआईआर दर्ज कर 85 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया गया। इसके साथ ही 285 दिनों में गिरफ्तार किए गए कुल नशा तस्करों की संख्या बढ़कर 40,109 हो गई है।

छापेमारी के दौरान गिरफ्तार किए गए तस्करों से 2 किलो हेरोइन, 335 नशीली गोलियाँ और 800 रुपये की ड्रग मनी बरामद की गई है।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने पुलिस कमिश्नरों, डिप्टी कमिश्नरों और एस.एस.पीज़ को पंजाब को नशामुक्त राज्य बनाने के सख्त निर्देश दिए हैं। पंजाब सरकार ने नशों के खिलाफ अभियान की निगरानी के लिए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा की अध्यक्षता में 5 सदस्यीय कैबिनेट सब-कमेटी भी गठित की है।

इस ऑपरेशन के दौरान 75 गज़टेड अधिकारियों की निगरानी में 1000 से अधिक पुलिस कर्मियों वाली 120 से अधिक पुलिस टीमों ने राज्यभर में 338 स्थानों पर छापेमारी की। अधिकारियों ने बताया कि दिनभर चले इस अभियान के दौरान पुलिस टीमों ने 339 संदिग्ध व्यक्तियों की जांच भी की।

यह भी उल्लेखनीय है कि पंजाब सरकार ने राज्य से नशों के उन्मूलन के लिए तीन-स्तरीय रणनीति — प्रवर्तन (इन्फोर्समेंट), नशामुक्ति (डी-एडिक्शन) और रोकथाम (प्रिवेंशन) — यानी (ईडीपी) लागू की है। इसी रणनीति के अंतर्गत पंजाब पुलिस ने आज 38व्यक्तियों को नशा छोड़ने और पुनर्वास का उपचार लेने के लिए सहमति दिलाई है।

ब्लेंडर्स प्राइड फैशन टूर ने फैशन को फास्ट लेन में दौड़ाया

पानीपत । ब्लेंडर्स प्राइड फैशन टूर ने जयपुर में नई रफ्तार पकड़ी, जहां यह हाई-फैशन और मोटरस्पोर्ट के संगम में बदल गया। सीमाओं को आगे बढ़ाते हुए, जयपुर एडिशन में मोटरस्पोर्ट से प्रेरित डिज़ाइन, ग्लैमरस परफॉर्मेंस वियर और हाई-ऑक्टेन फैशन शोकेस देखने को मिला, जिसने गति और सटीकता के साथ आगे बढ़ते हुए 'फैशन के अगले कदम' को दर्शाया।फैशन डिजाइन कौंसिल ऑफ इंडिया (एफडीसीआई) के साथ सहयोग में, इस शोकेस ने रनवे को स्टाइल और पावर के हाई-स्पीड सर्किट के रूप में फिर से कल्पित किया। प्रमुख डिजाइनर नम्रता जोशीपुरा और अभिषेक पाटनी ने हाई-ऑक्टेन मोटरकोर एस्थेटिक्स को नए रूप में पेश किया, और रेसिंग कल्चर को स्टेटमेंट-मेकिंग फैशन में बदल दिया। बॉलीवुड स्टार हरनाज संधू ने फिनाले शोस्टॉपर के रूप में रनवे पर जलवा बिखेरा, जहां उन्होंने ग्लैमर और स्पीड के फ्यूजन को दर्शाया, जबकि रैप सेंसेशन रफ्तार ने अपनी ऊर्जा

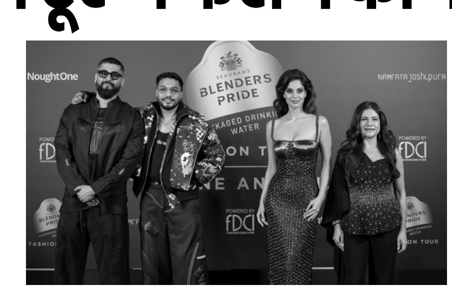

से पूरी रात को इलेक्ट्रिफाइंग परफॉर्मेंस के साथ बंद किया, जो शो की धड़कती एनर्जी से मेल खाती थी। यह शो थ्री-लैप रनवे एक्सपीरियंस के साथ आगे बढ़ा, जिसने स्टेज को एक इमर्सिव मोटरस्पोर्ट एरीना में बदल दिया। 'द स्टार्ट लाइन' के रेसिंग सिल्हूट्स से लेकर 'द पिट लेन' के क्रोम-ड्रिवन स्लीक और टैक्टिकल लुक्स तक, और 'द ग्लैम नाइट' की हाई-ऑक्टेन ग्लैमर तक, शो का अंत रोमांचक स्पोर्ट्स कार स्टंट के साथ हुआ, जिसने पूरे माहौल को नई ऊंचाई पर पहुंचा दिया।इस अनुभव ने भारत की सांस्कृतिक और रचनात्मक नब्ज को और तेज किया – तेज, शार्प और न रुकनेवाला – और ब्लेंडर्स प्राइड फैशन टूर को फैशन को अभूतपूर्व गति से आगे बढ़ाने वाले इंजन के रूप में स्थापित किया।पर्नोड रिकार्ड इंडिया की सीएमओ देबाश्री दासगुप्ता ने कहा, "ब्लेंडर्स प्राइड फैशन टूर हमेशा से फैशन और संस्कृति से जुड़ी बातचीत को आकार देने में सबसे आगे रहा है। जयपुर एडिशन ने इस विजन को और आगे बढ़ाया है, जहां हाई-ऑक्टेन मोटरस्पोर्ट और ग्लैमरस हाई-फैशन की दुनिया को जोड़कर एक इमर्सिव अनुभव बनाया गया, जो बोल्डनेस, स्टाइल और इनोवेशन का जश्न मनाता है।

रोटरैक्ट डिस्ट्रिक्ट 3080 , ज़ोन 3 ने रामदरबार में स्वच्छ संकल्प सफाई अभियान चलाया

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। रोटरैक्ट डिस्ट्रिक्ट 3080 के ज़ोन 3 ने स्वच्छ संकल्प के नाम से स्वच्छता अभियान का सफलतापूर्वक आयोजन को राम दरबार स्थित बस अड्डे में किया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य सामुदायिक स्वच्छता को बढ़ावा देना, पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाना तथा नागरिकों को सफाई के प्रति प्रेरित करना था।

तीन घंटे चले इस अभियान के दौरान रोटरैक्ट क्लब के सदस्यों ने बस स्टेशन परिसर, निकटवर्ती बगीचे तथा आसपास के सार्वजनिक क्षेत्रों की गहन सफाई की। अभियान के अंत तक पूरा क्षेत्र पहले से अधिक स्वच्छ, व्यवस्थित और यात्रियों के लिए अधिक अनुकूल एवं आकर्षक दिखाई देने लगा। इस अभियान की विशेष बात यह रही कि मार्ग से गुजरने वाले अनेक स्थानीय नागरिक भी रोटरैक्टर्स की लगन और प्रयासों से प्रेरित होकर स्वेच्छा से इस सफाई अभियान का हिस्सा बने। इससे सामुदायिक सहभागिता तथा सामूहिक

जिम्मेदारी की भावना को सार्थक रूप मिला।

कार्यक्रम के दौरान डॉ. मनु गुप्ता, डिस्ट्रिक्ट रोटरैक्ट रिप्रेज़ेंटेटिव इलेक्ट (2025–26) और एडवोकेट ऋषभ, डिस्ट्रिक्ट रोटरैक्ट सेक्रेटरी जनरल (2025–26) की विशेष उपस्थिति ने सभी स्वयंसेवकों का उत्साह बढ़ाया और अभियान को और प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। स्वच्छ संकल्प अभियान रोटरैक्ट डिस्ट्रिक्ट 3080 ज़ोन 3 की निष्ठा, टीमवर्क और सामाजिक दायित्व के प्रति प्रतिबद्धता का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करता है।

सामाजिक सुरक्षा की ओर कदम: श्रम संहिताएँ और डिजिटल ढाँचा

सामाजिक सुरक्षा प्रणालियाँ गरीबी कम करने, मजबूती बढ़ाने और न्यायसंगत विकास को प्रोत्साहन देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा कवरेज प्रत्येक निवासी को, उसकी आय, रोजगार की स्थिति या जनसांख्यिकीय विशेषता की परवाह किए बिना, पेंशन, स्वास्थ्य देखभाल, बेरोजगारी भत्ता या दिव्यांगता सहायता जैसे न्यूनतम सामाजिक सुरक्षा लाभों तक पहुँच प्रदान करता है। भारत अब सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा प्रणाली बनाने की दिशा में पहले से कहीं अधिक नजदीक है-एक ऐसी प्रणाली जिसे अधिकांश राष्ट्र, यहाँ तक कि सबसे विकसित देश भी, दशकों तक निरंतर निवेश और प्रयास करने के बाद ही स्थापित कर पाए।

श्रम संहिताओं, विशेष रूप से सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 के माध्यम से, देश के पास हर कामगार की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कानूनी ढांचा मौजूद है —चाहे वह गिग ड्राइवर हो, फैक्ट्री कर्मचारी हो या निर्माण कार्य करने वाला प्रवासी मजदूर हो । सामाजिक सुरक्षा संहिता नौ प्रमुख कानूनों को एकल एकीकृत ढांचे में समेकित करती है। इससे प्रशासनिक जटिलता कम करने, लाभों को हस्तांतरित करने की योग्यता बेहतर बनाने, नियोक्ताओं के लिए अनुपालन सरल बनाने और निगरानी व प्रवर्तन मजबूत बनाने में मदद मिलती है। इसकी बदौलत विशेषकर असंगठित क्षेत्र के छोटे उद्यमों के कामगार — जहाँ भारत के 90% कामगार काम करते हैं— नौकरशाही की अड़चनों में उलझे बगैर लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

यह संहिता सरकार को भी यह अधिकार देती है कि वह सभी क्षेत्रों में उद्यमों के लिए कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ), कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी), मातृत्व लाभ और ग्रेच्युटी का कवरेज बढ़ा सके, ताकि अब तक असुरक्षित रहे कामगारों को लाभ मिल सके

लेखिका : श्रम एवं रोजगार मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव एवं वित्त सलाहकार- जी. मधुमिता दास

और छोटे उद्यमों में स्वैच्छिक पंजीकरण को प्रोत्साहित किया जा सके। इसके अलावा, यह राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा कोष / राज्य सामाजिक सुरक्षा कोष की व्यवस्था प्रदान करती है, जहाँ सरकार का वित्तीय योगदान, कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) का योगदान, नियोक्ता और कर्मचारियों का योगदान एकत्रित किया जा सकता है, जो सामाजिक सुरक्षा कवरेज को सहायता प्रदान कर सकता है।

लेकिन केवल कानून बनाना भर ही पर्याप्त नहीं है। जो बात वास्तव में भारत को उसके वैश्विक समकक्षों से अलग कर सकती है, वह है उसका उभरता डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना तंत्र— ई-श्रम डेटाबेस और आधार प्रमाणीकरण से लेकर यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) और प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) प्लेटफ़ॉर्म तक। ये सभी उपकरण मिलकर भारत को पारंपरिक कल्याण मॉडल से आगे बढ़ने और एक पोर्टेबल, पारदर्शी, तकनीक-सक्षम कल्याण प्रणाली बनाने का अनूठा अवसर प्रदान करते हैं, जो दुनिया की किसी भी प्रणाली से अलग है।

आधारः सार्वभौमिकरण की रीढ़

सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर अग्रणी देश सार्वभौमिकता सुनिश्चित करने के लिए हर निवासी को एक विशिष्ट पहचान प्रदान करते हैं जो सीधे लाभों से जुड़ी होती है। भारत के पास आधार – के रूप में यह सुविधा पहले से मौजूद है—जो अत्यंत विश्वसनीय और निशुल्क प्रमाणीकरण प्रदान करता है।

आधार सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा की सबसे बड़े बाधाः अर्थात्, विभिन्न राज्यों, क्षेत्रों और नियोक्ताओं में लाभार्थियों की पहचान और प्रमाणीकरण को हल करता है। प्रवासी कामगारों के लिए, आधार-सक्षम पोर्टेबिलिटी वह कर सकती है, जो पिछली पीढ़ी के कल्याणकारी सुधार हासिल नहीं कर पाए : स्थान की परवाह किए बगैर लाभों तक निर्बाध पहुँच सुनिश्चित करना। यह प्रणाली नॉर्वे और डेनमार्क जैसे देशों में डिजिटल आईडी आधारित प्रणालियों की तरह है, जहाँ नागरिक अपनी कल्याण पहचान को अलग-अलग क्षेत्रों और सेवाओं में निर्बाध रूप से अपने साथ रख सकते हैं।

एकीकृत डेटाबेस पर आधारित एकीकृत संहिता

जहाँ एक ओर दुनिया भर में संगठित क्षेत्र के कामगार सामान्यतः सामाजिक सुरक्षा कवरेज के अंतर्गत आते हैं, वहीं नियोक्ता-कामगार के बीच स्थिर रोजगार संबंध नहीं होने के कारण असंगठित क्षेत्र के कामगारों को कवर करना कहीं अधिक चुनौतीपूर्ण होता है । कई देश एकीकृत श्रम कानूनों पर भरोसा करते हैं, लेकिन बहुत कम देशों के पास भारत के ई-श्रम डेटाबेस जैसा विशाल राष्ट्रीय श्रमिक रजिस्टर मौजूद है। सामाजिक सुरक्षा संहिता में एकीकृत पंजीकरण तंत्र का प्रावधान ई-श्रम के साथ पूरी तरह मेल खाता है, जो पहले से ही 310 मिलियन से अधिक असंगठित क्षेत्र के कामगारों के जनसांख्यिकीय, कौशल और व्यवसाय संबंधी डेटा को संग्रहित करता है। आधार प्रमाणीकरण के माध्यम से प्रत्येक कामगार की विशिष्ट रूप से पहचान की जाती है और उन्हें एक ई-श्रम यूनिवर्सल अकाउंट नंबर (यूएएन) प्रदान किया जाता है।

भारत की क्षमता—एकल डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म के माध्यम से असंगठित कामगारों की विशिष्ट पहचान करना, उन्हें सीधे पंजीकृत करना और ट्रैक करना—सामाजिक सुरक्षा लाभों के लिए तेज़ पंजीकरण, बेहतर पोर्टेबिलिटी और कामगार डेटा के रियल-टाइम अपडेट की सुविधा प्रदान कर सकती है। भविष्य में, यदि ई-श्रम और ईपीएफओ यूएएन को पोर्टेबल बनाया जाता है, तो असंगठित क्षेत्र और संगठित क्षेत्र के बीच श्रमिकों की गतिविधियों को ट्रैक करना संभव होगा। इससे श्रम बाजार की गतिशीलता का विश्लेषण किया जा सकेगा और यह सार्वजनिक नीतियों के निर्माण के लिए महत्वपूर्ण डेटा स्त्रोत साबित होगा।

यूपीआई और डीबीटीः वह महत्वपूर्ण कड़ी जिसे ज्यादातर देश अभी तक अपना नहीं पाए

कल्याण पर ज्यादा ध्यान देने वाले देश बैंकों और पारंपरिक भुगतान प्रणालियों पर बहुत अधिक निर्भर रहते हैं। हालाँकि भारत ने दुनिया के सबसे तेज़, कम लागत वाले और इंटरऑपरेबल भुगतान नेटवर्क में से एक यूपीआई की पहल की है।डीबीटी के साथ एकीकृत होने के कारण, भारत के पास सामाजिक सुरक्षा भुगतान को तुरंत और सीधे कामगारों के खाते में पूरे देश में कहीं भी भेज सकने की प्रमाणित क्षमता है। यह एक ऐसी क्षमता है जिसके लिए विकसित अर्थव्यवस्थाएँ भी संघर्ष करती हैं। महामारी के दौरान, अमेरिका तक में लाखों लोगों को प्रोत्साहन चेक के लिए हफ्तों बाट जोहनी पड़ी थी । इसके विपरीत, भारत ने आपातकालीन कोविड-19 भुगतान लाखों लाभार्थियों तक अभूतपूर्व गति से हस्तांतरित किया था।

केंद्रीय और राज्य सरकारों के पास जीवन बीमा, दुर्घटना बीमा, स्वास्थ्य कवरेज, मातृत्व लाभ, वृद्धावस्था सुरक्षा आदि से जुड़ी कई सामाजिक सुरक्षा योजनाएँ हैं। इन योजनाओं में ई-श्रम पंजीकृत कामगारों को शामिल करके तथा यूपीआई और डीबीटी का उपयोग करके, सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा को बड़े पैमाने पर, उपयोगकर्ता-अनुकूल, पारदर्शी और कुशल तरीके से हासिल किया जा सकता है।

भारत दुनिया से आगे निकल सकता है

इतिहास में पहली बार, भारत के पास सभी महत्वपूर्ण साधनः कानूनी ढांचा (श्रम संहिताएँ), एक राष्ट्रीय श्रमिक रजिस्टर (ई-श्रम), एक सार्वभौमिक पहचान प्रणाली (आधार), एक रियल-टाइम भुगतान प्रणाली (यूपीआई) और प्रत्यक्ष लाभ अंतरण प्रणाली (डीबीटी) मौजूद हैं । यह संयोजन वैश्विक स्तर पर दुर्लभ है। यदि इसे सही तरीके से उपयोग किया जाए, तो भारत एक ऐसा सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा मॉडल बना सकता है जो केवल समावेशी ही नहीं, बल्कि मूल रूप से डिजिटल आधारित और भविष्य के लिए सुरक्षित भी हो— एक ऐसा मॉडल, जिसका अन्य देश एक दिन अध्ययन करें।

सामाजिक सुरक्षा संहिता केवल एक कानून नहीं है; यह 21वीं सदी में किसी राष्ट्र द्वारा अपने कामगारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के तरीके को पुनः परिभाषित करने का अवसर है। भारत को इस अवसर का लाभ उठाना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि श्रम संहिताएँ सभी कामगारों के लिए सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के इस अनूठे अवसर को पूरा करें।

संपादकीय

शान दिखाने का जरिया बना जानलेवा जश्न, आखिर क्यों नहीं लग पा रही रोक?

शस्त्र (संशोधन) अधिनियम 2019 के मुताबिक, सार्वजनिक समारोहों, धार्मिक स्थलों, शादियों या किसी अन्य कार्यक्रम में गोला-बारूद और आग्नेयास्त्रों के इस्तेमाल पर प्रतिबंध है।शादी समारोहों या जश्न के दौरान खुशी का इजहार करने के लिए हथियारों का प्रदर्शन और गोली चलाने की बढ़ती मानसिकता न केवल सामाजिक स्तर पर भय का वातावरण बना रही है, बल्कि इससे अपराध का एक नया रूप भी उभर कर सामने आ रहा है। खुशी की इस तथाकथित अभिव्यक्ति से आए दिन निर्दोष लोगों की जान जा रही है।उत्तर प्रदेश के एटा जिले में हाल ही में विवाह समारोह के दौरान ऐसी ही एक घटना में दो नाबालिग लड़कों की मौत हो गई और जश्न का माहौल अचानक मातम में बदल गया। सवाल है कि इस तरह की गैर-कानूनी गतिविधियों पर आखिर रोक क्यों नहीं लग पा रही है? पुलिस भी तभी कार्रवाई करती नजर आती है, जब जश्न में गोली चलने से किसी की मौत हो जाती है।अगर कोई अनहोनी न हो, तो समारोह में उत्साह और प्रसन्नता दिखाने के लिए गोली चलाने को आमतौर पर सामान्य माना जाता है। इसी लापरवाही का नतीजा है कि इस तरह की घटनाओं में जान जाने का जोखिम हमेशा बना रहता है।दरअसल, विवाह समारोहों और अन्य निजी कार्यक्रमों में हथियारों का प्रदर्शन तथा हवा में गोली चलाने का चलन अपनी शान दिखाने का जरिया बन गया है।सामाजिक और मानवीय पहलू से इस बात पर भी विचार करना जरूरी है कि समारोह के आयोजकों की ओर से अपने रिश्तेदारों और संबंधियों को अपने साथ हथियार लाने की अनुमति देना क्या उचित है। खबरें आए दिन आती रहती हैं।शस्त्र (संशोधन) अधिनियम 2019 के मुताबिक, सार्वजनिक समारोहों, धार्मिक स्थलों, शादियों या किसी अन्य कार्यक्रम में गोला-बारूद और आग्नेयास्त्रों के इस्तेमाल पर प्रतिबंध है।

गोवा हादसाः झुलसती संवेदनाएं और नाकाम होती व्यवस्था

(ललित गर्ग)

गोवा अपनी पहचान पर्यटन से बनाता है। नाइट लाइफ, समुद्री तटों का आनंद, मनोरंजन गतिविधियां और विदेशी पर्यटक इसका स्वाभाविक आकर्षण हैं। ऐसे प्रदेश में इस प्रकार का हादसा केवल मानवीय त्रासदी नहीं, बल्कि छवि और अर्थव्यवस्था का गहरा नुकसान भी है। भारत की टूरिज्म इंडस्ट्री पहले ही प्रतिस्पर्धा और सुरक्षा को लेकर चुनौतियों से जूझ रही है।

एक बार फिर एक भीषण आग ने 25 मासूम जिंदगियों को छीन लिया। गोवा के नाइट क्लब में हुई यह त्रासदी केवल आगजनी नहीं, बल्कि हमारे सिस्टम की जड़ता, गैर-जिम्मेदारी और नैतिक पतन की ज्वलंत मिसाल है। गोवा का जो नाइट क्लब आग की चपेट में आया, वह नियमों की अनदेखी करके तो चलाया ही जा रहा था, उसमें आग से बचाव के उपाय भी नहीं किए गए थे। रही-सही कसर इससे पूरी हो गई कि नाइट क्लब में आने और जाने का रास्ता बेहद संकरा था। आग की चपेट में आने वालों की संख्या इसलिए अधिक बढ़ गई, क्योंकि बचने के लिए उन्होंने जिस रास्ते को सुरक्षित समझा, वहां पहले से ही लोग फंसे हुए थे। इस तरह से आनंद और उत्सव का स्थल अचानक जीवन समाधि में बदल गया, वह अनेक सवाल हमारे सामने खड़े करता है, क्या हम सीखने की क्षमता खो चुके हैं? क्यों हर हादसे के बाद जांच समितियां बनती हैं, मुआवजा घोषित होता है, कुछ दिन हंगामा होता है और फिर सब कुछ पहले जैसा हो जाता है? पूर्व में मुंबई, दिल्ली, कोलकाता, सूरत और अनेक शहरों में समान दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। होटल, मॉल, थिएटर, अस्पताल, फैक्ट्री, कोचिंग सेंटर-लापरवाही की आग में झूलसनों वालों की संख्या बढ़ी है, लेकिन हमारी संवेदनशीलता का स्तर छोटा होता जा रहा है। आगजनी की घटनाओं का सिलसिला तो लगातार है, परंतु सुरक्षा मानकों के प्रति हमारी उदासीनता और घोर लापरवाही भी उतनी ही स्थायी है। यह बात स्पष्ट है कि हादसे किसी तकनीकी गलती का परिणाम भर नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार और राजनीतिक मिलीभगत की देन भी हैं।

गोवा अपनी पहचान पर्यटन से बनाता है। नाइट लाइफ, समुद्री तटों का आनंद, मनोरंजन गतिविधियां और विदेशी पर्यटक इसका स्वाभाविक आकर्षण हैं। ऐसे प्रदेश में इस प्रकार का हादसा केवल मानवीय त्रासदी नहीं, बल्कि छवि और अर्थव्यवस्था का गहरा नुकसान भी है। भारत की टूरिज्म इंडस्ट्री पहले ही प्रतिस्पर्धा और सुरक्षा को लेकर चुनौतियों से जूझ रही है। यह घटना विश्व के सामने एक सवाल बनकर खड़ी है-क्या भारत सुरक्षित पर्यटन देश है? क्या यहां गैर-जिम्मेदाराना ढांचे और भ्रष्ट तंत्र के बीच किसी का जीवन सुरक्षित रखा जा सकता है? इस प्रकार के हादसों में दो बड़े चरित्र सामने आते हैं-सरकार की सुस्ती और आयोजकों की लालचपूर्ण मानसिकता। अधिकांश नाइट क्लब, बार, पार्क या मनोरंजन स्थल ऐसे होते हैं जहां प्रवेश शुल्क, अवैध संचालन और आर्थिक लाभ का बड़ा खेल चलता है। इमारतों की मंजूरी, फायर सुरक्षा की अनुमति, बिजली के तारों का रखरखाव, निकास मार्ग-ये सभी चीजें फाइलों में तो दर्ज होती हैं, लेकिन जमीन पर गायब रहती हैं। प्रशासनिक अधिकारियों की सजगता की जगह 'संबंध' और 'सुविधा शुल्क' काम करता है। निरीक्षण के नाम पर औपचारिकता ढहती है और बीते हुए हादसे केवल याद बनकर रह जाते हैं।

नाइट क्लब तक पहुंचने का रास्ता इतना संकरा है कि फायर ब्रिगेड की गाड़ियों को 400 मीटर दूर खड़ा होना पड़ा। सजावट के लिए ताड़ के सूखे पत्तों का इस्तेमाल किया गया था, जिसने आग और भड़का दी। भीड़भाड़ वाली जगहों पर एंट्री से ज्यादा महत्वपूर्ण इमरजेंसी एग्जिट पॉइंट्स होते हैं, लेकिन इस क्लब में लगता है कि इसकी भी कोई व्यवस्था नहीं थी, जिससे कई लोग भटक कर किचन में पहुंच गए, जहां से बाहर निकलने का रास्ता नहीं था। यह नाइटक्लब बिना मंजूरी के चल रहा था। लोकल अथॉरिटी के मुताबिक, निर्माण अवैध था।

सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि आखिर हम हादसों को नियति क्यों मान लेते हैं? हर घटना के बाद नेताओं के बयान आते हैं-'दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा', 'उच्च स्तरीय जांच की जाएगी', 'मुआवजा दिया जाएगा', लेकिन क्या कभी हमने दोषियों को सजा होते देखा है? कभी किसी अधिकारी को बर्खास्त होते देखा है? क्या किसी क्लब या होटल की अनुमति स्थायी रूप से रद्द की गई? जवाब अधिकतर 'नहीं' है। यही वह सत्य है जो बताता है कि हमारा समाज हादसे को दुख तो मानता है पर समस्या नहीं मानता। अजीब विडंबना यह है कि हादसे के शिकार गरीब या आम नागरिक होते हैं, लेकिन इस त्रासदी से गुजरी व्यवस्थाओं को कोई चोट नहीं लगती। वे फिर उठते हैं, नए सजावटी बोर्ड लगा लेते हैं और जनता को फिर से आकर्षित कर लेते हैं। व्यवस्था में भ्रष्टाचार और मानव-मूल्यों का ह्रास दोनों मिलकर ऐसी घटनाओं को जन्म देते हैं। यह केवल प्रशासनिक नाकामी नहीं, बल्कि सामूहिक नैतिक ह्रास भी है। आयोजक केवल लाभ देखते हैं; प्रशासन केवल कागजों पर निशान देखता है; समाज घटना को क्षणिक दुख समझकर भूल जाता है।

वैश्विक स्तर पर देखें तो किसी भी विकसित या उत्तरदायी समाज में जन-स्थलों पर सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होती है। नियमित निरीक्षण, कठोर दंड, मानकों का अनिवार्य पालन और पारदर्शिता बुनियादी तत्व हैं। भारत में ये मानक केवल कानूनी पुस्तकों में रहते हैं। सवाल यह नहीं कि हादसे क्यों होते हैं, सवाल यह है कि सीख क्यों नहीं ली जाती। गोवा का यह हादसा एक चेतावनी है, अकेले गोवा के लिए नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए। हम विकास, पर्यटन और आधुनिक जीवनशैली की बात करते हैं, लेकिन सुरक्षा, नियंत्रण और मानवीय संवेदनशीलता को हाशिए पर छोड़ देते हैं। यह घटना बताती है कि यदि व्यवस्था की लापरवाही और लालच के बीच नागरिक की सुरक्षा कुचलती रही तो हम आधुनिक ढांचे बनाकर भी असुरक्षित रहेंगे। किसी भी राष्ट्र की उन्नति उसके नागरिकों की सुरक्षा पर टिकी होती है, न कि केवल चमक-दमक पर।

गोवा घटना ने सरकार की छवि को ध्वस्त किया है। पर्यटन उद्योग की नींव हिलाई है और नागरिक विश्वास को चोट पहुंचाई है। गोवा के जीडीपी में पर्यटन का हिस्सा 16 प्रतिशत से ज्यादा है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, पिछले साल की तुलना में इस साल जनवरी से सितंबर के बीच 6.23 प्रतिशत ज्यादा टूरिस्ट गोवा पहुंचे। ऐसे में यह घटना राज्य की अच्छी छवि पेश नहीं करती, जहां पहले ही टैक्सी चालकों की मनमानी और पर्यटकों के साथ अभद्रता की कुछ समस्या रही है।यदि घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकनी है तो कुछ कठोर कदम उठाने होंगे, जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई, वास्तविक निरीक्षण प्रणाली, भ्रष्टाचार पर अंकुश और सुरक्षा मानकों के उल्लंघन पर दंड। परंतु दुख यह है कि हमारा इतिहास बताता है, हम कठोर कदम उठाने से बचते हैं। आज इस त्रासदी के बाद शोक जताना पर्याप्त नहीं है। इस पर गंभीर चिंतन जरूरी है। हम केवल जिम्मेदारी टाल देने की प्रवृत्ति में नहीं जी सकते। हर हादसा हमें यही याद दिलाता है कि सुरक्षा संस्कृति, जिम्मेदार शासन और नैतिक व्यवसायिक आचरण के बिना कोई भी समाज सुरक्षित नहीं हो सकता। यह घटना केवल 25 लोगों की मौत नहीं, बल्कि चेतावनी है कि यदि हमने नहीं सीखा, तो अगली त्रासदी निकट ही खड़ी है। हमारे नीति-नियंताओं को यह समझना होगा कि इस तरह की घटनाएं केवल जान-माल को ही क्षति नहीं पहुंचातीं, बल्कि देश की बदनामी भी कराती हैं। इस तरह की घटनाएं यही रेखांकित करती हैं कि नया और विकसित बनने के आकांक्षी भारत में नियम-कानूनों की हर स्तर पर उपेक्षा होती है और इस देश में जिम्मेदारी के साथ कोई काम मुश्किल से ही किया जाता है। अथॉरिटीज की जिम्मेदारी है। बिना लाइसेंस चल रहे क्लब, होटल या रेस्तरां को बंद कराने के साथ यह जानना भी जरूरी है कि आखिर ये खुल कैसे जाते हैं और फिर कैसे धड़ल्ले से चलते रहते हैं। हमें यह मानना होगा कि जीवन की कीमत केवल शब्दों में नहीं, व्यवस्था में भी झलकनी चाहिए। जब तक हमारी नीतियों में कठोरता नहीं आएगी, जब तक भ्रष्टाचार की जड़ें नहीं काटी जाएंगी और जब तक नागरिक-केंद्रित शासन स्थापित नहीं होगा, तब तक मनोरंजन के नाम पर मौतें होती रहेंगी। गोवा का नाइट क्लब हादसा केवल आग नहीं-हमारे विवेक, शासन और मानवता की विफलता है। अब यह हमारे हाथ में है कि हम इसे भूलें या इसे परिवर्तन की शुरुआत बनाएं। लेखक, पत्रकार, स्तंभकार हैं। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

दुनिया में क्यों मची हथियारों की होड़

(जी जी द्विवेदी)

दुनिया के सबसे धनी उद्यमी एलन मस्क ने हाल ही में यह भविष्यवाणी की है कि अगले दस वर्षों के भीतर तीसरा विश्व-युद्ध छिड़ सकता है। जाहिर है, यह बेहद चिंता की बात है और स्वाभाविक ही इस पर जबर्दस्त बहस भी शुरू हो गई है। मस्क के इस बयान से एक बुनियादी सवाल उठ खड़ा हुआ है कि हथियारों की बिक्री में जो भारी उछाल आई है, कहीं वह दुनिया को एक भयानक युद्ध की ओर तो नहीं ले जा रही?

दरअसल, यह सवाल 'स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट' के एक डाटा से पैदा हुआ है। इस डाटा के मुताबिक, संसार की शीर्ष 100 हथियार कंपनियों द्वारा हथियारों व सैन्य उपकरणों की बिक्री से प्राप्त होने वाले राजस्व में 5.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और यह राशि 670 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है। हथियारों की बिक्री से होने वाली यह कमाई बिक्री में रुकावटों, महंगाई और औद्योगिक मंदी के बावजूद हुई है। हथियारों की बिक्री का आलम यह है कि साल 2024 में दुनिया की शीर्ष 100 हथियार कंपनियों में शामिल अमेरिका की 43 कंपनियों का कुल राजस्व 3.8 प्रतिशत बढ़कर 334 अरब डॉलर हो गया। इनमें लॉकहीड मार्टिन, नॉर्थरोप, ग्रुम्मन और जनरल डायनेमिक्स आदि शामिल हैं। रूस को छोड़ दें, तो शेष यूरोप की 26 हथियार कंपनियों में से 23 ने हथियारों के राजस्व में 13 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की और उनका राजस्व 151 अरब डॉलर पहुंच गया।

हथियारों की बिक्री असल में रूस द्वारा यूक्रेन पर हमले के साथ नाटो देशों को कथित धमकी और हिंद-प्रशांत क्षेत्र समेत तमाम संघर्षरत देशों के कारण बढ़ी है। केवल एशिया और ओशिनिया ने 2024 में शीर्ष 100 कंपनियों से हथियारों की कम खरीद की। इनकी खरीदारी साल 2023 की तुलना में 1.2 प्रतिशत घटकर 130 अरब डॉलर रही। शीर्ष की दो रूसी कंपनियों- रोस्टेक और यूनाइटेड शिपबिल्डिंग कॉरपोरेशन्स ने अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों के कारण कल-पुर्जों की कमी के बावजूद 23 प्रतिशत की वृद्धि करके अपने संयुक्त राजस्व को 31.2 अरब डॉलर कर लिया। जापानी और दक्षिण कोरियाई कंपनियों ने यूरोप और अपनी घरेलू मांगों की वजह से बढ़त को जारी रखा है। शीर्ष में शामिल जापान की पांच कंपनियों ने अपना राजस्व बढ़ाकर 13.3 अरब डॉलर और दक्षिण कोरियाई कंपनियों ने 14.1 अरब डॉलर कर लिया है। इसी तरह, पश्चिम एशिया की कंपनियों का कुल राजस्व 31 अरब डॉलर रहा, वहीं तीन इजरायली कंपनियों ने 16.2 अरब डॉलर का राजस्व कमाया। इनमें तीन भारतीय कंपनियों ने पहली बार घरेलू मांग की वजह से अपने कुल हथियार राजस्व को 8.2 प्रतिशत बढ़ाकर 7.5 अरब डॉलर कर लिया।

साफ है, दुनिया भर की सरकारें रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की कोशिश में ज्यादा हथियार खरीद रही हैं। वे अपने खत्म हो चुके हथियार भंडार को फिर से भर रही हैं और आपातकालीन तैयारी के तौर पर ऐसी खरीदी कर रही हैं, जिनके बारे में हाल तक सोचा भी नहीं गया था। इसके अलावा, यूक्रेन युद्ध ने तोप के गोलों, ड्रोन, प्रिसिजन मिसाइल और एयर-डिफेंस सिस्टम की भारी मांग पैदा कर दी है। गाजा पर इजरायली हमलों ने भी अनावश्यक हथियारों व युद्धक सामानों की मांग बढ़ा दी है।

साउथ चाइना-सी और ताइवान जलडमरूमध्य में बढ़ते तनाव की वजह से जापान, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण कोरिया और ताइवान जैसे देश लंबी दूरी तक मार करने वाली मिसाइलें, पनडुब्बियां और अगली पीढ़ी के लड़ाकू विमान खरीदने को मजबूर हो रहे हैं। इतिहास पर गौर करें, तो हथियार जमा करने की प्रवृत्ति बड़े संघर्षों से पहले दिखी है। अर्थात, 1914 से पहले, फिर 1930 के दशक में और शीत युद्ध के अंतिम दौर में। मस्क की भविष्यवाणी इसी आलोक में लगती है। हो भी क्यों न। जब बड़ी ताकतें एक ही समय में अपनी-अपनी सेनाओं का आधुनिकीकरण करती हैं, तो गलत अंदाजा लगाया जाना स्वाभाविक है।

हालांकि, हथियारों की बिक्री में बढ़ोतरी तीसरे विश्व युद्ध की उल्टी गिनती का संकेत नहीं है। यहां सबसे बड़ा अंतर इरादे में है। इस समय हो रही ज्यादातर हथियार-खरीद रक्षात्मक है, आक्रामक नहीं। यूरोपीय देश रूस के साथ युद्ध शुरू करने के लिए नहीं, बल्कि मॉस्को को किसी भी गलत कदम से रोकने के लिए हथियार खरीद रहे हैं। इसी तरह, हिंद-प्रशांत क्षेत्र के देश चीन से युद्ध नहीं चाहते, बल्कि बीजिंग को ताइवान या साउथ चाइना-सी में एकतरफा कार्रवाई से रोकना चाहते हैं। इसके अलावा, परमाणु हथियार बड़ी ताकतों के लिए लड़ाई रोकने का बड़ा जरिया बना हुआ है।

यह सही है कि इससे परमाणु हथियारों के इस्तेमाल का खतरा पूरी तरह खत्म नहीं होता। जब पारंपरिक लड़ाइयां बढ़ेंगी, तो परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की आशंका भी बनी रहेगी। यूक्रेन-रूस और गाजा-हमास की लड़ाई में कूटनीति बहुत कारगर साबित नहीं हो पा रही है और छद्म संघर्षों का खतरा बना हुआ है। ड्रोन, हाइपरसोनिक मिसाइल, लंबी दूरी के मारक हथियार और 'एआई-इनेबल्ड सर्विलांस' जैसे अत्याधुनिक हथियारों का तेजी से इस्तेमाल खतरे को गंभीर बनाता है। रक्षा उत्पादों को बढ़ावा दिया जा रहा है और सुरक्षा से जुड़े बुनियादी ढांचे विकसित किए जा रहे हैं। इसका मतलब है कि देश किसी लड़ाई की चेतावनी मिलते ही तुरंत कार्रवाई कर सकने में सक्षम हों। संयुक्त राष्ट्र जैसी वैश्विक संस्थाओं के कमजोर पड़ने के साथ बड़ी ताकतों की बढ़ती प्रतिस्पर्द्धा ने बहुपक्षीय कूटनीति में एक बिखराव पैदा किया है, जिससे संघर्ष को टालने की प्रक्रिया पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है।

ऐसे में, हथियारों की बिक्री में तेजी से खतरा तो बढ़ा है, मगर इससे जंग छिड़ जाए, यह जरूरी नहीं है। विभिन्न देशों द्वारा हथियारों की खरीद आसन्न खतरे से बचने, आधुनिकीकरण और अपनी क्षमता को मजबूत करने के लिए है। असल खतरा किसी एक देश से नहीं, बल्कि कई देशों के एक साथ फिर से हथियार जमा करने में है। एक ऐसी दुनिया में, जहां भरोसा कम हो रहा है और संकट कूटनीतिक संवाद के दायरे से बड़े होते जा रहे हैं, पहले से ज्यादा असरदार संकट प्रबंधन की जरूरत है। ऐसे में, मस्क की भविष्यवाणी को एक संकेत के तौर पर लेना चाहिए, क्योंकि कई तरह की अवांछित गतिविधियों के साथ बिगड़ते वैश्विक सुरक्षा परिदृश्य में हथियारों का निर्माण तेजी से हो रहा है। उथल-पुथल और बदलते शक्ति-संतुलन का लक्षण है। भविष्य के विश्व-युद्ध का फैसला न सिर्फ बनाए जा रहे हथियारों और हार्डवेयर से होगा, बल्कि उस समय के नेताओं के फैसलों पर भी निर्भर करेगा। (लेखक मेजर जनरल (रिटायर्ड) है)(ये लेखक के अपने विचार हैं)

वर्ग पहेली 5940

1		2	3	4	5	■	6
	■	7				■	
8	9			■	10	11	
12		■		■	13		
	■	14		15	■		■
■	16		■	17			■
18			19		■	■	20
	■	21		■	22		

संकेतः बाएं से दाएं

1. इस भारतीय बैंक में पहली बार महिला अध्यक्ष नियुक्त हुई (नैनालाल किदवई)(6)
7. मयखाना, बार, मदिरालय (4)
8. लुटेरा, डाकू (4)
10. दीपक, दीआ, प्रदीपक (3)
12. अवयव संधि, कठोर विष्ठा (2)
13. कार्य समाप्ति, पूर्ण रचित (3)
14. इस शहर का प्राचीन नाम पाटलिपुत्र था, मेलखाना (3)
16. प्रसन्न, खुश, आनंदित (2)
17. वर दक्षिणा को यह कहा जाता है, दायजा (3)
18. लुब्ध करना, प्रलोभन देना, लुभाना (5)
21. मंद ध्वनि, गुंजार, नाद (2)
22. अंग्रेजों के अधीन होने भारत का अंतिम राज्य (3)

ऊपर से नीचे

1. देश के सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न से इस महिला को 1971 में नवाजा गया (5)
2. जुड़वा, अश्विनी कुमार (2)
3. पलक को यह भी कहते है (5)
4. रूपया जमा करके ब्याज सहित लौटाने का कारोबार करने वाली संस्था, महाजनी कोठी (2)
5. संभव है कि, कभी, शायद (4)
6. स्वरग्राम, संगीत के षड्ज से निषाद तक के सात स्वरों का समूह (4)
9. जिद, दुराग्रह, अटल संकल्प (2)
11. वे भाई जो श्रीराम से छोटे हो (4)
14. पैदल चलने वाला (4)
15. ध्वनि करना, बजाना, स्वर करना (3)
16. सर्दी में ओढ़ा जाने वाला वस्त्र (2)
18. मंगल ग्रह इस रंग का बताया गया है, इंद्रधनुष के रंगों में से एक (2)
19. ईश्वर, भगवान, देवता (2)
20. जितने हों उतने सभी, एक प्रसिद्ध टी.वी चैनल (2)

वर्ग पहेली 5939 का हल

जा	पा	न	■	■	त्रि	श	ला
य	ल	गा	र	■	का	म	ना
का	■	ड़ा	■	झ	ल	क	■
■	वि	■	पा	■	■	■	का
म	य	■	न	क	ब	ज	नी
■	ना	लं	दा	■	दा	म	न
सु	■	बा	न	गी	■	घ	■
त	रा	ई	■	ता	■	ट	का

साझेदारी के नए आयाम तलाशते भारत-रूस

(संजय मयूख)

वैश्विक राजनीति इन दिनों तेजी से बदल रही है। पुराने शक्ति-संतुलन खिसक रहे हैं, नई प्रतिस्पर्द्धाएं जन्म ले रही हैं, और वैश्विक गठबंधनों का स्वरूप धुंधला पड़ता जा रहा है। बहुध्रुवीय विश्व की परिकल्पना एक हकीकत बन रही है, हालांकि इस दिशा में अब भी लंबा सफर बाकी है। ऐसे में, यह अत्यंत महत्वपूर्ण है कि भारत अपने उन साझेदारों को साथ रखे, जिन्होंने उसकी रणनीतिक स्वायत्तता को मजबूती दी है। रूस ऐसा ही साझेदार है और राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की हालिया यात्रा ने इस पुराने भरोसे को नए वैश्विक संदर्भ में स्थापित किया है।

जब अमेरिका और चीन के बीच प्रतिद्वंद्विता तीखी हो रही है; रूस पश्चिमी प्रतिबंधों के बीच अपनी वैश्विक भूमिका को फिर से लिख रहा है और अंतरराष्ट्रीय संस्थान अपनी विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न झेल रहे हैं, तब भारत-रूस संबंध एक स्थिर, संतुलित और विवेकपूर्ण विश्व-व्यवस्था के लिए मजबूत साझेदार के रूप में काम कर रहे हैं। आज भी भारत-रूस रक्षा व्यापार दोनों देशों के संबंधों का सबसे मजबूत स्तंभ है। एस-400 मिसाइल प्रणाली से ब्रह्मोस क्रूज मिसाइल जैसी संयुक्त परियोजनाएं, सुखोई एसयू-30एमकेआई से लेकर टी-90 टैंक तक, रूस ने भारत की सैन्य संरचना के विकास में निर्णायक भूमिका निभाई है। पश्चिमी दबावों और सैन्य आपूर्ति की बदलती विश्व-व्यवस्था के बावजूद, यह साझेदारी नए रूप में ढल रही है। राष्ट्रपति पुतिन की इस यात्रा में यह भी पुष्ट किया गया कि भारत अब केवल प्लेटफॉर्म-आधारित रक्षा आयात की ओर नहीं, बल्कि संयुक्त उत्पादन, तकनीकी हस्तांतरण और दीर्घकालीन रक्षा औद्योगिक सहयोग की दिशा में आगे बढ़ना चाहता है। यह परिवर्तन न केवल रणनीतिक रूप से आवश्यक है, बल्कि भारत के 'मेक इन इंडिया' अभियान को वास्तविक मजबूती प्रदान करता है। 21वीं सदी का वैश्विक वातावरण इन संबंधों के पुनर्निर्माण की मांग करता है। भारत और रूस, दोनों के लिए आवश्यक है कि वे परंपरागत क्षेत्रों से आगे बढ़कर साझेदारी के नए आयाम विकसित करें। इसे पांच आधार पर समझा जा सकता है। सबसे पहले, संयुक्त तकनीकी अनुसंधान क्षेत्र। यह वह क्षेत्र है, जो दोनों देशों को भविष्य की रणनीतिक प्रतिस्पर्द्धा में मजबूती दे सकता है। क्वांटम तकनीक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर सुरक्षा और उन्नत हथियार प्रणालियां आज की भू-राजनीति के मूल तत्व हैं। रूस इन क्षेत्रों में वैज्ञानिक दक्षता रखता है, जबकि भारत तेजी से उभरती डिजिटल शक्तियों में अग्रणी है। दोनों देशों की साझा प्रयोगशालाएं व अनुसंधान परियोजनाएं न सिर्फ पारंपरिक रक्षा सहयोग को आधुनिक बनाएंगी, बल्कि भविष्य की साझेदारी सुनिश्चित करेंगी। पांचवां और उभरता हुआ क्षेत्र है आर्कटिक सहयोग। आर्कटिक क्षेत्र भविष्य की ऊर्जा, खनिज संसाधनों और नए नौवहन मार्ग के लिहाज से अहम बनता जा रहा है। रूस इस क्षेत्र का सबसे बड़ा खिलाड़ी है व भारत उभरता हुआ ध्रुवीय अनुसंधान भागीदार। इस क्षेत्र का सहयोग भारत की ऊर्जा सुरक्षा, वैज्ञानिक अनुसंधान व वैश्विक महासागरीय कूटनीति में नई भूमिका तय कर सकता है। राष्ट्रपति पुतिन की इस यात्रा ने दुनिया को संदेश दे दिया है कि भारत-रूस संबंध भू-राजनीतिक परिस्थितियों के दवाब में ढहने वाला नहीं है। यह साझेदारी स्थायी है, क्योंकि यह परस्पर हितों पर आधारित है और परिपक्व है। राष्ट्रीय मीडिया सह-प्रमुख व प्रवक्ता, भाजपा है। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

आज का राशिफल

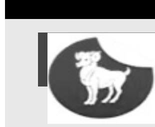

मेष

आज उत्तम राजयोग का निर्माण कर रहा है। इसके कारण आज आपकी राज्य-मान-प्रतिष्ठा की वृद्धि होगी। ऐसे में कुछ आकस्मिक लाभ होने की भी संभावना बनती हुई दिख रही है। सायंकाल से लेकर रात्रि तक शुभ व धार्मिक कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी। सत्कर्म में खर्चा हो सकता है।

वृष

आपको आज राज्य से सम्मान दिलाएगा। तृतीय पराक्रम भाव में कर्क राशि का बृहस्पति ब्राह्मणों के प्रति भक्ति भावना बढ़ाएगा। आप अपने किए कार्यों की प्रशंसा से फूले नहीं समाएंगे। रात्रि के समय किसी सामाजिक समारोह में सम्मिलित होने का चांस है।

मिथुन

आज आपको अपने परिवार में सौहार्द्र बनाकर रखना चाहिए। भाइयों से विवाद उग्र रूप धारण कर सकता है। शत्रु पक्ष के गलत इरादे आपको परेशान करेंगी। आप अपनी कार्यकुशलता से समस्या का समाधान निकालने का प्रयास करें। निजी समस्या अपने कैरियर पर नहीं पढ़ने दें।

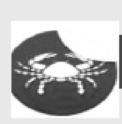

कर्क

आज सर्वत्र विजय विभूति सफलता देने वाला है। आज का दिन मनोरथ सिद्धि कारक है। चार पांच माह पूर्व खोई मूल्यवान वस्तु अकस्मात् मिल जाएगी। सायं से लेकर रात्रि तक सक्रिय राजनीति में व्यस्त रहेंगे। परिवार के साथ कहीं धार्मिक यात्रा के योग भी बन रहे हैं।

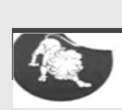

सिंह

आज के दिन आप प्रतिद्वंदियों के लिए सिरदर्द बने रहेंगे। कारोबार में अकस्मात् आशा से अधिक लाभ व प्रगति होगी। इससे खोया हुआ विश्वास दोबारा प्राप्त होगा। संतान पक्ष से भी अपेक्षित समाचार मिलेगा। मीन राशि वाला कोई पारिवारिक व्यक्ति आपके पेट में घुसने का प्रयास करेगा उससे सावधान रहें और अपनी प्रगति का रहस्य उसे न बताएं।

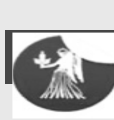

कन्या

आज काफी दिनों से जो असमंजस बना हुआ है, आज उसका अंत होगा और मायूसी भी समाप्त हो जाएगी। जिस वजह से आप के सभी कार्य अभी तक नहीं बन रहे थे आज वह रुकावट हट जाएगी और आपके रचनात्मक कार्यों में गति आएगी। ज्ञान विज्ञान कला और लेखन कार्य में आपकी दक्षता रंग लाएगी। सायंकाल का समय मौज मस्ती में बीतेगा।

तुला

वैसे तो आप इस प्रकार के काम करते रहते हो जो दूसरों के लिए जोखिम भरे होते हैं। लेकिन यह सब आपके परिजनों के लिए आम बात है और आपके कार्य क्षेत्र के रिस्कों से उनका कोई लेना देना भी नहीं है। आप यही सोचकर आगे बढ़े कि किसी संकट में फंस जाते हैं तो क्या कर सकते हैं। सही सोच समझकर पैसा लगाएँ।

वृश्चिक

आज आपका घरेलू और व्यावसायिक वातावरण काफी अस्त-व्यस्त रहेगा। कई प्रकार के विवाद और झंझट आपके सामने आ सकते हैं। सायंकाल तक आप अपना कुछ समय लगाकर अपने कार्य कौशल से अपनी मुसीबत कम कर पाएंगे। रात्रि का समय किसी सामाजिक या राजनीतिक कार्यक्रम में व्यतीत होगा।

धनु

आज के दिन आपकी आर्थिक स्थिति में धीरे-धीरे सुधार होगा। किसी प्रतियोगी परीक्षा में सफलता प्राप्त करने के लिए आपको आज अपनी रणनीति पर काम करना होगा। आपकी वर्तमान कार्यप्रणाली आने वाले भविष्य में लाभदायक परिणाम दे सकती है। रात के समय माता को अकस्मात् कष्ट संभव है।

मकर

आज आपका मूड सुबह से ही अच्छा रहेगा। किसी बड़े लाभ के चक्कर में आपको दिनभर भागदौड़ करने के लिए तैयार रहना होगा। परिस्थितियों के सुधरते ही सभी काम एक-एक कर अपने आप बनने लगेंगे। व्यर्थ की जद्दोजहद तथा तनाव भी समाप्त होने लगेगा।

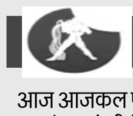

कुंभ

आज आजकल एकदम से बहुत सारे काम आपके आगे पीछे आ सकते हैं। आपके विरोधी भी कुछ ऐसा बंदोबस्त कर रहे हैं कि आप फालतू कामों में उलझे रहे हैं। ऐसे में आपको अपनी पोजिशन स्पष्ट करनी है, तो फिर अपने वरिष्ठ अधिकारी को इसकी जानकारी अवश्य दें। राशि स्वामी शनि मीन राशि का होकर द्वितीय भाव में बहु व्यय कारक है।

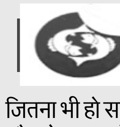

मीन

जितना भी हो सके आज आप अपने परिवार और रोजगार को ही ठीक तरह से संभालने की कोशिश करें। आज व्यवसाय के विस्तार के लिए पर्याप्त अवसर मिलेगा और समय भी अनुकूल रहेगा। बाहर से आपको सहायता भी मिलेगी। आपकी आर्थिक स्थिति भी अच्छी रहेगी।। अगर संतान के विवाह का प्रसंग प्रबल है तो पंडित या पुरोहित से गंभीरता पूर्वक संपर्क करें।

आम निवेशकों के लिए आ रहा है बड़ा मौका? बड़े-बड़े खरीद रहे हैं शेयर

आईपीओ से पहले इन्होंने बेचा अपना शेयर

मुंबई, एजेंसी। निजी क्षेत्र के दूसरे सबसे बड़े बैंक, आईसीआईसीआई बैंक की सब्सिडियरी कंपनी आईसीआई प्रूडेंशियल एसेट मैनेजमेंट कंपनी । यूं तो इसका आईपीओ कल खुल रहा है। लेकिन, इससे पहले 26 बड़े निवेशकों ने इस कंपनी के आईपीओ में हिस्सेदारी खरीदी है। इस आईपीओ का कुल मूल्य लगभग 10,602 करोड़ रुपये है। कल आईपीओ खुलने से पहले, यूके की कंपनी प्रूडेंशियल कॉर्पोरेशन में अपनी 4.5त्न हिस्सेदारी लगभग 4,900 करोड़ रुपये में बेची है।

इस एएमसी का सह-प्रमोटर है, के अलावा अन्य घरेलू और विदेशी निवेशकों ने भी लगभग 2,675 करोड़ रुपये का निवेश किया है। यह निवेश 2,165 रुपये प्रति शेयर के ऊपरी मूल्य पर किया गया है। इसके अलावा प्रेमजी इन्वेस्ट, यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया, 360 वन द्वारा चलाए जा रहे फंड, दिवंगत राकेश झुनझुनवाला की एस्टेट, डीएसपी, एचसीएल कैपिटल जैसे निवेशक भी इस लिस्ट में हैं।

किन्होंने खरीदे हैं शेयर

खुलने से पहले कंपनी में अरबपति झुनझुनवाला परिवार, मधु केला, मनीष चोखानी और प्रशांत जैन जैसे जाने-माने निवेशकों ने पैसा लगाया है। इसके अन्य बड़े निवेशकों में अबू धाबी का बड़ा सॉवरेन फंड लुनेट, एसबीआई लाइफ, एचडीएफसी लाइफ, कोटक लाइफ जैसी घरेलू बीमा कंपनियां शामिल हैं।

आईटी ने रचा इतिहास: 700 मिलियन डॉलर में अमेरिकी कंपनी खरीदी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय आईटी दिग्गज टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज ने अमेरिका स्थित सेल्सफोर्स कंसल्टिंग फर्म कोस्टल क्लाउड का 70 करोड़ डॉलर (लगभग 700 मिलियन डॉलर) के कैश डील में अधिग्रहण करने का निश्चित समझौता किया है। 2012 में स्थापित कोस्टल क्लाउड ग्राहकों को सेल्स, सर्विस, मार्केटिंग, रेवेन्यू और कॉमर्स के क्षेत्र में एआई-संचालित सलाह और व्यापार परामर्श सेवाएं प्रदान करती है। टीसीएस ने कहा है कि वह लिस्टएंगेज और अब कोस्टल क्लाउड के अधिग्रहण के साथ अब वैश्विक स्तर पर टॉप-5 सेल्सफोर्स कंसल्टिंग फर्मों में शामिल हो गया है। पिछले अक्टूबर में टीसीएस ने लिस्टएंगेज के अधिग्रहण से अपनी सेल्सफोर्स पद्धति को मजबूत किया था। कोस्टल क्लाउड को सेल्सफोर्स पार्टनर एडवाइजरी बोर्ड में नामित किया गया है, जो उसे उत्पाद नवाचारों को आकार देने और नए लॉन्च का समर्थन करने वाली सेवाएं विकसित करने में मदद करता है। टीसीएस को अधिग्रहण से क्या फायदा होगा यह फर्म एरिक बेरिज द्वारा संचालित है, जो एक सेल्सफोर्स दिग्गज हैं। इस अधिग्रहण के साथ टीसीएस की टीम में 400 से अधिक अनुभवी पेशेवर और 3,000 से अधिक मल्टी-क्लाउड प्रमाणपत्र जुड़ेंगे, जिससे विभिन्न उद्योगों में उसकी सलाहकार क्षमता मजबूत होगी। कोस्टल क्लाउड के ग्राहक पोर्टफोलियो से टीसीएस को मिड-मार्केट सेगमेंट में पहुंच और दोनों फर्मों के ग्राहक आधार के बीच क्रॉस-सेलिंग के सिनर्जी के अवसर भी मिलेंगे। टीसीएस के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर आरती सुब्रमण्यन ने कहा, ¶यह अधिग्रहण हमारी वैश्विक सेल्सफोर्स क्षमताओं को आगे बढ़ाने और हमारे एआई-नेतृत्व वाले परिवर्तन एजेंडे में तेजी लाने का एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। यह दुनिया की सबसे बड़ी एआई-नेतृत्व वाली प्रौद्योगिकी सेवा कंपनी बनने की टीसीएस की दृष्टि को साकार करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है।¶ हालांकि, यह लेन-देन नियामक निकायों की मंजूरी के अधीन है।

पहले ही दिन 100% चढ़ गया यह शेयर, दोगुना हुआ पैसा, निवेशक हुए मालामाल

नई दिल्ली, एजेंसी। लग्जरी टाइम की शेयर बाजार में जबरदस्त एंट्री हुई है। लग्जरी टाइम लिमिटेड के शेयर गुरुवार को बीएसई में 90 पर्सेंट फायदे के साथ 155.80 रुपये पर लिस्ट हुए हैं। आईपीओ में कंपनी के शेयर का दाम 82 रुपये था। शानदार लिस्टिंग के ठीक बाद लग्जरी टाइम के शेयरों में और तेजी देखने को मिली है। कंपनी के शेयर 5 पर्सेंट और चढ़कर 163.59 रुपये पर पहुंच गए हैं। यानी, 82 रुपये के इश्यू प्राइस के मुकाबले लग्जरी टाइम के शेयर पहले ही दिन करीब 100 पर्सेंट उछल गए हैं। लग्जरी टाइम के शेयरों ने पहले ही दिन निवेशकों का पैसा दोगुना कर दिया है। लग्जरी टाइम का आईपीओ 4 दिसंबर को दांव लगाने के लिए खुला था और यह 8 दिसंबर तक ओपन रहा। लग्जरी टाइम लिमिटेड की शुरुआत साल 2008 में हुई है। कंपनी स्विस लग्जरी वॉचेज के डिस्ट्रीब्यूशन, मार्केटिंग, रिटेलिंग और ऑफ्टर-सेल्स सर्विसिंग का काम करती है। इसके अलावा, कंपनी वॉच सर्विस से जुड़े टूल्स और इक्विपमेंट का डिस्ट्रीब्यूशन भी करती है। कंपनी का हेडक्वॉर्टर नई दिल्ली में है।

अमेरिका में रेट कट के बाद सोने में उछाल, चांदी ऑल-टाइम हाई पर

नई दिल्ली, एजेंसी। सोने और चांदी की कीमत में आज काफी तेजी दिख रही है। यह तेजी अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा लगातार तीसरी बार ब्याज दरों में कटौती के बाद आई है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोने की कीमत में करीब 700 रुपये की तेजी आई है जबकि चांदी की कीमत एक बार फिर ऑल-टाइम हाई पर पहुंच गई है। 5 फरवरी की डिलीवरी वाला सोना पिछले सत्र में 1,29,796 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था जबकि आज 1,30,250 रुपये पर खुला। शुरुआती कारोबार में यह 1,30,590 रुपये तक हाई गया। सुबह 10.30 बजे यह 731 रुपये यानी 0.56 फीसदी की तेजी के साथ 130527 रुपये पर ट्रेड कर रहा था। इस बीच चांदी की कीमत आज फिर नए रेकॉर्ड पर पहुंच गई। इसमे करीब 4,000 रुपये की तेजी आई है। 5 मार्च की डिलीवरी वाली

चांदी पिछले सत्र में 1,88,735 रुपये प्रति किलो के भाव पर बंद हुई थी और आज यह 1,89,908 रुपये पर खुली। शुरुआती कारोबार में यह 1,93,452 रुपये तक उछली। 10.30 बजे यह 3,976 रुपये यानी 2.11 फीसदी तेजी के साथ 1,92,711 रुपये पर ट्रेड कर रही थी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में स्पॉट गोल्ड 0.7त्न बढ़कर 4,236.57 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया। वहीं, अमेरिकी गोल्ड फ्यूचर्स फरवरी डिलीवरी के लिए 0.3त्न गिरकर 4,224.70 डॉलर पर बंद हुए। चांदी ने अपनी शानदार तेजी जारी रखी।

फेडरल रिजर्व ने प्रमुख ब्याज दरों में लगातार तीसरी बार कटौती की; जेरोम पॉवेल बोले- भविष्य में..

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व ने अपनी ब्याज दर में लगातार तीसरी बार 0.25 फीसदी की कटौती की। हालांकि, फेडरल रिजर्व ने संकेत दिया कि आने वाले महीनों में दरों को स्थिर रखा जा सकता है। फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष जेरोम पावेल ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि फेडरल रिजर्व अगले महीनों में और कटौती से बच सकता है और अर्थव्यवस्था की सेहत का आकलन करेगा। तिमाही आर्थिक अनुमान में अधिकारियों ने यह भी संकेत दिया कि अगले साल केवल एक बार ही दरें घटाई जा सकती हैं। बुधवार की कटौती के बाद ब्याज दर लगभग 3.6 फीसदी रह गई, जो पिछले तीन वर्षों में सबसे कम है। फेडरल रिजर्व की कम दरों से समय के साथ मॉर्गेज, ऑटो लोन और क्रडिट कार्ड पर भुगतान होने वाली राशि में कमी आ सकती है। हालांकि बाजार की परिस्थितियां भी इन दरों को प्रभावित कर सकती हैं। पावेल ने कहा, हम आने वाले आंकड़ों का ध्यानपूर्वक आकलन करेंगे और जो प्रमुख दर है वह उस स्तर के करीब है जो न तो अर्थव्यवस्था को रोकता है और न ही उसे बढ़ावा देता है। फेडरल रिजर्व के तीन अधिकारियों ने इस कदम का विरोध किया। यह पिछले छह वर्षों में सबसे जोरदार विरोध था। यह दिखाता है कि समिति में गहरी मतभेद हैं। दो अधिकारियों ने दरों को यथावत रखने का समर्थन किया, जबकि स्टीफन मिरान ने आधा प्रतिशत कटौती का समर्थन किया, उन्हें सितंबर में ट्रंप ने नियुक्त किया था। इससे पहले मंगलवार को अमेरिकी शेयर बाजार लगभग स्थिर रहा, क्योंकि वॉल स्ट्रीट बुधवार को फेडरल रिजर्व के ब्याज दरों पर फैसले का इंतजार कर रहा था। उस दिन एस एंड पी 500 मामूली 0.1 फीसदी गिरा और अक्तूबर में बने अपने रिकॉर्ड स्तर के करीब बना रहा। डॉव जोन्स 179 अंक (0.4 फीसदी) गिरा, जबकि नैस्डैक 0.1 फीसदी बढ़ा। मंगलवार को जेपी मॉर्गन चेस बाजार में सबसे अधिक दबाव डालने वाला शेयर रहा। बैंक की वरिष्ठ अधिकारी मैरिएन लेक ने कहा कि अगले साल बैंक का खर्च 105 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है।

स्टेट बैंक, टाटा स्टील, सिप्ला और एलआईसी समेत 10 शेयर फोकस में

लाइफ इंश्योरेंस कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा स्टील, अडाणी एंटरप्राइजेज से लेकर सिप्ला तक के में कई अपडेट्स है। सिप्ला जहां, मोटापे और टाइप-2 डायाबिटिज के नए इलाज को लॉन्च करने करने के कारण चर्चा में है। वहीं, अडाणी एंटरप्राइजेज के 25,000 करोड़ रुपये के राइट्स इश्यू पर निवेशकों की नजर है। इन कंपनियों समेत 10 शेयरों पर बाजार की नजर रहेगी।

कंपनी के बोर्ड ने नीलाचल इस्पात निगम (एनआईएनएल) में 4.8 एमटीपीए क्षमता विस्तार को हरी झंडी दे दी है। यह कंपनी के व्यापक विस्तार योजना के पहले चरण का हिस्सा है और टाटा स्टील के लॉन्ग-प्रोडक्ट्स पोर्टफोलियो को मजबूत करेगा।

अडाणी एंटरप्राइजेज के 25,000 करोड़ रुपये के राइट्स इश्यू की बुधवार को समाप्ति पर मजबूत मांग रही और इसने 108त्न सब्सक्रिप्शन हासिल किया। कंपनी को उपलब्ध 13.85 करोड़ शेयरों के मुकाबले 14.95 करोड़ शेयरों के लिए बोलियां मिलीं, जो भारत के सबसे बड़े राइट्स इश्यू में प्रमोटरों और सार्वजनिक निवेशकों दोनों की मजबूत भागीदारी को दर्शाता है।

मुंबई के उप आयुक्त, राज्य कर ने कंपनी को वित्तीय वर्ष 2021-22 से 2023-24 के लिए जीएसटी देयता, ब्याज और जुर्माना मिलाकर 2,370.34 करोड़ रुपये का नोटिस जारी किया है। वित्तीय प्रभाव मांगी गई इस कुल राशि को दर्शाता है।

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई)

भारतीय रिजर्व बैंक(आरबीआई) ने एसबीआई को उसके डिजिटल पेमेंट्स इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म के लिए कंपनी अधिनियम के तहत धारा 8 कंपनी स्थापित करने की मंजूरी दे दी है। यह मंजूरी वित्तीय सेवा विभाग द्वारा एसबीआई को दी गई छूट पर निर्भर है।

सिप्ला: सिप्ला ने मोटापे और टाइप-2 डायाबिटिज के नए इलाज को लॉन्च करने की घोषणा की है। कंपनी ने यूरपीक (टिरजेपेटाइड) नामक एक साप्ताहिक इंजेक्शन थेरेपी भारत में शुरू की है, जो इन दोनों प्रमुख स्वास्थ्य चिंताओं को संबोधित करेगी।

नेस्ले इंडिया: कंपनी ने घोषणा की कि स्वेतलाना बोल्डिना 31 जनवरी, 2026 से प्रभावी सीएफओ पद से इस्तीफा दे देंगी, जबकि जगदीप सिंह मराहर को 1 जून, 2026 से प्रभावी पूर्णकालिक निदेशक नामित किया गया है।

मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स: ब्राजीलियाई नौसेना और भारतीय नौसेना ने मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स के साथ एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं।

वारी एनर्जीज: वारी एनर्जीज ने घोषणा की कि उसने एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर हासिल कर लिया है और भारत में सौर पैनल निर्माता के तौर पर महीने में 1 गीगावॉट सोलर मॉड्यूल उत्पादन पार करने वाली पहली कंपनी बन गई है।

वेदांता : वेदांता ने बुधवार को घोषणा की कि वह राजस्थान में अपने सभी बिजनेस सेगमेंट में उत्पादन दोगुना करने के लिए 1 लाख करोड़ रुपये के निवेश की योजना बना रहा है।

टेक कंपनियों का गढ़ बना भारत, छह लाख करोड़ रुपये से ज्यादा के निवेश की योजना

आउटसोर्सिंग से बढ़ा आगे

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत दुनिया की बड़ी टेक्नोलॉजी कंपनियों को लालायित कर रहा है। तीन प्रमुख टेक कंपनियों ने कुछ वर्षों में भारत में छह लाख करोड़ रुपये (67 अरब डॉलर) के निवेश की योजना बनाई हैं। गूगल ने पहले 15 अरब डॉलर की घोषणा की थी। माइक्रोसॉफ्ट ने 17.5 अरब डॉलर और अब अमेजन ने सबसे अधिक 35 अरब डॉलर के निवेश की घोषणा कर इस खेल को और आकर्षक बना दिया है। दिग्गज टेक कंपनियों का भारत में अचानक निवेश कोई जल्दबाजी का मामला नहीं है।

अमेजन- अब तक 75 अरब डॉलर के निवेश की घोषणा

अमेजन डॉट कॉम इंक ने पांच वर्षों में 35 अरब डॉलर का निवेश करने का वादा किया है (यह पहले के 40 अरब डॉलर के अतिरिक्त है)। वह क्विक कॉमर्स से लेकर क्लाउड कंप्यूटिंग तक के क्षेत्रों में विस्तार करेगी। ई-कॉमर्स दिग्गज ने कहा, वह एआई और लॉजिस्टिक्स बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्रों में निवेश करेगी। 2030 तक किया जाने वाला निवेश भारत में 38 लाख अतिरिक्त रोजगार सृजित करेगा।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, उत्तर रेलवे अंबाला कैंट, भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए निर्धारित प्रपत्र पर खुली निविदाएं आमंत्रित करते हैं।

टेंडर संख्या	एलपी–सर्ज–02–यूएमबी–25 एलपी–कॉन्स–02–यूएमबी–25
कार्य का नाम	मंडल रेलवे अस्पताल अम्बाला छावनी में सर्जिकल आइटम और उपभोज्य आइटम की दैनिक स्थानीय खरीद के लिए रिटेल सप्लायर्स का दो वर्ष के लिए दर अनुबंध में प्रवेश करने के लिए आवेदन।
धरोहर राशि	रु.57,100/– सर्जिकल आइटम के लिए रु.15,300/– उपभोज्य आइटम के लिए IREPS Portal. पर उपलब्ध ऑनलाइन भुगतान के माध्यम से
कार्य अवधि	दो साल
टेंडर डालने व खोलने का अंतिम तिथि व समय	टेंडर डालने का समय दिनांक 24.12.2025 को 15.00 बजे तक है तथा टेंडर दिनांक 24.12.2025 को 15.10 बजे मुख्य चिकित्सा अधीक्षक उत्तर रेलवे अम्बाला छावनी के कार्यालय में खोला जायेगा।
उत्तर रेलवे की वेबसाइट	https://ireps.gov.in निविदाकार दिनांक 10.12.2025 से अपने स्वयं के जोखिम पर बोली शुरू कर सकते है।

न. एलपी–मेड–02–यूएमबी–2025 दिनांक : 10.12.2025 3828/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

गंवार कहने वालों को दिया जवाब...?

1 लाख से शुरू कर खड़ा किया ?2.5 करोड़ का कारोबार

नई दिल्ली, एजेंसी। आमतौर पर युवा शहरों की चमक-दमक छोड़कर गांव लौटना पसंद नहीं करते। लेकिन, बिहार के पूर्णिया जिले के 24 वर्षीय प्रिंस शुक्ला ने इस धारणा को बदल दिया। बेंगलुरु की अच्छी-खासी नौकरी छोड़कर प्रिंस ने अपने गांव में कृषि-स्टार्टअप एग्रेट की शुरुआत की। शुरू में लोगों ने उनका मजाक उड़ाया। उन्हें गंवार तक कह डाला। हालांकि, प्रिंस ने विपरीत परिस्थितियों में हार नहीं मानी। खेती को एक स्मार्ट करियर के रूप में देखा। उनकी मेहनत रंग लाई। न केवल वह लाखों किसानों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाए हैं, बल्कि उनका स्टार्टअप सालाना 2.5 करोड़ रुपये का शानदार टर्नओवर भी कर रहा है। इसकी शुरुआत उन्होंने सिर्फ 1 लाख रुपये से की थी। उन्होंने साबित किया है कि खेती भी एक आकर्षक और सफल व्यवसाय बन सकती है। आइए, यहां प्रिंस शुक्ला की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

नौकरी छोड़कर गांव में वापसी: प्रिंस शुक्ला का जन्म बिहार के पूर्णिया जिले के एक छोटे से गांव में हुआ था। उन्होंने बचपन से ही किसानों की मुश्किलें देखी थीं। बीएससी एग्रीकल्चर पूरा करने के बाद वह बेंगलुरु में एक अच्छी नौकरी कर रहे थे। लेकिन, गांव के किसानों के घाटे में रहने का विचार उन्हें परेशान करता रहा। विदेश में मास्टर्स की पढ़ाई का उनका प्लान था, जो कोरोना लॉकडाउन के कारण बदल गया। उन्हें वापस घर लौटना पड़ा। गांव आकर उन्होंने देखा कि किसानों को महंगे और नकली बीज, खाद और पुराने उपकरण जैसी गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इसी दौरान, प्रिंस ने खेती को एक नया और आधुनिक रूप देने का फैसला किया। विदेश जाने का सपना छोड़कर किसानी को ही अपना करियर चुना।

बहुत छोटी थी शुरुआत

प्रिंस ने अपने एग्री-स्टार्टअप को एग्रेट नाम दिया। उन्होंने कंपनी की शुरुआत केवल 1 लाख रुपये से एक छोटे से कमरे में की। शुरुआत में उनका काम किसानों को अच्छी क्वालिटी के बीज, जैविक खाद और आधुनिक टूल्स सप्लाई करना था। प्रिंस जानते थे कि केवल सप्लाई से समस्या हल नहीं होगी। इसलिए, उन्होंने छोटे किसानों को आधुनिक खेती की ट्रेनिंग देना शुरू किया। उन्होंने गांव-गांव घूमकर 10 हजार से अधिक किसानों को जोड़ा और टेक्नोलॉजी पानी बचाने की तकनीक और जैविक खेती सिखाई।

खूब उड़ाया गया मजाक

प्रिंस की इस पहल का शुरू में मजाक उड़ाया गया। रिश्तेदारों और स्थानीय लोगों ने उन्हें गंवार तक कहा क्योंकि उन्होंने बेंगलुरु की अच्छी नौकरी छोड़कर खेती को चुना था। लेकिन, प्रिंस ने इन बातों पर ध्यान नहीं दिया। अपना काम जारी रखा। किसानों को ट्रेनिंग देने का नतीजा यह हुआ कि कई किसानों ने खुद बताया कि प्रिंस के सिखाए तरीकों से उनकी फसल दोगुनी हो गई है और घाटा कम हुआ है। धीरे-धीरे एग्रेट ने न केवल सप्लाई चेन को मजबूत किया, बल्कि किसानों को उनकी उपज के लिए बेहतर मार्केट लिंक भी प्रदान किए।

HIMACHAL PRADESH
PUBLIC WORKS DEPARTMENT

E-Procurement Notice
INVITATION FOR BIDS (IFB)

The Executive Engineer, B&R Division, HPPWD, Solan. Distt. Solan (H.P.) on behalf of Governor of H.P. invites the percentage rate bids, in electronic tendering system, from the eligible class of contractors registered with HPPWD for the work as detailed in the table.

Sr. No	Name of work	Estimated cost (Rs.)	Earnest Money	Time	Starting Date for downloading Bid.	Deadline for submission of Bid.
1	Restoration of rain damages on Waknaghat Subathu Road Km.0/00 to 17/900 under PDNA (SH: - Construction of PCC Retaining wall at Rd.7/220 to 7/235, 12/235 to 12/250 and 14/735 to 14/750)	14,76,417/-	30,000/-	Two Months	12.12.2025 at 4:00 PM	18.12.2025 at 11:00 AM
2	Construction of ambulance road from Kufri Chail Kandaghat main road to village Bhadech Km.0/00 to 0/700 under MMGSY (SH:- Construction of Retaining wall at various Rd's in between 0/350 to 0/700)	1089942/-	22000/-	Two Months	12.12.2025 at 4:00 PM	18.12.2025 at 11:00 AM
3	Construction of ambulance road from Kufri Chail Kandaghat main road to village Bhadech Km.0/00 to 0/700 under MMGSY (SH:- Construction of Retaining wall at various Rd's, HPC 900 mm dia at various Rd's and embankment from Rd.0/340 to 0/385)	1184543/-	23000/-	Two Months	12.12.2025 at 4:00 PM	18.12.2025 at 11:00 AM
4	Restoration of rain damages on Shiv Mandir to Daunsi road Km.0/00 to 2/00 under PDNA (SH:- Repair of 900mm Hume Pipe culvert along with wing wall at Rd.0/410 and 0/870)	7,14,954/-	16,500/-	Two Months	12.12.2025 at 4:00 PM	18.12.2025 at 11:00 AM
5	Restoration of Rain damages on Annu Dharon ki Dhar road 0/00 to 4/625 under PDNA (SH:- Construction of PCC Breast wall at Rd.1/930 to 1/960, 1/350 to 1/370, 2/650 to 2/668 and 2/730 to 2/740)	12,72,642/-	26,000/-	Two Months	12.12.2025 at 4:00 PM	18.12.2025 at 11:00 AM
6	Restoration of Rain damages on Chailla Neripul Yashwantnagar Oachghat Kumarhatti road Km.62/00 to 75/375 under PDNA (SH:- Construction of Breast wall at Rd.69/800 to 69/830 and 69/960 to 69/980)	8,72,882/-	17,500/-	Two Months	12.12.2025 at 4:00 PM	18.12.2025 at 11:00 AM
7	Restoration of rain damages on Solan Meenus Road Km.0/00 to 2/00 under PDNA (SH:- Construction of PCC Retaining wall at Rd.1/725 to 1/747)	12,99,126/-	26,000/-	Two Months	12.12.2025 at 4:00 PM	18.12.2025 at 11:00 AM
8	Restoration of rain damages on Phashkana Jakhed road Knm.0/00 to 9/00 under PDNA (SH:- Construction of PCC Retaining Wall at Rd.5/380 to 5/395 and 5/760 to 5/780)	12,45,829/-	25,000/-	Two Months	12.12.2025 at 4:00 PM	18.12.2025 at 11:00 AM
9	Restoration of rain damages on Kufri Chail Kandaghat road Km.25/00 to 57/00 under PDNA (SH; - Restoration of Hume pipe culvert at Rd.29/110, 38/090, 42/870, 50/880, 51/855 and 53/475)	10,51,367/-	21,000/-	Two Months	12.12.2025 at 4:00 PM	18.12.2025 at 11:00 AM

The bidders are advised to note other details of tenders from the department website www.hptenders.gov.in

Executive Engineer,
B&R Division, HPPWD, Solan,
(On Behalf of Governor of Himachal Pradesh)

R.No. 5006/2025-2026

पेट के एसिड को कंट्रोल में रखते हैं ये आयुर्वेदिक इलाज

एसिडिटी होना आम समस्या है मगर बार-बार होने की वजह से इंसान परेशान हो जाता है। इससे परमानेंट छुटकारा पाने के लिए खाने में 6 चीजों को शामिल करना चाहिए। यह पेट के एसिड को कंट्रोल में रखती हैं।

सिर में एसिडिटी चढ़ने की समस्या

खाना पचाने के लिए पेट एसिड बनाता है। जब यह एसिड पेट से निकलकर खाने की नली में वापिस चढ़ता है तो उसे गैस्ट्रोइसोफेगियल रिफ्लक्स डिजीज कहते हैं। इसकी वजह से हाइपर एसिडिटी होती है और बार-बार एसिड सीने में चढ़ता है। सीने में जलन इसका सबसे आम लक्षण है। गट से दिमाग का रास्ता भी जाता है जिसकी वजह से एसिडिटी दिमाग पर चढ़ने लगती है और भयानक सिरदर्द होता है।

केला

केले को नेचुरल एंटासिड कहते हैं। इससे पेट का एसिड कम किया जा सकता है। जॉन हॉप्किन्स के मुताबिक इसकी तासीर अल्कलाइन होती है। इसमें मौजूद फाइबर और पोटैशियम पेट की गैस को कम करते हैं और पाचन को सुधारते हैं।

दही

दही में हेल्दी प्रोबायोटिक्स होते हैं। यह पेट और आंतों को हेल्दी बनाते हैं जिससे पाचन तंत्र स्वस्थ बनता हैं। यह फूड एसिडिटी को कंट्रोल करते हैं। दही पेट की जलन को कम करने में भी मददगार है।

ओटमील

ओटमील में फाइबर की मात्रा अधिक होती है। हाइपर एसिडिटी कम करके डायजेशन बढ़ाने के लिए यह आवश्यक है। यह पेट को लंबे समय तक भरा रखता है और एसिड रिफ्लक्स को रोकता है।

अदरक

अदरक भी एक नेचुरल एंटासिड है। इसमें इसमें एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं। यह पेट के एसिड और सूजन को कम करने में सहायक है। इसका सेवन पूरे शरीर को फायदा पहुंचाता है।

तरबूज

तरबूज में पानी की मात्रा काफी होती है और यह पेट को ठंडक पहुंचाता है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट होते हैं जो स्टमक एसिड को कंट्रोल करने में मदद करके डायजेशन भी सुधारते हैं।

सौंफ

खाना पचाने के लिए सौंफ बहुत कारगर है। सौंफ में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं जो एसिडिटी को कम करते हैं। इसे खाने के बाद चबाने से गैस की समस्या भी कम होती है।

कॉन्टैक्ट लेंस लगाने वाले इन बातों का रखें ख्याल

आंख भगवान का दिया एक खूबसूरत तोहफा है जिससे हम दुनिया देख सकते हैं, लेकिन आजकल आकर्षक दिखने के लिए लोग कलरफुल लेंस लगा रहे हैं। वहीं यह चश्मा का भी बेहतरीन विकल्प बन गया है। हालांकि कॉन्टैक्ट लेंस लगाना आपके लिए परेशानी की वजह भी बन सकता है। हाल ही में टीवी एक्ट्रेस जैस्मिन भसीन की आंखें कॉन्टैक्ट लेंस पहनने से खराब हो गई। कॉन्टैक्ट लेंस को ठीक से इस्तेमाल न करने से उनकी आंखों की कॉर्निया को क्षति पहुंची है,उन्हें दिखना बंद हो गया, और शदीद दर्द का सामना करना पड़ा। आइए एक्सपर्ट से जानते हैं की कैसे कॉन्टैक्ट लेंस आंखों को नुकसान पहुंचा सकता है।

कॉन्टैक्ट लेंस से आंखों को कैसे नुकसान होता है

एक्सपर्ट के मुताबिक आपके कॉर्निया को ऑक्सीजन की जरूरत होती है, ऐसे में अगर आप लंबे वक्त तक लेंस पहनते हैं तो इससे ऑक्सीजन की सप्लाई में रुकावट आ जाती है,और कॉर्नियल डैमेज की संभावना बढ़ जाती है। लेंस की स्वच्छता बनाए रखने में विफलता से कॉर्नियल क्षति हो सकती है। सूखी आंखें होने से कॉर्निया में जलन भी हो सकती है और कॉर्निया की सतह खरोंच सकती है, जिससे व्यक्ति को संक्रमण होने का खतरा हो सकता है। इसके अलावा, खराब फिटिंग वाले लेंस कॉर्निया को भी नुकसान पहुंचा सकते हैं,जिससे खरोंच और संक्रमण हो सकता है जो दृष्टि को प्रभावित करता है। कॉन्टैक्ट लेंस पहनने वाले क्या करें और क्या न करें -

क्या करें

- कॉन्टैक्ट लेंस स्टोरेज केस को हर तीन महीने में बदलें ।
- कॉन्टैक्ट लेंस को छूने से पहले अपने हाथों को अच्छी तरह धो लें।
- लेंस लगाने से पहले इसे सॉल्यूशन से अच्छी तरह से साफ करें।
- अगर लेंस गिर जाए तो उसे दोबारा लगाने से पहले साफ करें ।
- मेकअप करने से पहले लेंस पहनें।
- लेंस लगाने के बाद बार-बार आंखों को ना छुएं।
- 7 से 8 घंटे ही लेंस का इस्तेमाल करें

क्या न करें

- कॉन्टैक्ट लेंस को कभी भी टैप वाटर से न धोएं।
- अपना कॉन्टैक्ट लेंस शेयर न करें।
- कॉन्टैक्ट लेंस पहन कर कभी न सोएं।
- कॉन्टैक्ट लेंस पहन कर स्विमिंग न करें।
- अगर आपका लेंस सिर्फ 24 घंटे वाला है तो इसे दोबारा इस्तेमाल न करें।
- एक्सपायर्ड लेंस न लगाएं।
- बिना डॉक्टर की सलाह के खुद से लेंस न लें।
- रोजाना लेंस लगाने से बचें।

अगर आपको ज्यादा काटते हैं मच्छर तो हो सकते हैं ये साइंटिफिक कारण

कुछ लोग कहते हैं कि जिनका खून मीठा होता है, मच्छर उन्हें ज्यादा काटते हैं। कुछ कहते हैं जिन लोगों में से पसीने की बदबू आती है मच्छर उन्हें काटते हैं, लेकिन सच क्या है। आपको शायद पता न हो लेकिन इसके पीछे भी एक साइंटिफिक कारण होता है। इसमें एक बड़ा रोल आपके ब्लड टाइप का होता है। इसके अलावा आपके कपड़ों का रंग और बैक्टीरिया पर भी निर्भर करता है।

आप और आपका कोई दोस्त साथ में बैठे हैं और मच्छर बार-बार आपको ही काटे तो कितनी इरिटेशन होती है। आप गुस्से में कई बार कहते भी हैं अरे यार! ये मच्छर मुझे ही क्यों काट रहे हैं मगर क्या आपने कभी यह वाकई जानने की कोशिश की है। कुछ लोग कहते हैं कि जिनका खून मीठा होता है, मच्छर उन्हें ज्यादा काटते हैं। कुछ कहते हैं जिन लोगों में से पसीने की बदबू आती है मच्छर उन्हें काटते हैं, लेकिन सच क्या है
आपको शायद पता न हो लेकिन इसके पीछे भी एक साइंटिफिक कारण होता है। कई अध्ययनों में पाया गया है कि लगभग 20% लोग मच्छरों के प्रति इरेजिस्टिबल होते हैं। इसमें एक बड़ा रोल आपके ब्लड टाइप का होता है। इसके अलावा आपके कपड़ों का रंग और बैक्टीरिया पर भी निर्भर करता है। चलिए इस आर्टिकल में आपको वो कारण बताएं, जिनकी वजह से हो सकता है कि मच्छर आपको ज्यादा काट सकते हैं।

आपकी त्वचा में होने वाले बैक्टीरिया बनते हैं वजह

आपकी त्वचा में स्वाभाविक रूप से रहने वाले बैक्टीरिया आपके पसीने के कंपोनेंट्स को आपकी स्किन पर रिलीज करते हैं। इन कंपोनेंट्स में ऐसे बाय प्रोडक्ट होते हैं जो मच्छरों को आकर्षित करते हैं। ऐसा कहा जा सकता है कि इसमें आपके पसीने से उत्पन्न होने वाली बदबू महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। चूंकि हम सभी की त्वचा पर अलग-अलग प्रकार और बैक्टीरिया के मिश्रण होते हैं, इसलिए हमारे शरीर की गंध अलग-अलग होती है। हालांकि, एक अध्ययन से पता चला है कि आपकी त्वचा माइक्रोबायोटा के भीतर बैक्टीरिया की विविधता कम होने से आप मच्छरों के लिए अधिक आकर्षक हो सकते हैं, एक उच्च जीवाणु विविधता कम आकर्षक होती है।

ब्लड टाइप होता है बड़ा कारण

वयस्क मच्छर पोषण के लिए नेक्टर पर जीवित रहते हैं, लेकिन मादाएं अंडे के उत्पादन के लिए मानव रक्त में प्रोटीन पर निर्भर करती हैं। दिलचस्प बात यह है कि मच्छरों को कुछ रक्त प्रकार दूसरों की तुलना में अधिक पसंद आते हैं। एक शोध में पाया गया है कि अलग-अलग प्रजातियों में अलग-अलग प्रकार के रक्त के लिए प्राथमिकताएं होती हैं। उदाहरण के लिए, एडीज एल्बोपिक्टस मच्छर ह ब्लड ग्रुप के पक्ष में होते हैं, जबकि एनोफिलीज गाम्बिया टाइप AB ज्यादा पसंद करते हैं। इसके अलावा, लगभग 80% लोग एक स्राव उत्पन्न करते हैं जो संकेत देता है कि उनका क्या ब्लड ग्रुप है। ब्लड ग्रुप के अन्य प्रकार के बावजूद, मच्छर इन ब्लड ग्रुप के लोगों को दूसरों की तुलना में अधिक पसंद करते हैं।

कहां काटते हैं ज्यादा मच्छर

वैसे तो मच्छर शरीर के किसी भी हिस्से में काटते हैं। मच्छर खून के जरिए भोजन करने के लिए किसी भी त्वचा पर बैठते हैं, जहां उनकी पहुंच होती है। एक अध्ययन में पाया गया कि मच्छरों की दो प्रजातियां सिर और पैरों के आसपास काटना पसंद करती हैं। शोधकर्ताओं का मानना था कि इन क्षेत्रों में त्वचा के तापमान और पसीने की ग्रंथियों की संख्या ने इस वरीयता में भूमिका निभाई है। वहीं सांस की स्मेल और पैरों की गंध से भी मच्छर आपकी तरफ आकर्षित होते हैं।

मच्छरों के काटने से क्यों होती है इतनी खुजली

जब कोई मच्छर आपको काटता है, तो वह अपने मुंह के हिस्सों की नोक को आपकी त्वचा में डालता है और अपनी लार की थोड़ी मात्रा को आपके रक्त प्रवाह में इंजेक्ट करता है। यह आपके खून को बहने में मदद करता है क्योंकि मच्छर खिलाता है। आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली मच्छर की लार में रसायनों के प्रति प्रतिक्रिया करती है, जिससे एक प्रतिक्रिया होती है जिसमें त्वचा में रेडनेस, सूजन और खुजली शामिल हो सकती है।

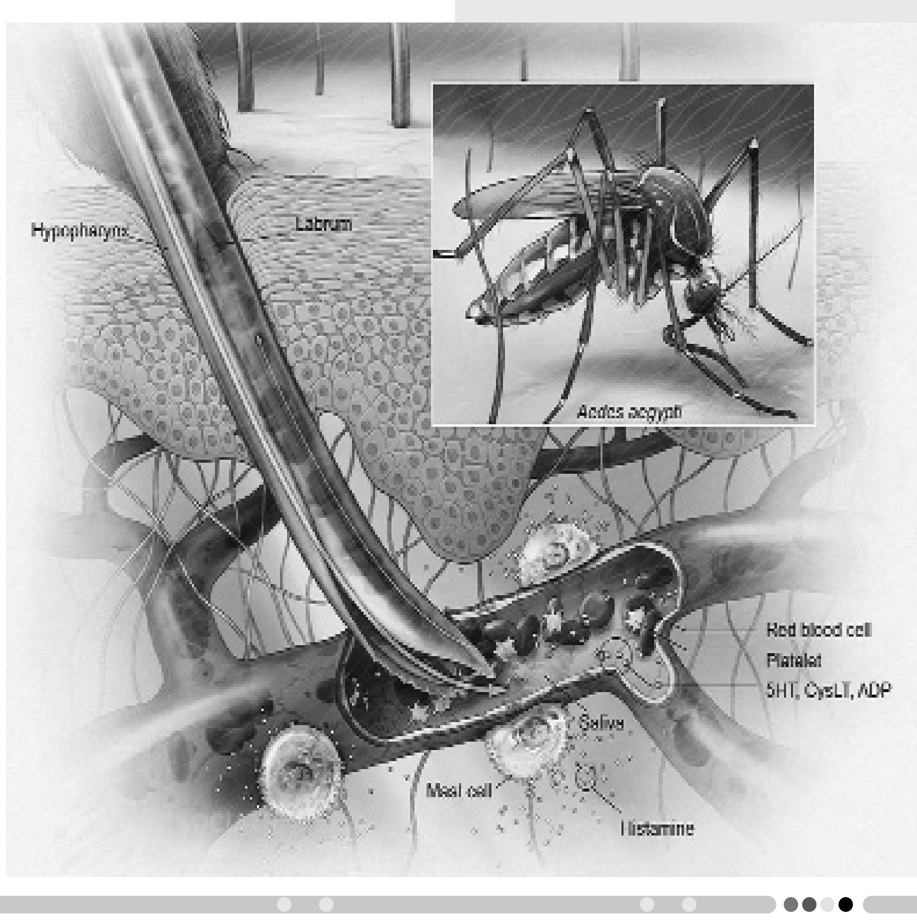

इन होम रेमिडीज से मिलेगी मच्छर के काटने पर खुजली से फौरन राहत

आपने शायद नोटिस किया होगा कि मच्छर के काटने के बाद स्किन का वह हिस्सा लाल निशान हो जाता है जिसमें बहुत खुजली होती है। कभी-कभी तो खुजली इतनी ज्यादा होती है कि खुजाते-खुजाते स्किन कट जाती है और उसमें से ब्लड आने लगता है। अगर आपको भी मच्छरों के काटने के बाद इतनी भयंकर खुजली होती है तो परेशान ना हो क्योंकि हम आपके लिए कुछ आसान और असरदार घरेलू नुस्खे लेकर आये हैं जिनकी हेल्प से आप मच्छर के काटने से होने वाली जलन से राहत पा सकती हैं।

बर्फ दिलाये आराम

बर्फ से मच्छर के काटे स्थान पर किसी प्रकार की सूजन और खुजली नहीं होती। इसलिए मच्छर के काटे गए स्थान पर तुरंत फ्रिज से बर्फ निकालें और उस स्थान पर रगड़ें। अगर बॉडी पर मच्छरों के काटने के निशान बहुत ज्यादा हों तो ठंडे पानी से नहाएं।

डंक के लिए नमक

अगर आप जलन व खुजली से तुरंत आराम चाहती हैं तो काटे गए स्थान को पानी से भिगो लें और उस पर हल्के हाथ से नमक रगड़ें। इससे आपको जल्द ही राहत मिलेगी। साथ ही लाल निशान की समस्या से भी छुटकारा मिलेगा। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि नमक वाले पानी से कीड़ों के डंक या जहर का असर खत्म हो जाता है जिससे काफी राहत मिलती है।

नीम का तेल

नीम के तेल में औषधीय गुण होते हैं। जी हां नीम में मौजूद एंटी-बैक्टीरियल गुण किसी भी प्रकार के इंफेक्शन को फैलने से रोकता है। अमेरिका की नेशनल रिसर्च काउंसिल द्वारा किए गए शोध में भी यह बात सामने आ चुकी है कि नीम का तेल किसी भी रिपेलेंट से अधिक प्रभावी है। इतना ही नहीं, इसका पौधा लगाने से भी मच्छर घर में कम आते हैं।

नींबू का रस

हम जानते हैं कि नींबू में एंटीबैक्टीरियल और एंटीमाइक्रोबियल गुण पाये जाते हैं। प्रभावित जगह पर नींबू का ताजा रस लगाने से खुजली कम होती है और इंफेक्शन भी नहीं होता है। नींबू का रस लगाने के बाद कुछ देर तक बाहर नहीं जाना चाहिए, क्योंकि सूरज की रोशनी के कारण फुंसियां हो सकती है।

एल्कोहल

मच्छर के काटने पर होने वाले लाल निशान पर एल्कोहल का प्रयोग करना फायदेमंद होता है। मच्छर काटने वाली जगह पर कॉटन से थोड़ा सा एल्कोहल लगा कर रगड़े या एल्कहोल वाइप से काटे गए स्थान को अच्छी तरह साफ करें। इससे खुजली से काफी राहत पहुंचेगी। अगर एल्कोहल नहीं है तो साधारण साबुन और पानी से उस हिस्से को साफ कर लें।

सेब का सिरका

नहाने के दौरान पानी में सेब का सिरका मिला लें। यह ना सिर्फ लाल निशान को जल्द गायब करता है, बल्कि इसमें पाए जाने वाले मॉलिक एसिड से खुजली व जलन में भी आराम मिलता है। अगर आप नहा नहीं सकती है तो कॉटन की मदद से सेब का सिरका प्रभावित जगह पर सीधे भी लगा सकती हैं।

बेकिंग सोडा और पानी

बेकिंग सोडा में थोड़ा सा पानी मिलाकर एक पेस्ट बनाएं और प्रभावित क्षेत्र स्थान पर 15 मिनट तक लगाएं। बेकिंग सोडा में एक एल्कलाइन तत्व पाये जाते है, जो त्वचा के पीएच को निष्प्रभावित करने में मदद करते है।

एलोवेरा जैल

ताजा ऐलोवेरा जैल को प्रभावित स्थान पर लगाएं। यह जेल ठंडक प्रदान करता है जिससे जलन व खुजलाहट से आराम मिलता है। अगर काटने के स्थान से खुजाने के बाद ब्लड निकल रहा हो तो यह उसे भी ठीक कर देता है। ऐसा इसलिए क्योंकि एलोवेरा जैल में त्वचा से संबंधित रोगों को दूर करने तथा इंफेक्शन जैसे तत्वों से लड़ने के गुण पाए जाते हैं।

बीएफआई को एलीट नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप करनी पड़ी रीशेड्यूल

जानिए क्या थी वजह?

नई दिल्ली, एजेंसी। 9वीं एलीट पुरुष और महिला नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप को उत्तर भारत में प्रदूषण के नियमों की वजह से रीशेड्यूल करना पड़ा है। पहले ये चैंपियनशिप 31 दिसंबर 2025 से 6 जनवरी 2026 के बीच ग्रेटर नोएडा स्थित गौतम बुद्ध यूनिवर्सिटी में होनी थी, लेकिन अब इसे अगले साल 4–10 जनवरी के बीच आयोजित किया जाएगा। बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (बीएफआई) ने एक प्रेस रिलीज जारी करते हुए बताया कि सरकार की ओर से अनिवार्य किए गए और 31 दिसंबर 2025 तक लागू प्रदूषण नियंत्रण उपायों को देखते हुए चैंपियनशिप अब 4–10 जनवरी 2026 के बीच उसी

वेन्यू पर होगी। चैंपियनशिप को लेकर शेष सभी इंतजाम वैसे ही रहेंगे। इसे लेकर सभी ताजा अपडेट शेयर किए जाएंगे। ऐसा पहली बार हो रहा है जब बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया पुरुष और महिला नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप को एक साथ होस्ट करने जा रहा है। इस चैंपियनशिप में भारत के टॉप सीनियर मुक्केबाज एक ही छत के नीचे आएंगे। इसमें 10–10 भार वर्ग में मुकाबले खेले जाएंगे। इस चैंपियनशिप में सर्विसेज डिफेंडिंग मेंस नेशनल चैंपियंस के तौर पर एंट्री करेगी, जबकि रेलवे की विमेंस टीम चैंपियनशिप का टाइटल बरकरार रखना चाहेगी। बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (बीएफआई) ने प्रेस रिलीज में कहा, 'देशभर की यूनिट्स पुरुषों और महिलाओं के लिए 10–10 वेट कैटेगरी में मुकाबला करेंगी, जो वर्ल्ड बॉक्सिंग टेक्निकल और कॉम्पिटिशन रूल्स का पूरी तरह से पालन करेगी। प्रत्येक यूनिट को हर कैटेगरी में एक बॉक्सर उतारने की इजाजत है। इसमें किसी रिजर्व की अनुमति नहीं है। योग्य मुक्केबाज का जन्म 1 जनवरी 1985 और 31 दिसंबर 2006 के बीच होना अनिवार्य है।'

खिलाड़ियों की भूमिका से ज्यादा छेड़छाड़ करने पर बोले डिविलियर्स

गंभीर से कुछ हद तक सहमत हूं

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान एबी डिविलियर्स ने कहा कि वह भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर के इस विचार से 'कुछ हद तक' सहमत हैं कि वनडे बल्लेबाजी क्रम को जरूरत से ज्यादा महत्व दिया जाता है लेकिन उन्होंने टीम में लचीलापन और खिलाड़ियों की मुख्य भूमिका के बीच संतुलन बनाने की जरूरत पर जोर दिया। भारत की दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे श्रृंखला में 2–1 से जीत के बाद गंभीर ने कहा था कि उन्हें लगता है कि वनडे प्रारूप में

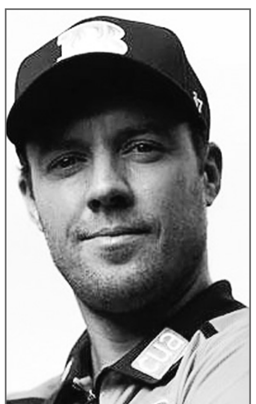

बल्लेबाजी क्रम को जरूरत से ज्यादा महत्व दिया जाता है। डिविलियर्स ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, 'मैं उनसे कुछ हद तक सहमत हूं। मुझे वनडे में बल्लेबाजों के क्रम में बदलाव करना पसंद रहा है। लेकिन यह एक नाजुक मामला है क्योंकि आप खिलाड़ियों की भूमिकाओं के साथ ज्यादा छेड़छाड़ नहीं कर सकते। उन्होंने कहा, 'इसमें शीर्ष तीन, चार से छह नंबर के बल्लेबाज शामिल होते हैं। इसके बाद निचले क्रम के बल्लेबाजों की बारी आती है। यह लगभग तीन खंडों की तरह है और आप वास्तव में इसके साथ रचनात्मक हो सकते हैं। दाएं और बाएं हाथ के संयोजन बनाने के लिए और खेल की कुछ विशेष परिस्थितियों के अनुसार बदलाव करना सही है। भारत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच जीता जो उसकी 31 मैचों में 27वीं जीत है। डिविलियर्स ने भारतीय टीम की जमकर तारीफ करते हुए कहा, 'भारत का प्रदर्शन विशेषकर टी20 प्रारूप में अविश्वसनीय रहा है। यह तीनों प्रारूपों में सबसे अस्थिर प्रारूप है और ऐसे में अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखने का मतलब है कि टीम सही दिशा में आगे बढ़ रही है। मुझे लगता है कि इसका संबंध भारतीय क्रिकेट की गहराई से है।'

चांदी पर बैठना पसंद नहीं

मेरा लक्ष्य सोना: रवि दहिया

नई दिल्ली । रवि कुमार दहिया भारतीय कुश्ती का ऐसा नाम है जिनसे भविष्य में देश को ओलंपिक जैसे वैश्विक मंच पर स्वर्णिम प्रदर्शन की उम्मीद है। रवि दहिया के नाम से मशहूर इस पहलवान का जन्म हरियाणा के सोनीपत जिले के नहरी में 12 दिसंबर 1997 को हुआ था। हरियाणा को भारतीय कुश्ती का केंद्र माना जाता है। रवि को अपने प्रदेश के साथ ही कुश्ती का प्रभाव अपने घर में भी देखने को मिला। रवि के पिता राकेश दहिया तो किसान हैं, लेकिन उनकी मां ऊर्मिला देवी और चाचा मुकेश दहिया कुश्ती से जुड़े रहे हैं। इस वजह से रवि को कुश्ती विरासत में मिली है, जिसे उन्होंने अपने अथक परिश्रम से सफल और समृद्ध बनाया है। रवि ने महज 10 साल की उम्र में दिल्ली के छत्रसाल स्टेडियम में कुश्ती प्रशिक्षण के लिए दाखिला लिया। घर से दूर प्रशिक्षण के लिए पहुंचे रवि के लिए उनके पिता रोजाना 39 किलोमीटर की दूरी तय कर दिल्ली स्टेडियम में उनके लिए घर से ताजा दूध व फल लेकर आते थे। यह प्रक्रिया तब तक जारी थी। रवि के एक बड़े पहलवान के रूप में लोकप्रिय होने तक यह प्रक्रिया जारी रही। ऐसे में रवि के पिता की साधना उन्हें पहलवान बनाने की दिशा में एक बड़ी प्रेरणा है। सतपाल सिंह की देखरेख में में रवि की कोचिंग शुरू हुई थी। सुशील कुमार और योगेश्वर दत्त जैसे पहलवानों ने सतपाल सिंह से ही प्रशिक्षण लिया था और आगे चलकर ओलंपिक पदक विजेता बने। ओलंपिक पदक विजेताओं में

रवि दहिया का नाम भी शामिल है। रवि को सबसे पहले बड़ी पहचान 2018 में अंडर-23 विश्व चैंपियनशिप में मिली। 57 किलोग्राम भार वर्ग में उन्होंने रजत पदक जीता था। 2019 में विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतकर उन्होंने टोक्यो ओलंपिक में अपनी जगह सुनिश्चित की थी। रवि एशियाई चैंपियनशिप के बादशाह हैं। 2018, 2020, और 2021 में उन्होंने स्वर्ण पदक जीते थे। दहिया के जीवन का सबसे बड़ा क्षण टोक्यो ओलंपिक था। 57 किग्रा फ्रीस्टाइल वर्ग में उन्होंने रजत पदक जीत वैश्विक स्तर पर अपनी ताकत का लोहा मनवाया। हालांकि फाइनल में मिली हार से रवि खुश नहीं थे। उन्होंने कहा था, 'मैं चांदी पर नहीं बैठ सकता। सोना ही मेरा लक्ष्य है।' टोक्यो ओलंपिक के बाद 2022 में बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स में रवि दहिया ने स्वर्ण पदक जीता। 2024 में पेरिस में हुए ओलंपिक में जगह बनाने में सफल नहीं रहे रवि अब अपना भार वर्ग बदलकर लॉस एंजिल्स ओलंपिक की तैयारी कर रहे हैं।

वेलिंगटन टेस्ट

न्यूजीलैंड ने पहली पारी में वेस्टइंडीज पर 73 रन की बढ़त बनाई

वेलिंगटन, एजेंसी। न्यूजीलैंड और वेस्टइंडीज के बीच दूसरा टेस्ट वेलिंगटन में खेला जा रहा है। दूसरे दिन न्यूजीलैंड की पहली पारी 278 रन पर समाप्त हुई। पहली पारी के आधार पर कीवी टीम ने वेस्टइंडीज पर 73 रन की बढ़त बनाई है। न्यूजीलैंड ने दूसरे दिन की शुरुआत बिना किसी नुकसान के 24 रन से की थी। 36 के स्कोर पर उन्हें कप्तान टॉम लैथम के रूप में पहला झटका लगा। वह 11 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद टीम ने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए। सलामी बल्लेबाज डेवन कॉन्वे ने 108 गेंद पर 8 चौकों की मदद से 60 और विकेटकीपर बल्लेबाज मिशेल हे ने 93 गेंद पर 1 छक्का और 9 चौकों की मदद से 61 रन बनाए। इन दोनों के अलावा केन विलियमसन ने 37, डेरिल मिचेल ने 25 रन बनाए। जकारी फॉल्क्स 23 रन बनाकर नाबाद रहे। ब्लेयर टिकनर इंजरी की वजह से बल्लेबाजी करने नहीं आए। इस वजह से न्यूजीलैंड को अपनी पारी 9 विकेट पर 278 रन बनाकर घोषित करनी पड़ी। वेस्टइंडीज के लिए एंडरसन फिलिप ने 3, केमार रोच ने 2 विकेट लिए। जायडन सिल्स, ओजे शिल्ड्स, जस्टिन ग्रिव्स और रोस्टन चेज को 1–1 विकेट मिला। वेस्टइंडीज की पहली पारी 205 रन पर समाप्त हुई थी। शाई होप ने सर्वाधिक 47 और जॉन कैंपबेल ने 44 रन की पारी खेली थी।

जूनियर विश्व कप हॉकी

दो गोल से पिछड़ने के बाद ऐतिहासिक प्रदर्शन

चेन्नई, एजेंसी। दो गोल से पिछड़ने के बाद मेजबान भारत ने ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए 9 साल बाद पुरुषों के जूनियर विश्व कप में पहला कांस्य पदक जीता। तीसरे और चौथे स्थान के लिए हुए प्ले-ऑफ मैच में भारत ने अर्जेंटीना को 4-2 से हराया। मेजबान टीम ने अर्जेंटीना के खिलाफ शानदार 4-2 से वापसी करते हुए जीत हासिल की और सिर्फ 11 मिनट के छोटे से समय में चार गोल करके तीसरा स्थान हासिल किया।

निकोलस रोड्रिग्ज (तीसरे') और सैंटियागो फर्नांडीज ने (44वें) मिनट में मेहमान टीम को बढ़त दिलाई थी जिसके बाद भारत के लिए अंकित पाल ने (49वें), मनमीत सिंह ने (52वें), शरदानंद तिवारी ने (57वें) और अनमोल एक्का ने (58वें) मिनट में गोल किए। भारत ने खेल की शुरुआत आक्रामक तरीके से की और अर्जेंटीना के डिफेंस में सेंध लगाने की कोशिश की। हालांकि यह मेहमान टीम थी जिसने खेल के विपरीत जाकर बढ़त हासिल की, जब निकोलस रोड्रिग्ज (तीसरे मिनट) ने पेनल्टी स्ट्रोक को गोल में बदला। एक गोल के बाद मेजबान टीम ने जोरदार जवाब दिया और तुरंत बराबरी की तलाश में थी।

भारत को पहले क्वार्टर के अंत में लगभग एक मौका

9 साल बाद भारत ने जीता पदक

मिला, लेकिन वे इसका फायदा नहीं उठा पाए। दूसरे क्वार्टर में भारत के लिए यह एक उत्साहजनक शुरुआत थी, उन्होंने वहीं से शुरुआत की जहां उन्होंने पहले क्वार्टर में छोड़ा था। वे खेल में अपनी पकड़ बनाने लगे और अधिक महत्वपूर्ण मौके बनाए, जिससे अर्जेंटीना के डिफेंस पर दबाव पड़ा जो ज्यादातर मौकों पर मजबूत बना रहा।

दिलराज सिंह ने गोल पर शॉट लगाया, जबकि मेजबान टीम ने पहले हाफ में आठ सकर्ल पेनिट्रेशन के साथ कुछ आधे मौके बनाए और बराबरी की तलाश में गेंद पर अपना दबदबा बनाए रखा। हालांकि अर्जेंटीना ने पहले हाफ को 1-0 की बढ़त के साथ खत्म किया। भारत ने तीसरे क्वार्टर की शुरुआत में कुछ पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए। वे हमले में लगातार बने रहे, और अर्जेंटीना के डिफेंस पर दबाव बनाए रखा जो पीछे हट रहा था। मेहमान टीम काउंटर अटैक पर खेलने की कोशिश कर रही थी और उन्हें कुछ मौके भी मिले, लेकिन प्रिंसदीप सिंह ने शानदार डबल सेव करके भारत को खेल में बनाए रखा। अर्जेंटीना ने आखिरकार तीसरे क्वार्टर के अंत में सैंटियागो फर्नांडीज (44वें) मिनट में किये गोल से अपनी बढ़त दोगुनी कर दी।

हरमनप्रीत कौर-युवराज सिंह को सम्मान

इस क्रिकेट स्टेडियम में बनेगा उनके नाम का स्टैंड

नई दिल्ली, एजेंसी। पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन (पीसीए) ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर के नाम पर मोहाली में स्थित मुल्लांपुर स्थित महाराजा यादवेंद्र सिंह क्रिकेट स्टेडियम में एक स्टैंड का नाम रखने की घोषणा की है। उनके साथ युवराज सिंह के नाम पर भी यहां स्टैंड का उद्घाटन होगा। इसके अलावा, हरमनप्रीत कौर के साथ अमनजोर कौर को इनामी राशि भी दी जाएगी। भारतीय क्रिकेट की बढ़ती लोकप्रियता और खिलाड़ियों की ऐतिहासिक उपलब्धियों पर आज कई स्पोर्ट्स प्लेटफ़ॉर्म, जैसे Betwinner India, भी खास नज़र रख रहे हैं, जो भारतीय खेलों में लगातार बढ़ती दिलचस्पी को दर्शाता है। पीसीए के कार्यवाहक सचिव सिद्धार्थ शर्मा ने आईएएनएस से कहा, 'इन खिलाड़ियों को वर्ल्ड कप जीतने के लिए सम्मानित किया जा रहा है। हमने उनके नाम पर एक स्टैंड की घोषणा की है। 11 दिसंबर को भारत-साउथ अफ्रीका मैच में इसका उद्घाटन होगा।' उन्होंने कहा, 'यहां दो बार के वर्ल्ड कप चैंपियन युवराज सिंह के नाम से स्टैंड का भी उद्घाटन होगा। हरमनप्रीत कौर और अमनजोत कौर को इनामी राशि दी जाएगी। यह स्टैंड न्यू मुल्लापुर में नए अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में होगा। यह उनके लिए एक छोटी सी चीज है, उन्होंने पूरे देश को विश्व कप खिताब जिताया है। यह उनकी उपलब्धि के लिए हमारी तरफ से एक छोटी सी भेंट है।' सिद्धार्थ शर्मा मानते हैं कि इन महिला खिलाड़ियों को देखकर ही युवा लड़कियां भी इस खेल से जुड़ेंगी। उन्होंने कहा, 'विमेंस क्रिकेट में हरमनप्रीत कौर, स्मृति मंधाना और जेमिमा रोड्रिगेज जैसी खिलाड़ियों को देखकर ही युवा आगे आएंगी। इससे उन्हें प्रेरणा मिलेगी। जब युवा पीढ़ी को प्रेरणा मिलेगी, तभी महिला क्रिकेट आगे बढ़ेगा। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारत ने नवी मुंबई में 2 नवंबर को खेले गए महिला विश्व कप 2025 के फाइनल मैच में साउथ अफ्रीका को 52 रन से शिकस्त देकर खिताब अपने नाम किया था। यह भारतीय महिला क्रिकेट टीम का पहला विश्व कप खिताब था। इस मुकाबले में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवरों में 7 विकेट खोकर 298 रन बनाए।

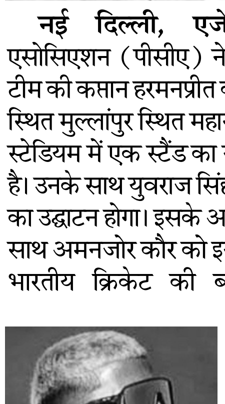

ऑस्ट्रेलिया ने अंडर-19 विश्व कप टीम की घोषणा की, दो भारतीयों को मिली जगह

मेलबर्न, एजेंसी। नामीबिया और जिम्बाब्वे में 15 जनवरी से 6 फरवरी तक होने वाले पुरुषों के अंडर–19 क्रिकेट विश्व कप के लिए मौजूदा चैंपियन ऑस्ट्रेलिया ने 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की है। टीम में भारतीय मूल के दो खिलाड़ियों आर्यन शर्मा और जॉन जेम्स को शामिल किया गया है। आर्यन उपयोगी बल्लेबाज और धीमी गति के बाएं हाथ के स्पिनर हैं जबकि जेम्स ऑलराउंडर हैं जो दाएं हाथ से मध्यम गति की गेंदबाजी करते हैं। यह दोनों उस टीम का हिस्सा थे जो सितंबर में युवा टेस्ट और वनडे श्रृंखला में भारत के खिलाफ खेली थी। भारतीय मूल के क्रिकेटरों के अलावा ऑस्ट्रेलिया की टीम में श्रीलंकाई मूल के दो खिलाड़ी (नादेन कूरे और नितेश सैमुअल) और चीनी मूल का एक खिलाड़ी (एलेक्स ली यंग) भी शामिल हैं। ओलिवर पीक टीम के कप्तान हैं। ऑस्ट्रेलिया की जूनियर टीम के मुख्य कोच टिम नीलसन ने कहा, 'आईसीसी अंडर19 विश्व कप के लिए एक मजबूत और संतुलित टीम की घोषणा करते हुए हमें बेहद खुशी हो रही है। हमारा ध्यान ऐसे खिलाड़ियों के चयन पर रहा है जिनके कौशल एक-दूसरे के पूरक हों और जिनसे हम टूर्नामेंट में सफलता हासिल करने की उम्मीद कर सकते हैं।' उन्होंने कहा, 'जिन खिलाड़ियों का चयन किया गया है उन्होंने सितंबर में भारत के खिलाफ अंडर19 श्रृंखला और हाल ही में पर्थ में खेली गई राष्ट्रीय अंडर19 चैंपियनशिप में अच्छा प्रदर्शन किया था।' ऑस्ट्रेलिया को ग्रुप ए में आयरलैंड, जापान और श्रीलंका के साथ रखा गया है। टीम जनवरी की शुरुआत में नामीबिया पहुंचेगी और नौ से 14 जनवरी तक अभ्यास मैच खेलेगी।

फुटबॉल

चैंपियंस लीग में 16 वर्षीय सैल्मन का डेब्यू; रियल मैड्रिड के तीन खिलाड़ी रेफरी से बदसलूकी पर निलंबित

नई दिल्ली, एजेंसी। यूरोपीय फुटबॉल में इस हफ्ते दो विपरीत तस्वीरें सामने आईं। एक ओर 16 साल के मार्ली सैल्मन ने चैंपियंस लीग में आर्सेनल की ओर से डेब्यू कर इतिहास रचा, वहीं दूसरी ओर रियल मैड्रिड के तीन खिलाड़ियों को रेफरी के प्रति अनुचित व्यवहार के कारण दो मैचों के निलंबन का सामना करना पड़ा।

आर्सेनल के 16 वर्षीय डिफेंडर मार्ली सैल्मन का रिकॉर्ड डेब्यू– लंदन में क्लब ब्रुग के खिलाफ खेले गए मैच में आर्सेनल ने 3-0 की शानदार जीत दर्ज की। इस मुकाबले में एक खास पल तब आया जब मार्ली सैल्मन, जिनकी उम्र सिर्फ 16 साल 103 दिन है, को कोच मिकेल आर्टेटा ने अंतिम मिनटों में मैदान पर उतारा। जैन ब्राइडलस्टेडियन में हुए इस मैच ने सैल्मन को चैंपियंस लीग इतिहास के छठे सबसे कम उम्र के खिलाड़ी के रूप में दर्ज कर दिया। आर्टेटा ने मैच के बाद कहा, 'हमें पता था कि किसी न किसी दिन हमें उसे मौका देना होगा। वह अभी सिर्फ 16 साल का है और चैंपियंस लीग में खेलना कोई छोटी बात नहीं।' आर्सेनल की इस सीजन में यह सबसे कम उम्र का डेब्यू भी नहीं है। इससे पहले मैक्स डॉमन, उम्र 15 साल 308 दिन, स्लाविया प्राग के खिलाफ मैदान पर उतरकर रिकॉर्ड बना चुके हैं। श्वस्न के मुताबिक, जैक विल्शर और डॉमन के बाद, सैल्मन आर्सेनल के तीसरे ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्हें 16 वर्ष या उससे कम उम्र में चैंपियंस लीग में मैदान पर उतारा गया है। क्लब का कहना है कि नंबर 89 जर्सी पहनने वाला यह डिफेंडर एक बेहतरीन बॉल-प्लेइंग सेंटर-बैक है और उसने अंडर-11 टीम से शुरुआत की थी। खास बात यह है कि सैल्मन ने अभी तक आर्सेनल के लिए कोई सीनियर घरेलू लीग या कप मैच नहीं खेला है। उनका टॉप-टियर डेब्यू अंडर-21 फुटबॉल लीग ट्रॉफी के मुकाबले से पहले ही चैंपियंस लीग के मंच पर हो गया।

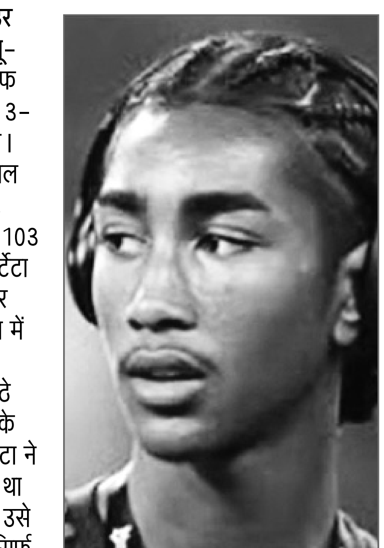

पाकिस्तान में फुटबॉल मैच के बाद खिलाड़ियों की शर्मनाक हरकत, लाइव प्रसारण वायरल होने के बाद जांच शुरू

कराची, एजेंसी: पाकिस्तान फुटबॉल फेडरेशन और देश की सबसे बड़ी ओलंपिक संस्था कराची में पाकिस्तान आर्मी और डब्ल्यूएपीडीए टीम के बीच सेमीफाइनल मैच के बाद हुई एक शर्मनाक घटना की जांच कर रही है जिसमें कई खिलाड़ियों और अधिकारियों को चोटें आई हैं। केपीटी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में नेशनल गेम्स फुटबॉल सेमीफाइनल के बाद दोनों तरफ के खिलाड़ी आपस में भिड़ गए और अधिकारी भी इसमें शामिल हो गए जिसके बाद उन्होंने एक-दूसरे को मुक्के और लातें मारीं। मैच का लाइव प्रसारण हो रहा था, इसलिए ये शर्मनाक दृश्य कैमरे में कैद हो गया और बाद में सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद कई लोगों ने दोनों टीमों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। यह लड़ाई तब शुरू हुई जब डब्ल्यूएपीडीए के कुछ सदस्यों ने आर्मी के खिलाड़ियों के अपनी डगआउट के सामने जीत का जश्न मनाने पर गुस्सा जताया। पीएफएफ के एक अधिकारी ने कहा कि उन्होंने इस घटना का संज्ञान लिया है और पाकिस्तान ओलंपिक एसोसिएशन भी इस मामले की जांच करेगा क्योंकि नेशनल गेम्स उसी के दायरे में आते हैं। उन्होंने कहा, 'हम अपनी जांच करेंगे और लड़ाई भड़काने या शुरू करने में शामिल पाए गए खिलाड़ियों और अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।'

न्यूज डायरी

लड़कियों को सशक्त बनाने हेतु आत्मरक्षा प्रशिक्षण

भारतीय रेलवे वित्त निगम द्वारा समर्थित एक सी एस आर पहल

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। महिला सुरक्षा, सशक्तिकरण और सामुदायिक कल्याण को बढ़ावा देने की दिशा में, आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम भारतीय रेलवे वित्त निगम के कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व सहयोग से प्रारंभ किया जा रहा है।

यह पहल आई आर एँफ़ सी की सामाजिक विकास, लैंगिक समानता और क्षमता निर्माण को मजबूत करने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

यह कार्यक्रम निम्नलिखित प्रतिष्ठित अधिकारियों के मार्गदर्शन में संचालित किया जा रहा हैः

श्री मनोज कुमार दुबे — चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक,
श्री हिमांशु जैन, आई ए एस — उपायुक्त, लुधियाना
सुश्री प्रगति वर्मा, आई ए एस — अतिरिक्त उपायुक्त, लुधियाना
सुश्री डिम्पल मदान — जिला शिक्षा अधिकारी, लुधियाना
श्री कुलवीर सिंह — जिला खेल समन्वयक, लुधियाना

कार्यक्रम के बारे में इस कार्यक्रम का उद्देश्य स्कूल और कॉलेज की छात्राओं को आवश्यक आत्मरक्षा तकनीकों का प्रशिक्षण प्रदान करना है, जिससे उनमें आत्मविश्वास, अनुशासन, मानसिक दृढ़ता, शारीरिक फिटनेस का विकास हो सके। यह पहल युवा महिलाओं को दैनिक जीवन में आने वाली चुनौतियों और आपात स्थितियों का प्रभावी रूप से सामना करने में सक्षम बनाती है।

कार्यक्रम की मुख्य विशेषताएँ -एस पि इ फ़ अल -एस सी के मार्गदर्शन में प्रमाणित मार्शल आर्ट्स एवं डिफेंस प्रशिक्षकों द्वारा प्रशिक्षण प्रतिभागियों को आत्मरक्षा किट और स्पोर्ट्स किट प्रदान की जाएगी वास्तविक परिस्थितियों पर आधारित 12-दिवसीय सघन प्रशिक्षण शिविर सी एस आर ढाँचे के अंतर्गत मान्यता प्राप्त भागीदारी प्रमाणपत्र प्रदान किए जाएंगे यह सी एस आर कार्यक्रम आई आर एँफ़ सी के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है।

जगजीत सिंह जी बने जीएमसीएच 32 कांटेक्ट सुरक्षा कर्मचारी यूनियन589/2009 के नए प्रधान

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। आज दिनांक 10.12.2025 को समस्त सुरक्षा कर्मचारी वर्कों की एक मीटिंग बुलाई गई और इस मीटिंग में जगजीत सिंह जी को सभी वर्कों की सर्व समिति से जीएमसीएच 32 कॉन्ट्रैक्ट सुरक्षा कर्मचारी यूनियन589/2009 का नया प्रधान घोषित किया कमेटी का जनरल सेक्रेटरी तालिब हुसैन, जॉइंट सेक्रेटरी पवनदीप सिंह,उप प्रधान -सुरेंद्र सिंह, भूपेंद्र सिंह नेहरा, कैशियर राजकुमार, अप कैशियर जसवीर सिंह, प्रोपेगेंडा सेक्रेटरी- कमलदीप नेन, उप प्रोपेगेंडा सेक्रेटरी कुलवीर सिंह, सलाहकार-करमजीत सिंह उप सलाहकार संवेग सिंह, प्रेस सेक्रेटरी राजेंद्र सिंह, उप प्रेस सेक्रेटरी हरजीत सिंह नगवा कोर कमेटी मेंबर जगतार सिंह, रविंद्र सिंह, अंतराज को बनाया गया।

महापौर कुलभूषण गोयल ने धर्मशाला और ईपीडीएम ट्रै का किया शुभारंभ

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। महापौर कुलभूषण गोयल ने वीरवार को शहर में विभिन्न विकास परियोजनाओं का शुभारंभ किया। कार्यक्रम की शुरुआत गांव देवीनगर में नगर निगम द्वारा निर्मित नई धर्मशाला के उद्घाटन से हुई। इस अवसर पर उनके साथ भाजपा जिला अध्यक्ष अजय मित्तल, नगर निगम पंचकूला के आयुक्त आर.के. सिंह, पार्षद अक्षय दीप चौधरी, पूर्व नगर परिषद प्रधान सीमा चौधरी और भाजपा जिला महामंत्री जय कौशिक भी मौजूद रहे।

महापौर गोयल ने कहा कि अपने लगभग पांच वर्षों के कार्यकाल में उन्होंने पंचकूला के सभी सेक्टरों और गांवों में बिना किसी भेदभाव के समान विकास करवाया है। उन्होंने बताया कि शहर में करीब 400 करोड़ रुपये के विकास कार्य पूरे करवाए गए हैं। इनमें मुख्य रूप से सड़कों की री-कारपेटिंग, सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाना, विभिन्न सार्वजनिक भवनों का निर्माण तथा अंडर ब्रिज और ओवर ब्रिज जैसी महत्वपूर्ण परियोजनाएँ शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इन सभी कामों को पूरा करने में नगर निगम अधिकारियों, कर्मचारियों और आम नागरिकों का महत्वपूर्ण सहयोग मिला। धर्मशाला उद्घाटन के बाद महापौर गोयल सेक्टर 2 पहुंचे, जहां उन्होंने ईपीडीएम ट्रैक का शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सोनीपत में किया मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना के दूसरे चरण का शुभारंभ

- राज्य स्तरीय अंत्योदय उत्थान मेले का किया उद्घाटन
- अंत्योदय उत्थान मेले विकास, सहभागिता और उत्साह का संगम - मुख्यमंत्री

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने गुरुवार को सोनीपत के सुभाष स्टेडियम में मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना-2.0 की शुरुआत करते हुए राज्य स्तरीय अंत्योदय उत्थान मेले का उद्घाटन किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के दर्शन पर चलते हुए गरीबों का जीवन स्तर ऊपर उठाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। अंत्योदय मेला केवल योजनाओं की जानकारी देने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह विकास, सहभागिता और उत्साह का संगम है। यहां आने वाले हर परिवार के चेहरे पर जो उम्मीद की चमक है, वही हमारे प्रयासों की सच्ची पहचान है।

उन्होंने कहा कि गरीब परिवारों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से यह योजना शुरू की गई है, जिसका जरूरतमंद परिवारों को लाभ मिल रहा है। यह योजना गरीब परिवारों को समान अवसर, कौशल विकास, रोजगार, सम्मान और जीवन स्तर में सुधार देने के लिए एक समग्र पहल के साथ सामूहिक संकल्प है। योजना के पहले चरण में कुल 166 स्थानों पर अंत्योदय मेलों का आयोजन किया गया, जबकि योजना के दूसरे चरण में प्रदेशभर में चरणबद्ध तरीके से मेलों का आयोजन होगा।

उन्होंने कहा कि किसी भी समाज की मजबूती उसके परिवारों की मजबूती से तय होती है। यदि परिवार शिक्षित और सशक्त है, तो पूरा प्रदेश अपने आप समृद्धि की राह पकड़ लेता है। राज्य सरकार का प्रयास है कि समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ बिना किसी भेदभाव और बिना किसी देरी के पहुंचे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह योजना परिवारों की क्षमता विकसित करने पर बल देती है। इस योजना के तहत उन्हें ऋण और प्रशिक्षण दिया जाता है ताकि वे स्वयं अपने पैरों पर खड़े हो सकें। यह योजना हर क्षेत्र में, चाहे वह रोजगार सृजन हो, स्वरोजगार के अवसर हों, शिक्षा हो, स्वास्थ्य, अंत्योदय परिवारों के जीवन को नई दिशा देती है। इस मेले में पेंशन, बीपीएल सेवाएं, राशन कार्ड, स्वरोजगार ऋण, कौशल विकास, महिला सशक्तिकरण, कृषि, पशुपालन सहित दर्जनों विभागों की सेवाएं मौके पर उपलब्ध करवाई जा रही हैं। साथ ही पात्र लाभार्थियों को उनकी समस्या का समाधान करके तुरंत उनका लाभ प्रदान किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि सरकार ने मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना के माध्यम से गरीब से गरीब परिवार की वार्षिक आय कम से कम 1 लाख 80 हजार रुपये करने का बीड़ा उठाया है। इसके लिए गरीब परिवारों को ऋण स्कीमों, कौशल विकास स्कीमों और निजी या विभिन्न विभागों में दिहाड़ी रोजगार और दूसरी सुविधाओं के साथ जोड़ा गया है। इस योजना में 19 विभागों की 49 योजनाओं को शामिल किया गया है। इसका लाभ प्राप्त करने के लिए एक पोर्टल भी बनाया है। इस पोर्टल पर योजनाओं की जानकारी के अलावा, पात्रता व लाभ का विवरण भी दिया गया है। इसी पोर्टल पर पात्र व्यक्ति योजना के लिए आवेदन भी कर सकता है।

महिलाओं के उत्थान के लिए सरकार प्रतिबद्ध - मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने दीनदयाल लाडो लक्ष्मी योजना का जिक्र करते हुए कहा कि सरकार द्वारा महिलाओं को आर्थिक व सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए इस योजना की शुरुआत की गई है। अब तक दो किस्तों में 7 लाख से अधिक बहन-बेटियों को 258 करोड़ रुपये की राशि प्रदान की गई है।

उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा ऑटो मोड में अब तक 41 लाख से अधिक परिवारों के राशन कार्ड बनाए गए हैं। इतना ही नहीं, बी.पी.एल. परिवार को मुफ्त चिकित्सा सुविधा प्रदान करने के लिए चिरायु योजना चलाई हुई है। आयुष्मान भारत-चिरायु योजना में 25 लाख 39 हजार मरीजों का 4,126 करोड़ रुपये का मुफ्त इलाज किया गया है। निरोगी हरियाणा योजना के प्रथम चरण में अंत्योदय परिवारों के 96.72 लाख लाभार्थियों की स्वास्थ्य जांच की जा चुकी है तथा 5.60 करोड़ मुफ्त लैब टेस्ट किए गए।

उन्होंने कहा कि दयालु योजना के तहत 38 हजार 671 परिवारों को 1456 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता दी जा चुकी है। गरीब महिलाओं को हर महीने केवल 500 रुपये में गैस सिलेंडर दिया जा रहा है। यह लाभ प्रदेश के लगभग 14 लाख 70 हजार परिवारों को मिल रहा है। हरियाणा अंत्योदय परिवार परिवहन योजना (हैप्पी) के अंतर्गत नागरिकों को एक वर्ष में 1000 किलोमीटर तक मुफ्त यात्रा की सुविधा दी जा रही है।

गरीब परिवारों के लिए सरकार प्रदान कर रही आवास सुविधा - मुख्यमंत्री

श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि मकान की मरम्मत के लिए अम्बेडकर आवास नवीनीकरण योजना के तहत गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन करने वाले अनुसूचित जाति के 76 हजार 985 लाभार्थियों को 416 करोड़ रुपये की राशि दी गई है।

'सी-डैक की डिजिटल गवर्नेंस और उभरती प्रौद्योगिकी समाधान एवं सेवाओं' पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यशाला आयोजित की

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। डिजिटल गवर्नेंस को मजबूत करने और सार्वजनिक सेवा वितरण में उभरती प्रौद्योगिकियों के अपनाने को तेज करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांस्ड कंप्यूटिंग (सी-डैक) ने आज चंडीगढ़ में "सी-डैक की डिजिटल गवर्नेंस और उभरती प्रौद्योगिकी समाधान एवं सेवाएं" विषय पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यशाला आयोजित की। यह कार्यशाला हरियाणा के सिटिजन रिसोर्सेज इनफॉर्मेशन डिपार्टमेंट (क्रीड) के सहयोग से आयोजित की गई। सी-डैक भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अंतर्गत एक प्रतिष्ठित अनुसंधान एवं विकास संस्था है। इस कार्यक्रम में अतिरिक्त मुख्य सचिव श्रीमती जी. अनुपमा मुख्य अतिथि और सूचना प्रौद्योगिकी, सिटिजन रिसोर्सेज इनफॉर्मेशन डिपार्टमेंट (CRID) के विशेष सचिव एवं निदेशक डॉ. राहुल नरवाल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यशाला का उद्देश्य सरकारी हितधारकों को सी-डैक के उन्नत डिजिटल गवर्नेंस उपकरणों, साइबर सुरक्षा ढाँचों, नवोन्मेषी आईसीटी प्लेटफॉर्मों और उभरती तकनीकों के बारे में जागरूक करना था, जो सार्वजनिक सेवाओं को अधिक सुगम और आधुनिक बनाने के लिए विकसित किए गए हैं। उन्होंने बताया कि इस कार्यशाला में सी-डैक मुंबई के विशेषज्ञों ने कई तकनीकी सत्र प्रस्तुत किए, जिनमें राष्ट्रीय स्तर के प्लेटफॉर्म और अग्रणी पहल शामिल थीं। प्रमुख प्रस्तुतियों में संवाद -एआई — जनरेटिव एआई आधारित सरकारी योजना वितरण; उपस्थिति एआई — एआई संचालित समूह उपस्थिति और कार्यबल प्रबंधन; लसाइट— एआई आधारित लो स्क्रिप्ट ऑटोमेशन एवं परीक्षण; एनॉन शिलड — गोपनीयता-संरक्षण डिजिटल सुरक्षा समाधान; इ -प्रमाण (मेरी पहचान) — एकीकृत प्रमाणीकरण प्लेटफॉर्म; इ -सम्मति — डिजिटल सहमति प्रबंधन प्रणाली; ब्लॉकचेन आधारित ई-वोटिंग सिस्टम आदि शामिल थे।

आरटीए पंचकूला की कार्रवाई: 10 स्कूली बसों के चालान, 3 इंपाउंड

- सुरक्षित स्कूल वाहन पॉलिसी के तहत सुरक्षा मानकों और यातायात नियमों की अवहेलना पाए जाने पर की गई कार्यवाही
- स्कूल वाहन पॉलिसी का उद्देश्य स्कूली बच्चों का सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करना है

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। सुरक्षित स्कूल वाहन पॉलिसी के तहत आरटीए पंचकूला द्वारा चलाई जा रही मुहिम के दौरान आज आरटीए टीम ने स्कूली बसों की जांच की। सुरक्षा मानकों और यातायात नियमों की अवहेलना पाए जाने पर 10 स्कूली बसों के चालान किए गए, जिनमें से 3 बसों को इंपाउंड भी किया गया है।

आरटीए पंचकूला के सहायक सचिव श्री शम्मी शर्मा ने बताया कि सुरक्षित स्कूल वाहन पॉलिसी का उद्देश्य स्कूली बच्चों का सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करना है।

इसी उद्देश्य से सहायक सचिव श्री शम्मी शर्मा की अगुवाई में मोटर व्हीकल इंस्पेक्टर ब्रिजेश, ट्रांसपोर्ट इंस्पेक्टर सुभाष, मोहित लाकड़ा, रविंद्र और ट्रांसपोर्ट सब-इंस्पेक्टर संदीप की टीम द्वारा स्कूली बसों की चैकिंग की गई। जांच के दौरान फर्स्ट-ऐड किट के अभाव, फिटनेस और इंश्योरेंस समाप्त होने जैसी कमियों के कारण 10 स्कूली बसों का चालान किया गया तथा इनमें से 3 बसों को इंपाउंड किया गया।

उन्होंने बताया कि सुरक्षित स्कूल वाहन पॉलिसी के अंतर्गत स्कूली बसों में सभी सुरक्षा मानदंडों का पालन करना अनिवार्य है। बच्चों की सुरक्षा से किसी भी प्रकार का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा की स्कूल संचालकों को निर्देश दिए गए है कि वे अपनी बसों का संचालन केवल सुरक्षित वाहन पॉलिसी के तहत ही सुनिश्चित करें।

उन्होंने कहा कि इस अभियान के तहत स्कूली बसों का निरीक्षण लगातार जारी रहेगा।

हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी और साहित्य अकादमी, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वाधान में लिसानी रिश्ते (परिसंवाद) हुआ कार्यक्रम

- 24 भाषाएं एक ही वटवृक्ष की अलग-अलग शाखाएं
- साहित्य संपदा को देवनागरी लिपि में संरक्षित करना जरूरी
- उर्दू और पंजाबी एक ही मिट्टी पंजाब से हुई अंकुरित

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी और साहित्य अकादमी, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वाधान में पंजाबी और उर्दू में लिसानी रिश्ते (परिसंवाद) कार्यक्रम का आयोजन पंचकूला में किया गया। इस कार्यक्रम में डॉ कुलदीप चन्द अग्निहोत्री ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। उन्होंने कहा कि जो भी भारतीय भाषाएं हैं, उनका मूल उत्स एक होने के कारण उनमें समानताएं हैं। भाषा दूसरी भाषा के शब्दों को आत्मसात करती रहती हैं। हिन्दुस्तान व यूरोप की भाषाओं में समानता है तो इन सभ्यताओं का मूत उत्स भी एक ही रहा होगा। बहुत बड़ा सहित्य अरबी, फारसी लिपि में लिखा गया है। इस साहित्य संपदा को देवनागरी लिपि में संरक्षित करना जरूरी है।

कार्यक्रम का उद्घाटन संबोधन में केंद्रीय साहित्य अकादमी के अध्यक्ष डॉ माधव कौशिक ने कहा कि उर्दू और पंजाबी एक ही मिट्टी पंजाब से अंकुरित हुई हैं। अतः दोनों की उर्जा का मूल स्त्रोत्र एक ही है। हमारी 24 भाषाएं एक ही वटवृक्ष की अलग-अलग शाखाएं हैं। इंसाईक्लोपीडिया ब्रिटेनिका के संपादकीय में 2000 शब्दों के योगदान के लिए भारतीयों का आभार व्यक्त किया गया है। लिथवानियां की भाषा संस्कृत की मूल शब्द सम्पदा से भरपूर है। कार्यक्रम के आरंभ में केंद्रीय साहित्य अकादमी की सह संपादक डॉ संदीप कौर द्वारा कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की गई।

डॉ. भूपिन्दर अजीज परिहार ने बीज व्यक्तव्य में पंजाबी और उर्दू लिसानी रिश्ते के बारे में अपने विचार भी तफ्सील से रखे और उन्होंने उर्दू के मशहूर शायर कृष्ण अदीब पर विशेष वक्तव्य भी प्रस्तुत कर उनकी यादें सांझा की।इस सत्र की अध्यक्षता करते हुए सुप्रसिद्ध पत्रकार डॉ निरुपमा दत्त ने कृष्ण अदीब के योगदान को रेखांकित किया।

इस कार्यक्रम में उर्दू व पंजाबी का लिसानी रिश्ता विषय पर प्रख्यात विद्वान डॉ. के.के. ऋषि, डॉ. मुहम्मद रफी, डॉ. भूपेन्द्र अजीज परिहार, मैं अपने शोध पर आलेख प्रस्तुत किए। इस सत्र की अध्यक्षता चंडीगढ़ साहित्य अकादमी के अध्यक्ष वरिष्ठ साहित्यकार डॉ मनमोहन सिंह ने की। डॉ मनमोहन सिंह ने पंजाबी और उर्दू की भाषागत समानताओं एवं विषमताओं पर व्यापक रूप से चर्चा की। यह अनूठा कार्यक्रम केन्द्रीय साहित्य अकादमी, नई दिल्ली के सौजन्य से आयोजित किया गया। श्री मनजीत सिंह, सदस्य सचिव हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी,इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। डॉ. चन्द्र त्रिखा, निदेशक, उर्दू प्रकोष्ठ, संस्कृत ने कार्यक्रम में शिरकत करने वाले विद्वानों श्रोतागणों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर डॉ. सी.डी. कौशल, निदेशक संस्कृत प्रकोष्ठ, डॉ. जितेन्द्र पाल परवाज, श्री एस.ए. हन्नान, डॉ. विजेन्द्र , डॉ प्रतिभा मनीषा नांदल मुकेश लता प्रदीप वशिष्ठ सतीश अवस्थी संतोष गर्ग अश्वनी शांडिल्य सहित अनेक लेखक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में प्रख्यात उर्दू शायर कृष्ण अदीब पर भी एक सत्र का आयोजन किया गया।

वर्ल्ड बैंक ने हरियाणा स्वच्छ वायु परियोजना के लिए 305 मिलियन अमेरिकी डॉलर किए मंजूर

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा की पर्यावरणीय प्रतिबद्धताओं को एक महत्वपूर्ण प्रोत्साहन देते हुए, वर्ल्ड बैंक ने हरियाणा स्वच्छ वायु परियोजना फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट (HCAPSD) के लिए 305 मिलियन अमेरिकी डॉलर की वित्तीय सहायता को मंजूरी प्रदान की है। यह परियोजना 2030 तक हरियाणा को प्रदूषण-मुक्त राज्य बनाने की दिशा में सरकार की प्रमुख पहल है। स्वीकृत सहायता में 300 मिलियन अमेरिकी डॉलर का IBRD लोन तथा SA रीजनल इंटीग्रेशन मल्टी-डोनर ट्रस्ट फंड से 5 मिलियन अमेरिकी डॉलर का अनुदान शामिल है।

एक सरकारी प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि वर्ल्ड बैंक द्वारा 305 मिलियन अमेरिकी डॉलर की वित्तीय सहायता पिछले वर्ष नवंबर में चंडीगढ़ में मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी और वर्ल्ड बैंक प्रतिनिधियों के बीच हुई उच्च-स्तरीय बैठक के उपरांत प्राप्त हुई है। बैठक के दौरान वर्ल्ड बैंक ने हरियाणा स्वच्छ वायु परियोजना फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट के क्रियान्वयन के लिए 2,498 करोड़ रुपये के लोन का आश्वासन दिया था। परियोजना की कुल लागत 3,646 करोड़ रुपये है, जिसमें से 1,065 करोड़ रुपये का योगदान हरियाणा सरकार द्वारा और अतिरिक्त 83 करोड़ रुपये अनुदान के रूप में दिया जाएगा।

हरियाणा स्वच्छ वायु परियोजना फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट का उद्देश्य परिवहन, उद्योग, कृषि, शहरी प्रबंधन और वैज्ञानिक निगरानी जैसे प्रमुख क्षेत्रों में समन्वित हस्तक्षेपों के माध्यम से पूरे राज्य में वायु गुणवत्ता में मापनीय सुधार करना है। इसका क्रियान्वयन समर्पित एसपीवी ARJUN (AI for Resilient Jobs, Urban Air Quality & Next-Gen Skills Council) द्वारा किया जाएगा, जो योजना, कार्यान्वयन और वास्तविक समय निगरानी में प्रभावी समन्वय सुनिश्चित करेगा। ARJUN की अध्यक्षता हरियाणा मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव श्री राजेश खुल्लर कर रहे हैं, जिन्होंने 2020 से 2023 तक भारत, भूटान, बांग्लादेश और श्रीलंका के प्रतिनिधि के तौर पर वर्ल्ड बैंक के बोर्ड ऑफ़ डायरेक्टर्स में एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर के रूप में काम किया है।

यह प्रोजेक्ट हरियाणा के एक्शन प्लान को सपोर्ट करेगा, जिसका मकसद कई सेक्टरों के दखल के ज़रिए हवा में प्रदूषण को कम करना है। यह प्रोजेक्ट एयर क्वालिटी और एमिशन मॉनिटरिंग सिस्टम में इन्वेस्ट करेगा ताकि राज्य की अलग-अलग प्रदूषण के सोर्स के असर को बेहतर ढंग से मापने की क्षमता को मज़बूत किया जा सके।

परियोजना में परिवहन क्षेत्र के लिए 1,688 करोड़ रुपये निर्धारित किए गए हैं, जिनका लक्ष्य शहरी परिवहन उत्सर्जन में तेज़ी से कमी लाना और राज्य के स्वच्छ मोबिलिटी पारिस्थितिकी तंत्र को सुदृढ़ करना है। इस अंतर्गत 1,513 करोड़ रुपये की लागत से गुरुग्राम, फरीदाबाद, सोनीपत और झज्जर में 500 इलेक्ट्रिक बसें तैनात की जाएंगी। इसके अतिरिक्त, 10 करोड़ रुपये उच्च-प्रदूषणकारी वाहनों को चरणबद्ध रूप से हटाने एवं स्क्रैपिंग इकोसिस्टम के लिए, 20 करोड़ रुपये में 200 EV चार्जिंग स्टेशन, 100 करोड़ रुपये इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर इंसेंटिव और 45 करोड़ रुपये पुराने थ्री-व्हीलर्स को EV में बदलने हेतु फ्लीट रिप्लेसमेंट इंसेंटिव पर व्यय किए जाएंगे। यह कार्य गुरुग्राम मेट्रोपॉलिटन सिटी बस लिमिटेड, हरियाणा सिटी बस सर्विस लिमिटेड तथा परिवहन एवं उद्योग विभागों के माध्यम से संयुक्त रूप से किया जाएगा। उद्योग और वाणिज्य विभाग द्वारा 563 करोड़ रुपये स्वच्छ औद्योगिक संचालन, रियल-टाइम उत्सर्जन नियंत्रण एवं अनुपालन सुधार पर खर्च किए जाएंगे। इसमें 100 करोड़ रुपये औद्योगिक बॉयलरों को पाइप्ड नेचुरल गैस (PNG) में शिफ्ट करने के लिए, 330 करोड़ रुपये कम-उत्सर्जन विकल्पों को बढ़ावा देकर डीज़ल जनरेटर सेट के प्रतिस्थापन हेतु, तथा 33 करोड़ रुपये प्रमुख औद्योगिक इकाइयों में CEMS लगाने के लिए निर्धारित हैं। कृषि क्षेत्र में 746 करोड़ रुपये कृषि एवं विकास तथा पंचायत विभागों के माध्यम से व्यय किए जाएंगे। इनमें 2030 तक पराली जलाने को समाप्त करने के लिए 280 करोड़ रुपये, बायो-डीकंपोजर तकनीकों पर अनुसंधान हेतु 52 करोड़ रुपये, कृषि विभाग में एक सेकेंडरी एमिशन मॉनिटरिंग सेंटर की स्थापना के लिए 151 करोड़ रुपये, तथा पशु अपशिष्ट से होने वाले उत्सर्जन में कमी लाने हेतु स्वच्छ खाद प्रबंधन प्रणाली विकसित करने के लिए 263 करोड़ रुपये शामिल हैं।

श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी सत्य, बलिदान और मानवता की अमर विरासत - मुख्यमंत्री

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी का जीवन हमें संदेश देता है कि अत्याचार चाहे कितना ही बड़ा क्यों न हो, सत्य और धर्म की शक्ति हमेशा उससे अधिक महान होती है। धर्म केवल पूजा करने का नाम नहीं, बल्कि सत्य, स्वतंत्रता और मानवीय गरिमा की रक्षा का मार्ग है। उन्होंने कहा कि गुरु साहिब का बलिदान मानवता का दिव्य पर्व है और भारत सदियों से इस आध्यात्मिक परंपरा का केंद्र रहा है।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी श्री गुरु तेग़ बहादुर जी के 350 वें शहीदी दिवस के अवसर पर कश्मीरी हिंदू प्रकोष्ठ हरियाणा एवं श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में गुरुवार को गुरुग्राम के अपैरल हाऊस में "तप से त्याग तक" संगीतमय नाटक मंचन कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में प्रख्यात अभिनेता पद्म भूषण अलंकृत अनुपम खेर मुख्यतिथि के रूप में सम्मिलित हुए और मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

मुख्यमंत्री के ओएसडी प्रभलीन सिंह ने मंच से संगत का सत्कार किया। मुख्यमंत्री के ओएसडी डॉ. राज नेहरू ने कार्यक्रम के मुख्यतिथि पद्म भूषण से सम्मानित प्रख्यात अभिनेता अनुपम खेर व मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी को सम्मानित किया। डॉ. राज नेहरू ने अतिथियों का आभार भी ज्ञापित किया। कार्यक्रम में हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह, पटौदी की विधायक बिमला चौधरी, गुरुग्राम के विधायक मुकेश शर्मा भी मौजूद रहे।

संस्कृति का आधार है त्याग : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने संबोधित करते हुए कहा कि तप से त्याग तक नाटक मंचन हमें याद दिलाता है कि हमारी संस्कृति का आधार त्याग है। हमारी सभ्यता की आत्मा तप है। हमारी राष्ट्रीयता की शक्ति सत्य है। उन्होंने कहा कि यह नाटक विशेषकर युवा पीढ़ी को बताता है कि बलिदान केवल इतिहास का अध्याय नहीं है, बल्कि एक चेतना है, जो राष्ट्र को जीवंत रखती है।

1984 पीड़ित सिख परिवारों के लिए हरियाणा सरकार का बड़ा निर्णय, आश्रितों को मिलेगी नौकरी

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार ने 1984 के दंगों में अपने परिजनों को खोने वाले हरियाणा के 121 सिख परिवारों के एक-एक सदस्य को सरकारी नौकरी प्रदान करने का निर्णय लिया है।